{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026
अश्विन कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 12
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 71,909.70
निफ्टी - 22,421.95
सोना - 1,57,812
चांदी - 2,35,000
डॉलर - 96.33

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क बने उपसेना प्रमुख

नई दिल्ली। भारतीय सेना में वरिष्ठ स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में बदलाव हुआ है। लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क ने गुरुवार को उपसेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं सस्टेनेंस) का पदभार संभाल लिया। इसके पहले वे पश्चिमी मोर्चे पर एक कोर के कमांडर के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे। नई भूमिका में उनका प्रमुख दायित्व सेना की सैन्य क्षमता के विकास और लगातार बनाए रखने से जुड़ी योजनाओं की निगरानी करना होगा। बदलते सुरक्षा माहौल को देखकर भारतीय सेना अपनी परिचालन क्षमताओं, संसाधनों और तकनीकी तैयारियों को लगातार मजबूत करने पर जोर दे रही है। लेफ्टिनेंट जनरल विर्क की नई जिम्मेदारी इसी व्यापक प्रयास का हिस्सा है। क्षमता विकास के साथ सैन्य संसाधनों की उपलब्धता और उनके प्रभावी रखरखाव पर भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

राहुल गांधी मानहानि मामले में फिर टली सुनवाई

सुल्तानपुर। गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में बृहस्पतिवार दो बजे सुनवाई टल गई। परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अस्वस्थ होने का हवाला दिया, जिस पर कोर्ट ने छह अक्टूबर सुनवाई की तिथि नियत की है। इससे पहले 21 सितंबर को अधिवक्ता संतोष पांडेय ने आंशिक बहस की जो पूरी नहीं हो पाई। वहीं राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने बताया कि परिवादी की बहस पूरी होने पर वे बहस करेंगे। राहुल गांधी पर वर्ष 2018 में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ बेंगलुरु में आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है।

फ्रीज बैंक खातों के इस्तेमाल की ममता बनर्जी गुट को नहीं मिली अनुमति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) गुट को करीब 804 करोड़ रुपये वाले चार फ्रीज बैंक खातों को संचालित करने की अंतरिम अनुमति देने से इंकार किया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इंकार किया, जिसमें इन खातों के संचालन की मांग वाली याचिका पर अंतरिम राहत देने से मना किया गया था।

कुछ ना कहना

विमान हाईजैक करने की कोशिश

कॉकपिट में एक पायलट ने दूसरे को चाकू मारा, इजराइली फाइटर जेट्स ने इमरजेंसी लैंडिंग कराई

रियाद । दुबई से तेल अवीव जा रही एक फ्लाइट को हाईजैक कर क्रैश कराने की कोशिश हुई है। कॉकपिट में ओमानी पायलट ने दूसरे भारतीय पायलट स्मित मच्छर पर चाकू से हमला किया। इसके बाद ओमानी पायलट ने विमान का कंट्रोल अपने हाथ में लेने की कोशिश की। दूसरे पायलट और कुछ यात्रियों ने हाथापाई कर उसे रोक लिया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाई दुबई की फ्लाइट में यह घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे हुई। झड़प की वजह से 1 मिनट के अंदर विमान करीब 17 हजार फीट नीचे आ गया। इसके बाद विमान से हाईजैक का अलर्ट भेजा गया। इजराइल ने तुरंत फाइटर जेट्स रवाना किए। उनकी निगरानी में फ्लाइट का रास्ता बदला गया और विमान की सऊदी अरब के ताबुक एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में करीब 180 लोग सवार थे, जिनमें लगभग 150 इजराइली नागरिक थे।

पीएम मोदी ने कहा- एक और 9/11 होने से बचा लिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग के शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने एक दिन पहले हुई उस घटना का जिक्र किया, जिसमें भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर ने मुश्किल हालात में धैर्य, सूझबूझ और साहस का परिचय दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी इस घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक भारतीय ने 9/11 जैसी त्रासदी होने से बचा लिया।

विमान में क्या-क्या हुआ

1. पहले इमरजेंसी, फिर हाईजैक का अलर्ट

विमान ने पहले 7700 कोड भेजा। इसका मतलब होता है कि विमान में कोई इमरजेंसी है। कुछ ही सेकंड बाद विमान ने 7500 कोड भेजा। यह कोड विमान में हाईजैक का है।

2. प्लेन 1 मिनट में 17 हजार फीट नीचे आया

फ्लाइट रडार मुताबिक, विमान सिर्फ दो मिनट में 34 हजार फीट से घटकर 16,600 फीट की ऊंचाई पर आ गया। इसके बाद विमान ने अपना रास्ता बदला और सऊदी अरब के ताबुक की ओर चला गया।

3. कॉकपिट में पायलटों के बीच झगड़ा हुआ

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, विमान के कॉकपिट में पायलट और को-पायलट के बीच झगड़ा हुआ था। इसी दौरान विमान से इमरजेंसी सिग्नल भेजे गए। हालांकि, दोनों के बीच झगड़ा किस बात पर शुरू हुआ था, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

4. यात्रियों ने कॉकपिट में घुसकर हमलावर को रोका

इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स में चश्मदीदों के हवाले से दावा किया गया कि झगड़ा तब शुरू हुआ, जब एक पायलट ने विमान को जमीन की तरफ मोड़कर क्रैश करने की कोशिश की। जब विमान नीचे गिरने लगा तो आगे बैठे कुछ इजराइली यात्री कॉकपिट की तरफ दौड़े। उन्होंने हमलावर पायलट से लड़कर उसे कॉकपिट से बाहर निकाला। यात्री के मुताबिक, विमान में सादे कपड़ों में दो और पायलट भी मौजूद थे। उनमें से एक पायलट ने विमान का कंट्रोल संभाला।

फॉर्म-6 में बदलाव करने के लिए कंपनी को किससे आदेश मिले थे- राहुल गांधी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के फॉर्म-6 को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा है कि आखिर इस बदलाव को करने के लिए कंपनी को किससे आदेश मिले थे। खास बात है कि ये पोस्ट ऐसे समय पर किया गया है, जब विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष एकजुट हो रहा है, जबकि आयोग का कहना है कि फॉर्म में कोई बदलाव नहीं किए गए हैं।

राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा- ऑनलाइन फॉर्म-6 को अवैध रूप से बदला गया था, जैसा कि निर्वाचन आयोग के अपने ही आयुक्तों ने रिकॉर्ड में दर्ज किया है। उन्होंने सवाल किया कि आयोग में किसने टीसीएस को यह बदलाव करने का आदेश दिया? टीसीएस में किसने इस पर हस्ताक्षर कर मंजूरी दी? और क्या उन पर ऐसा करने के लिए दबाव डाला गया था?

हाल ही में एक अखबार में प्रकाशित हुई रिपोर्ट में इस बदलाव का मुद्दा उठा था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चुनाव आयोग के दोनों आयुक्तों ने इसपर आपत्ति जताई थी। इनमें सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी का नाम शामिल है। दावा किया गया था कि आयोग से जुड़े कई फैसलों पर दोनों आयुक्तों की तरफ से कई मौकों पर सवाल उठाए गए थे, लेकिन उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। वहीं आयोग ने कहा है कि फॉर्म-6 में कोई बदलाव नहीं किया गया था, बल्कि एसआईआर के दौरान उसके साथ एक अतिरिक्त घोषणा-पत्र जोड़ा गया था। आयोग का कहना है कि यह घोषणा पत्र एसआईआर से संबंधित आदेशों के तहत अतिरिक्त आवश्यकता थी और मूल वैधानिक फॉर्म-6 में कोई संशोधन नहीं किया गया। आयोग ने 26 सितंबर की बैठक के बाद कहा था कि एसआईआर से संबंधित अतिरिक्त घोषणा का इस्तेमाल एसआईआर अवधि तक किया जाना है और इसके बाद की अवधि में निर्वाचन पंजीकरण नियम, 1960 के तहत निर्धारित फॉर्म का इस्तेमाल किया जाएगा। उसने कहा कि इसके बाद उन राज्यों में ऑनलाइन फॉर्म-6 से यह अतिरिक्त घोषणा हटा दी गई, जिनमें एसआईआर पूरा हो चुका है।

एसआईआर पर महा संग्राम

आज से इंडिया गठबंधन-सीजेपी का आंदोलन

कर्नाटक सीएम धरने पर बैठे, कहा भाजपा ने साजिश की, एफआईआर दर्ज हो

नई दिल्ली । बेंगलुरु। एसआईआर में धांधली को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार से इंडिया गठबंधन और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का आंदोलन शुरू होगा। कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता देशभर में प्रदर्शन करेंगे। वहीं सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा कि सीईसी के इस्तीफे तक प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा, सीईसी ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना चाहिए और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए। वहीं कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने एसआईआर में गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि फॉर्म 7 के दुरुपयोग में शामिल लोगों के खिलाफ जब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं होगी, तब तक वे वहां से नहीं हटेंगे।

उनका कहना है कि एसआईआर में गड़बड़ियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। इससे पहले उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि 45 लाख से ज्यादा वोटरों के नामों में गड़बड़ियां सामने आई हैं। इसमें भाजपा के लोग शामिल हैं। राज्य सरकारें या उनकी पुलिस चुनाव आयुक्तों पर उनके सरकारी काम को लेकर सीधे केस दर्ज नहीं कर सकती हैं। कर्नाटक में एसआईआर जून से 8 अगस्त 2026 तक हुआ। इससे पहले राज्य में 5.54 करोड़ मतदाता थे। एसआईआर के दौरान 1.08 करोड़ नाम हटाए गए, जिससे कुल मतदाताओं की संख्या घटकर 4.46 करोड़ रह गई।

पहले से भरे हुए फॉर्म-7 जमा किए गए

शिवकुमार ने बताया कि विजयपुरा, भालकी, बेलगावी, मैसूर, मुदिगेरे और बेंगलुरु समेत कई विधानसभा क्षेत्रों में लोगों को पहले से भरे हुए फॉर्म-7 दिए गए। इन फॉर्म में वोटरों के नाम, पते और एपिक नंबर पहले से दर्ज थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 70 प्रतिशत से ज्यादा बूथों में भाजपा और पार्टी से जुड़े नेताओं ने फॉर्म-7 लिए हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कुछ लोगों ने दर्जनों और कुछ ने सैकड़ों आवेदन जमा किए। उन्होंने 84, 92, 241 और 423 फॉर्म जमा करने वाले लोगों के उदाहरण दिए। उन्होंने कहा कि इन आवेदनों का इस्तेमाल अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों, दलितों, अनुसूचित जातियों और आदिवासी वोटरों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है।

भालकी में एक दिन में 3,244 आवेदन

कर्नाटक सरकार में मंत्री ईश्वर खंड्रे के मुताबिक, भालकी में 36 लोगों ने एक ही दिन में फॉर्म-7 के 3,244 आवेदन जमा किए। उन्होंने इन लोगों को भाजपा कार्यकर्ता बताया। खंड्रे ने ऐसे व्यक्ति का उदाहरण दिया, जिसने 241 आवेदन जमा किए थे। उन्होंने कहा कि जिन वोटरों के नाम इन आवेदनों में शामिल थे, वे बाद में पुलिस के पास पहुंचे। इन वोटरों ने आरोप लगाया कि उनके नाम हटाने की कोशिश में गलत जानकारी और जालसाजी का इस्तेमाल किया गया।

चुनावी सिस्टम सॉफ्टवेयर के नहीं, कानून के हिसाब से चलना चाहिए

एसआईआर को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को लगाई फटकार

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में चुनाव आयोग की मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया पर सख्त आपत्ति जताते हुए कहा है कि चुनावी सिस्टम सॉफ्टवेयर के नहीं, बल्कि कानून के हिसाब से चलना चाहिए। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि कानून और नियमों को किनारे करके सिर्फ सॉफ्टवेयर के निर्देशों पर काम करना स्वीकार्य नहीं है और व्यवस्था को अंततः मतदाताओं के लिए काम करना चाहिए। जस्टिस वाल्मीकि मेनेजेस और जस्टिस अमित जामसांडेकर की खंडपीठ सांता क्रूज़ के एक परिवार के छह सदस्यों से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी, जिनके नाम एसआईआर प्रक्रिया में मतदाता सूची से काट दिए गए थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवार ने विधानसभा क्षेत्र के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में पता बदलने के लिए फॉर्म 8 भी भरा था, बावजूद इसके उनके नाम हटा दिए गए। कोर्ट ने चुनाव आयोग से तीखे सवाल किए कि किस कानून के तहत किसी व्यक्ति को सुनवाई का मौका दिए बिना उसका नाम मतदाता सूची से हटाया जा सकता है। चुनाव आयोग की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि एसआईआर अवधि में सिस्टम फॉर्म 8 को प्रोसेस करने की अनुमति नहीं देता था, जिसके कारण नाम हट गए। इस पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) के पास सॉफ्टवेयर को खोलने, उसमें बदलाव करने या अपने आदेश के मुताबिक किसी नाम को हटाने की क्षमता होनी चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ईआरओ किसी तीसरे व्यक्ति या सॉफ्टवेयर के निर्देशों पर निर्भर होकर असहाय नहीं रह सकता, और तकनीक के बजाय कानून का पालन होना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि एसआईआर के नाम पर कानून और नियमों को कुछ समय के लिए स्थगित नहीं किया जा सकता। यह अपने आप में एक स्वतंत्र प्रक्रिया नहीं हो सकती, बल्कि मौजूदा कानूनी प्रावधानों के अनुरूप होनी चाहिए। कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जताई कि जब सिस्टम फॉर्म 8 की प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति नहीं दे रहा था, तब संबंधित लोगों से फॉर्म 6 भरने के लिए कहना उचित नहीं था, क्योंकि यही मूल समस्या थी। कोर्ट ने दृढ़ता से कहा कि आप किसी व्यक्ति को बिना उसकी बात सुने मतदाता सूची से नहीं हटा सकते। यही कानून है, जैसा हम इसे समझते हैं।

'माता-पिता भगवान नहीं हैं'

सीईओ की वायरल पोस्ट ने छेड़ी बहस

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट ने माता-पिता और बच्चों के रिश्ते को लेकर नई बहस छेड़ दी है। पोस्ट में कहा गया है कि माता-पिता का सम्मान करना जरूरी है, लेकिन उन्हें भगवान का दर्जा देकर उनकी हर बात को बिना सवाल किए सही मानना जरूरी नहीं है। पोस्ट के मुताबिक, माता-पिता भी इंसान हैं और उन दोनों से गलतियां हो सकती हैं। इसलिए बच्चों को अपनी जिंदगी से जुड़े फैसलों में अपनी सोच रखने का अधिकार मिलना चाहिए। पोस्ट में तर्क दिया गया है कि बच्चे को जन्म देना माता-पिता का फैसला होता है। इसलिए सिर्फ जन्म देने के आधार पर बच्चे से जिंदगीभर हर बात मानने की अपेक्षा करना उचित नहीं माना जा सकता। पोस्ट में कहा गया है कि माता-पिता ने बच्चों के लिए त्याग किया हो, उनका पालन-पोषण किया हो और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के अवसर दिए हों, तब इन योगदानों का सम्मान होना चाहिए, लेकिन आजीवन आज्ञाकारिता की वजह नहीं बनाया जाना चाहिए। पोस्ट में माता-पिता की मानवीय कमजोरियों का उदाहरण देकर कहा गया है कि किसी व्यक्ति के माता-पिता बन जाने से उसकी पुरानी गलतियां या आदतें अपने आप खत्म नहीं हो जातीं। पिता या मां बनना निश्चित रूप से बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन इससे किसी व्यक्ति की हर सोच और फैसला स्वतः सही नहीं हो जाता। इसी सवाल ने सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी है कि क्या माता-पिता होने मात्र से उनकी हर बात को सही मान लेना जरूरी है।

राजा वड़िंग ने पंजाब कांग्रेस प्रधान पद से इस्तीफा दिया

लुधियाना। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, प्रभारी सचिन पायलट की रिपोर्ट के बाद राहुल गांधी ने राजा वड़िंग को फोन कहा कि पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनानी है, तो उन्हें प्रधान पद से इस्तीफा देना होगा। इसके बाद उन्होंने इस्तीफा देने की पेशकश की। हालांकि, अभी पार्टी की ओर से इस्तीफे को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पार्टी जल्द ही पूर्व मंत्री विजयइंदर सिंगला को नया प्रधान घोषित कर सकती है। हालांकि, प्रधान पद की दौड़ में सिंगला के अलावा परगट सिंह, सुख सरकारिया, राणा गुरजीत, सुखजिंदर सिंह रंधावा और पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के नाम भी चर्चा में हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, हाईकमान विजयइंदर सिंगला को दिल्ली बुलाकर उनके साथ बैठक कर चुका है। उन्हें 2027 के चुनाव को लेकर पार्टी का पूरा प्लान भी समझाया गया है। दो अक्टूबर, गांधी जयंती के दिन नए प्रधान के नाम का ऐलान हो सकता है। इधर, कांग्रेस का नया प्रधान बनने की चर्चा के बीच विजयइंदर विजेंद्र सिंगला ने कहा मुझे प्रधान बनाया जा रहा है, इस का मुझे कोई इल्म नहीं है।

आप जज हैं, इसलिए प्राथमिकता नहीं दे सकते; पूर्व जिला जज की जल्द सुनवाई की मांग खारिज

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद के पूर्व जिला जज की जल्द सुनवाई की मांग खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पद के आधार पर किसी को प्राथमिकता नहीं मिल सकती। संविधान हर व्यक्ति को समान रूप से न्याय तक पहुंच का अधिकार देता है। याचिका पूर्व जज राकेश कुमार नैन ने लगाई थी। जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट में पेंडिंग रिट याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की गई थी। जस्टिस नैन को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। हालांकि सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने उन्हें हाईकोर्ट में ही जल्दी सुनवाई की मांग रखने की छूट दी। राकेश कुमार नैन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाले स्पेशल जज थे।

2,000 से ज्यादा के मर्चेंट यूपीआई पेमेंट पर लगने वाला 0.4 प्रतिशत एमडीआर का असर

4 में से 3 लोग छोड़ देंगे यूपीआई, फिर लौटेगा कैश का जमाना

नई दिल्ली। यूपीआई पमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू हो रहे एमडीआर रूल को लेकर ग्राहकों में कई तरह की जग रही है। नई व्यवस्था के तहत 2,000 रूपए से ज्यादा के मर्चेंट यूपीआई पेमेंट पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होगा। हालांकि सरकार ने साफ कहा है कि यह शुल्क ग्राहक से नहीं लिया जाना चाहिए और मर्चेंट को खुद यह खर्च उठाना होगा। लेकिन लोगों को आशंका है कि दुकानदार किसी न किसी तरीके से एमडीआर की राशि उसी से वसूलेगा। इस आशंका का असर यह दिखने को मिल रहा है कि 4 में से 3 लोग यूपीआई छोड़ने को तैयार हैं।

हाल के लोकलसर्कल्स सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में लोग यूपीआई की जगह दूसरे भुगतान तरीकों का रुख कर सकते हैं। सर्वे में लोगों से पूछा गया कि अगर दुकानदार 2,000 रूपए से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर लगने वाला एमडीआर चार्ज उनसे देने को कहता है तो वे क्या करेंगे। इस सवाल के जवाब में बड़ी संख्या में लोगों ने कैश, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या बैंक ट्रांसफर जैसे विकल्पों पर जाने की बात कही। इस सर्वे में 291 जिलों के यूपीआई यूजर्स से 67,000 से ज्यादा जवाब मिले। इस सर्वे में शामिल यूपीआई यूजर्स में सिर्फ 14 प्रतिशत ने कहा कि अगर दुकानदार 2,000 रूपए से ज्यादा के भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लेता है, तो वे यूपीआई से ही भुगतान जारी रखेंगे और यह अतिरिक्त रकम खुद वहन करेंगे। बाकी 76 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे भुगतान के लिए कोई दूसरा तरीका अपनाएंगे या खरीदारी को टाल देंगे।

यासीन मलिक समेत 7 को पाकिस्तान से फंडिंग -प्रवर्तन निदेशालय का आरोप- हवाला से 9 करोड़ आए

नई दिल्ली । नई दिल्ली की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने यासीन मलिक समेत 7 आरोपियों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत है, जिससे उन पर मजबूत संदेह होता है। प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि आरोपियों ने पाकिस्तान और अन्य आतंकी संगठनों से हवाला और अलग-अलग माध्यमों से 8.94 करोड़ रूपए लिए। इस रकम को आरोपियों तक पहुंचाई गई।

मलिक के अलावा आरोपियों में जहूर अहमद शाह वटाली, अब्दुल राशिद शेख, शबीर अहमद शाह, नवल किशोर कपूर, ट्रिसन फार्मर्स एंड कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और मसरत आलम भट शामिल हैं। श्रेष्ठ ने अपराध से अर्जित रकम की जांच के लिए 14 जून 2017 को शिकायत दर्ज की थी।

कोर्ट ने एनआईए की दूसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट का जिक्र करते हुए कहा कि यासीन मलिक को सऊदी अरब से 15.75 लाख रूपए मिले थे। 30 सितंबर को सुरक्षा कारणों से कुछ आरोपियों को कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी।

10 साल से सड़क की आस, कीचड़ के बीच गुजर रही जिंदगी!

तिनगड़ी सेमरटोला के परिवारों ने बया किया दर्द, कहा-हर बारिश में बंद हो जाती है राह : बच्चों की पढ़ाई से लेकर मरीजों और किसानों की आवाजाही तक मुश्किल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। चहुमुखी विकास, दावों के बीच लामता तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत सकरी के तिनगड़ी सेमरटोला की तस्वीर ग्रामीण क्षेत्रों की जमीनी हकीकत बयां कर रही है। यहां करीब 5 से 7 परिवार पिछले लगभग 10 वर्षों से सड़क की राह देख रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर वे लगातार आवेदन देकर अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन एक दशक बाद भी उनकी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

बीमारी में मरीज को पहुंचाना भी चुनौती

बताया गया कि इस मार्ग की बदहाल स्थिति का असर केवल बच्चों की पढ़ाई तक सीमित नहीं है। किसी परिवार में कोई बीमार पड़ जाए या अचानक आपात स्थिति बन जाए तो मरीज को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाना ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को भी इसी मुश्किल रास्ते से आवाजाही करनी पड़ती है।उधर बारिश शुरू होते ही सड़क की जगह कीचड़ भरा रास्ता ग्रामीणों की मजबूरी बन जाता है।कीचड़ और फिसलन के कारण पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक कई बार बारिश के दौरान दो से तीन महीने तक बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है, क्योंकि स्कूल तक पहुंचना आसान नहीं रहता।

किसानों की रोजमर्रा की जिंदगी भी प्रभावित

यह रास्ता किसानों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। ग्रामीण इसी मार्ग से खेतों तक पहुंचते हैं और मवेशियों को लेकर आना-जाना करते हैं। खेती-किसानी से जुड़े कामों के लिए बरसात में इसी कीचड़ भरे रास्ते पर निर्भर रहना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार वन विभाग की लकड़ी और बांस की निकासी के लिए भी इस मार्ग का उपयोग किया जाता है।

10 साल से आवेदन, फिर भी नहीं बनी सड़क

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के लिए वे करीब एक दशक से लगातार आवेदन और अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं। हर साल बारिश के साथ समस्या और गंभीर हो जाती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो पाया। ग्रामीणों की मांग है कि मार्ग का निर्माण कराया जाए, ताकि उन्हें कीचड़ और फिसलन से राहत मिल सके। सड़क बन जाने से बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और मवेशियों की आवाजाही आसान हो जाएगी। अब सवाल यही है कि करीब 10 वर्षों से सड़क की राह देख रहे इन परिवारों को आखिर कब पक्की राह मिलेगी?

कोबरा बटालियन 208 जवानों ने सार्वजनिक स्थलों मे चलाया स्वच्छता अभियान

पदमेश न्यूज। किरनापुर। भारत सरकार एवं सीआरपीएफ द्वारा स्वच्छता ही मिशन के तहत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सामूहिक श्रमदान कर आम जनमानस के साथ मिलकर किरनापुर नगर के सार्वजनिक स्थलों मे बस स्टैण्ड प्रांगण किरनापुर के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया। एवं कचरा एकत्रित कर उसे नष्ट किया गया। तत्संबंध मे जानकारी देते हुए शशि भूषण सिंह बिष्ट ,कमांडेंट ,कोबरा बटालियन 208 द्वारा बताया गया कि सार्वजनिक स्थलों मे साफ सफाई कर आम जनमानस को अपने आस पास के वातावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। भारत सरकार द्वारा यह अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। और इस अभियान में हम सभी को सहयोग देना चाहिए।

चुनावी सिस्टम सॉफ्टवेयर के नहीं, कानून के हिसाब से चलना चाहिए

एसआईआर को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को लगाई फटकार

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में चुनाव आयोग की मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया पर सख्त आपत्ति जताते हुए कहा है कि चुनावी सिस्टम सॉफ्टवेयर के नहीं, बल्कि कानून के हिसाब से चलना चाहिए। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि कानून और नियमों को किनारे करके सिर्फ सॉफ्टवेयर के निर्देशों पर काम करना स्वीकार्य नहीं है और व्यवस्था को अंततः मतदाताओं के लिए काम करना चाहिए। जस्टिस वाल्मीकि मेनेजेस और जस्टिस अमित जामसांडेकर की खंडपीठ सांता क्रूज़ के एक परिवार के छह सदस्यों से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी, जिनके नाम एसआईआर प्रक्रिया में मतदाता सूची से काट दिए गए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवार ने विधानसभा क्षेत्र के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में पता बदलने के लिए फॉर्म 8 भी भरा था, बावजूद इसके उनके नाम हटा दिए गए। कोर्ट ने चुनाव आयोग से तीखे सवाल किए कि किस कानून के तहत किसी व्यक्ति को सुनवाई का मौका दिए बिना उसका नाम मतदाता सूची से हटाया जा सकता है। चुनाव आयोग की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि एसआईआर अवधि में सिस्टम फॉर्म 8 को प्रोसेस करने की अनुमति नहीं देता था, जिसके कारण नाम हट गए। इस पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) के पास सॉफ्टवेयर को खोलने, उसमें बदलाव करने या अपने आदेश के मुताबिक किसी नाम को हटाने की क्षमता होनी चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ईआरओ किसी तीसरे व्यक्ति या सॉफ्टवेयर के निर्देशों पर निर्भर होकर असहाय नहीं रह सकता, और तकनीक के बजाय कानून का पालन होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि एसआईआर के नाम पर कानून और नियमों को कुछ समय के लिए स्थगित नहीं किया जा सकता। यह अपने आप में एक स्वतंत्र प्रक्रिया नहीं हो सकती, बल्कि मौजूदा कानूनी प्रावधानों के अनुरूप होनी चाहिए। कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जताई कि जब सिस्टम फॉर्म 8 की प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति नहीं दे रहा था, तब संबंधित लोगों से फॉर्म 6 भरने के लिए कहना उचित नहीं था, क्योंकि यही मूल समस्या थी। कोर्ट ने दृढ़ता से कहा कि आप किसी व्यक्ति को बिना उसकी बात सुने मतदाता सूची से नहीं हटा सकते। यही कानून है, जैसा हम इसे समझते हैं। अदालत ने सवाल उठाया कि यदि इस मामले में छह मतदाताओं को परेशानी हुई है, तो ऐसे कितने और लोग हो सकते हैं जो कोर्ट तक नहीं पहुंचे हैं।

07वीं वाहिनी सीआरपीएफ द्वारा रानी अवंती बाई बस स्टैंड/बाजार, ग्राम पंचायत हिर्री में स्वच्छता अभियान आयोजित

पदमेश न्यूज। किरनापुर। 07वीं वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, किरनापुर द्वारा स्वच्छता एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से ग्राम पंचायत हिर्री स्थित रानी अवंती बाई बस स्टैंड/बाजार ग्राम पंचायत परिसर में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया।

यह स्वच्छता अभियान हजारी लाल, कमांडेंट, 07वीं वाहिनी सीआरपीएफ के मार्गदर्शन एवं दीपक कुमार, उप कमांडेंट, 07वीं वाहिनी सीआरपीएफ के निर्देशन में आयोजित किया गया। अभियान के दौरान बस स्टैंड एवं ग्राम पंचायत परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में श्रीमती रमा देवी, धर्मपत्नी हजारी लाल, की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि श्रीमती सुनीता पाराशर सरपंच, ग्राम पंचायत हिर्री तथा राजेंद्र पाराशर रहे।

इस अवसर पर 07वीं वाहिनी सीआरपीएफ के जवानों, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं उपस्थित स्थानीय जनता द्वारा सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वच्छता अभियान को सफल बनाया गया। अभियान के माध्यम से आमजन को अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने, कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थान पर डालने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

07वीं वाहिनी सीआरपीएफ द्वारा इस प्रकार के सामुदायिक सहभागिता एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय समुदाय के साथ समन्वय स्थापित करते हुए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है।

बिल गेट्स की एआई पर चेतावनी- '100 मिलियन लोगों की मौत के बाद मुकदमा करेंगे?'

न्यूयॉर्क । माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के बढ़ते खतरों को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। न्यूयॉर्क टाइम्स के पॉडकास्ट 'द एजरा क्लाइन शो' में बातचीत के दौरान उन्होंने एआई कंपनियों के खुद को नियंत्रित करने के विचार पर सवाल उठाए। गेट्स ने कहा कि खतरनाक एआई को रोकने के लिए केवल कंपनियों पर मुकदमा करने का विकल्प पर्याप्त नहीं है। गेट्स ने सवाल उठाया कि अगर किसी एआई के गलत इस्तेमाल से 10 करोड़ लोगों की मौत हो जाए, तो क्या उसके बाद मुकदमा करना समाधान होगा?

गुजरात सरकार का बड़ा एक्शन- दो आईएएस समेत 3 अफसर अनिवार्य सेवानिवृत्त

भ्रष्टाचार और गंभीर अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई, के. राजेश, गौरव दहिया और सब-रजिस्ट्रार आरसी रबारी पर गिरी गाज

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और गंभीर गड़बड़ियों के खिलाफ बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की ओर से जारी आदेश के तहत दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के. राजेश और गौरव दहिया— तथा सब-रजिस्ट्रार आरसी रबारी को सार्वजनिक हित में तत्काल प्रभाव से अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई है। सरकार की इस कार्रवाई को प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ कड़ा संदेश माना जा रहा है।

गुजरात कैडर के 2011 बैच के आईएएस अधिकारी के. राजेश सुरेंद्रनगर के कलेक्टर के पद पर तैनात रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान हथियार लाइसेंस जारी करने के बदले कथित रिश्वत लेने और सरकारी जमीन के आवंटन में कथित आर्थिक अनियमितताओं सहित कई गंभीर आरोप सामने आए थे। इन मामलों में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई भी हुई थी और के. राजेश को गिरफ्तार किया गया था। वह लंबे समय तक जेल में भी रहे। सरकार की समीक्षा और उनके खिलाफ हुई जांच के आधार पर अब उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई है।

2010 बैच के आईएएस अधिकारी गौरव दहिया भी सरकार की कार्रवाई की जद में आए हैं। दहिया जब राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन डायरेक्टर के पद पर कार्यरत थे, तब उनके खिलाफ गंभीर अनियमितताओं और कथित दुर्व्यवहार से जुड़ी शिकायतें सामने आई थीं। वर्तमान में वह अतिरिक्त विकास आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। उनके खिलाफ चली जांच के बाद सरकार ने उन्हें भी सार्वजनिक सेवा में बनाए रखने के लिए अनुपयुक्त मानते हुए अनिवार्य सेवानिवृत्ति का आदेश जारी किया है।

बनासकांठा जिले के थराद में सब-रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत रहे आरसी रबारी के खिलाफ भी सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है। जांच में आरोप सामने आया कि सरकारी जमीन के अधिग्रहण से जुड़ी प्रक्रिया में आवश्यक कानूनी दस्तावेजों और प्रमाणों की पर्याप्त जांच किए बिना दस्तावेजों का पंजीकरण किया गया। आरोप है कि जमीन अधिग्रहण के करोड़ों रुपये के मुआवजे और कृषि भूमि को गैर-कृषि में बदलने की प्रक्रिया में आर्थिक अनियमितताएं हुईं। इन मामलों की जांच के बाद आरसी रबारी को भी तत्काल प्रभाव से अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने का आदेश जारी किया गया है।

गुजरात सरकार की ओर से एक साथ दो आईएएस अधिकारियों और एक राजस्व अधिकारी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दिए जाने की कार्रवाई प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बन गई है। कार्रवाई के जरिए सरकार ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि भ्रष्टाचार, नियमों की अनदेखी और पद के दुरुपयोग के मामलों में वरिष्ठ अधिकारियों पर भी कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

आंगनबाड़ी केन्द्र मे सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित

पदमेश न्यूज। किरनापुर। आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 03 में शासन के निर्देशों के अनुसार सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम का तीन दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। जिसमें किरनापुर परियोजना अधिकारी अमृता कुजूर मैडम के मार्गदर्शन एवं सेक्टर पर्यवेक्षक मंजुलता बिसेन के निगरानी में बेहद सुंदर कार्यक्रम बनाया गया जिसमें ग्राम की सरपंच धर्मकला बाई जे पी रामटेके, एवं उपसरपंच रोशनी उपाध्याय महिला मोर्चा अध्यक्ष दीपा अग्रवाल, नामदेव गरदे, प्रिती सारडा ने आंगन मिलन सेवा सम्पर्क में हमे काफी अच्छा अपना सहयोग दिया। जो नई योजना जैसे लाडली बहन लाडली लक्ष्मी प्रधानमंत्री मात्र वन्दना योजना के बारे में हिताग्राही महिलाये जैसे निधी येरपुडे पूर्णिमा नागपुरे ज्योति मेश्राम सालिनी रंगारे, दीपीका लागवेशी ज्योति

प्राचे गर्भवती धात्री माता से संवाद किया एवं सभी योजना के बारे में बताया इस पूरे कार्यक्षम हैं। सुचारू रूप देने का कार्य आगनवाड़ी कार्यकर्ता अलका रामटेके एवं सहायिका भाग्यश्वरी भिमटे ने किया। कार्यक्रम में महिलाये वनतिका वासनिक उषा मिश्रा,तारा नंगपुरे एवं गॉव की सभी महिला बच्चों की उपस्थिती रही। वहीं बच्चों को फल मिठाई वितरीत की गई है। इस कार्यक्रम के दौरान अन्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा सभी अपना सहयोग दिया है। जिस पर आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता अलका रामटेके ने सभी से मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

धूल के गुबार में गुम हो गई, खनिज नगरी उकवा की खूबसूरती

पदमेश न्यूज। उकवा। खनिज संपदा और प्राकृतिक सुंदरता के लिए पहचान रखने वाली खनिज नगरी उकवा इन दिनों धूल के गुबार में गुम होती नजर आ रही है। उकवा-बैहर मुख्य मार्ग की जर्जर हालत के चलते सड़क पर दिनभर धूल उड़ रही है। स्थिति यह है कि कोई बड़ा वाहन गुजरते ही सड़क पर इतना धूल का गुबार उठता है कि कुछ दूरी तक सामने का रास्ता दिखाई देना मुश्किल हो जाता है। इससे जहां दुर्घटना की आशंका बनी हुई है, वहीं सड़क किनारे रहने वाले लोगों, दुकानदारों और राहगीरों का जनजीवन भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

बड़े वाहन गुजरते ही छा जाता है धूल का गुबार

बताया गया कि उकवा-बैहर मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। वाहनों के गुजरने के दौरान उड़ने वाली धूल आसपास के घरों और दुकानों में पहुंच रही है। दुकानों में रखे सामान पर धूल की परत जम रही है, जिससे व्यापारियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं राहगीरों को मुंह पर कपड़ा या मास्क बांधकर आवागमन करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार धूल के कारण आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।

स्कूली बच्चों और राहगीरों की बढ़ी परेशानी

सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं और दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है। बड़े वाहनों के निकलते समय अचानक धूल का गुबार उठने से सामने से आने वाला वाहन दिखाई नहीं देता। ऐसे में हादसे का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की हालत खराब है, लेकिन अब धूल की समस्या ने परेशानी को और बढ़ा दिया है।

कान्हा जाने वाले पर्यटकों का भी यही प्रमुख मार्ग

आपको बताए कि उकवा-बैहर मार्ग का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि इसी रास्ते से बड़ी संख्या में पर्यटक कान्हा राष्ट्रीय उद्यान की ओर आवागमन करते हैं। सड़क की बदहाल स्थिति और उड़ती धूल के बीच पर्यटकों को गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे क्षेत्र की छवि पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

मलाजखंड कॉपर माइंस के भारी वाहनों का भी दबाव

बताया गया कि इसी क्षेत्र में मलाजखंड कॉपर माइंस स्थित है, जिसके कारण मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही रहती है। इसके बावजूद सड़क की हालत में अपेक्षित सुधार नहीं होने को लेकर नागरिकों में नाराजगी है। लोगों का सवाल है कि पर्यटन और खनिज दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण इस मार्ग के निर्माण और रखरखाव पर आखिर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है।

बार-बार मांग, फिर भी नहीं सुधरी सड़क

स्थानीय नागरिकों के अनुसार उकवा-बैहर-बालाघाट मार्ग के निर्माण एवं सुधार की मांग को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। नागरिकों ने प्रशासन से सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की है।

नवरात्रि में देशभर से आएंगे फुटबॉल प्रेमी- जेम्स बारी?

सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला फुटबॉल संघ बालाघाट के उपाध्यक्ष जेम्स बारीक ने बताया कि नवरात्रि के दौरान उकवा मॉयल द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता है। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों की ख्याति प्राप्त टीमें हिस्सा लेती हैं और प्रतिदिन हजारों दर्शक मैच देखने उकवा पहुंचते हैं। ऐसे में जर्जर और धूल से भरी सड़क क्षेत्र की छवि को प्रभावित कर रही है।उन्होंने कहा कि नवरात्रि के पूर्व उकवा-बैहर मार्ग का डामरीकरण एवं आवश्यक निर्माण कार्य तत्काल शुरू किया जाना चाहिए, ताकि स्थानीय व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को राहत मिल सके तथा बाहर से आने वाले लोगों के सामने उकवा की बेहतर तस्वीर सामने आए।

अधिकारी से नही हो सका संपर्क

इस संबंध में संबंधित पीडब्ल्यूडी अधिकारी का पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

जमीन बेचना है
52 डिसमील बस स्टैण्ड के पास भिलाई रोड गायत्री मंदिर के सामने लांजी
मो. 7611166768

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में बालाघाट के 16 खिलाड़ियों का चयन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शालेय राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में हॉकी फीड सेंटर बालाघाट के 16 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। मध्य प्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में

संचालित हॉकी फीड सेंटर का प्रशिक्षण शहीद चंद्रशेखर आजाद हॉकी टर्फ स्टेडियम, बालाघाट में दिया जा रहा है।हॉकी फीड सेंटर की प्रशिक्षक कु. तेजेश्वरी फुन्ने ने बताया कि अंडर-17 बालक वर्ग में मनन राऊत, ईशान बाघमारे और प्रथम श्रीवास का चयन हुआ है। वहीं अंडर-17 बालिका वर्ग में मनु राय, जोया बनोटे, ऐशा राऊत, मानसी नारनौरे, टिवकल चौधरी, शिवानी पाचे और प्रिया पाचे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह प्रतियोगिता 3 से 7 अक्टूबर तक सिवनी में आयोजित होगी।इसी प्रकार अंडर-14 बालक वर्ग में वेदांत गाडेश्वर, नीलेश साठे, चित्रांश लिल्हारे, ओम बाघमारे और अतुल वंशकार का चयन हुआ है। यह खिलाड़ी 6 से 10 अक्टूबर तक मंदसौर में आयोजित शालेय राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। खिलाड़ियों के चयन पर जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी राहुल बारेसा, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन, जिला क्रीड़ा निरीक्षक दीपक गिरी गोस्वामी, किरण भाई त्रिवेदी, विजय वर्मा, श्रीमती कंचन महाजन, धीरज डोंगरे, सुनीता सिद्दीकी, भावना चौहान, सोनल बर्डे, नविता मैथ्यू, श्रीमती दिव्या सुलाखे, जय ठाकरे, रूबी अली सहित जिला खेल विभाग के स्टाफ एवं हॉकी खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं।

बीएसएनएल दिवस पर कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

लंबित मांगे पूरी करने की लगाई गुहार,मांग पूरी नही होने पर बड़े आंदोलन की भी दी चेतावनी

पदमेश न्यूज। बालाघाट।

1 जनवरी 2017 से लंबित पीआरसी देने, सेवानिवृत कर्मचारियों के पेंशन संशोधन और वर्किंग अधिकारियों कर्मचारियों का पे स्केल बढ़ाने सहित वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से बीएसएनएल के अधिकारी कर्मचारी, सरकार से खासा नाराज हैं। जिनकी यहां नाराजगी गुरुवार को बीएसएनल दिवस के अवसर पर देखने को मिली। जहां ऑल यूनियन एवं एसोसिएशन बीएसएनल बालाघाट (एयूएबी) से जुड़े अधिकारियों कर्मचारियों ने वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न भागों को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।इस दौरान भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के कर्मचारियों ने एकजुट होकर प्रबंधन का ध्यान लंबे समय से लंबित मांगों की ओर आकर्षित कराया और शीघ्र निराकरण की मांग की।प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने कहा कि बीएसएनएल को मजबूत बनाने में कर्मचारी लगातार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन उनकी कई जायज मांगें लंबे समय से लंबित हैं।मांगों का समय पर निराकरण नहीं होने से कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। कर्मचारियों ने प्रबंधन से लंबित मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द निर्णय लेने की गुहार लगाई।

आवेदन निवेदन पर भी नहीं है ध्यान, आश्वासन पर चल रहा काम

कर्मचारियों ने कहा कि उनकी मांगों को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों और

प्रबंधन को अवगत कराया जा चुका है, इसके बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। बीएसएनएल दिवस के अवसर पर प्रदर्शन के माध्यम से कर्मचारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि अब उनकी मांगों को और अधिक समय तक लंबित नहीं रखा जाना चाहिए।

मांगें नहीं मानी तो आंदोलन होगा तेज

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी लंबित मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। कर्मचारियों ने कहा कि जरूरत पड़ने पर बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित प्रबंधन की होगी।

तत्काल पीआरसी लागू करे सरकार

पदाधिकारियों ने बताया कि बीएसएनएल से व्यावसायिक लाभ की परवाह किए बिना सरकार के सामाजिक दायित्वों को पूरा करने की अपेक्षा की जाती है। दूरस्थ, ग्रामीण और घाटे वाले क्षेत्रों में भी सेवाएं देनी पड़ती हैं। ऐसे में सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह वहनीयता खंड में ढील देकर तीसरी पीआरसी लागू करे, जिससे कर्मचारियों का मनोबल और कार्यक्षमता बढ़ेगी।इसलिए संगठन ने मांग को लेकर एक माह का आंदोलन कार्यक्रम घोषित किया है।

बीएसएनएल को आज भी 5जी

सेवाओं से रखा जा रहा वंचित

प्रदर्शन के दौरान एयूएबी के चेयरमेन निशांत पटले, कन्वेनर नितिन ब्रम्हे सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि तीसरी पीआरसी 1 जनवरी 2017 से देय था, लेकिन वहनीयता खंड का हवाला देकर कर्मचारियों को इससे वंचित रखा गया। जबकि अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में इसे लागू किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि पिछले कई वर्षों से प्रबंधन से लेकर दूरसंचार विभाग तक हर स्तर पर इसके लिए प्रयास कर रहा है, लेकिन नौकरशाही की लालफीताशाही के कारण फाइल मुख्यालय में लंबित पड़ी है। उन्होंने बताया कि सरकारी नीतियों के कारण ही बीएसएनएल मोबाइल सेवाओं के शुभारंभ में पिछड़ा। पहले मोबाइल, फिर थ्रीजी सेवाओं में देरी हुई और जब अन्य निजी ऑपरेटरों ने 2014-15 में 5 जी शुरू कर दिया था, तब बीएसएनएल एक दशक बाद स्वदेशी 4 जी तकनीक के साथ सेवा शुरू कर सका। सरकार के निर्देश पर बिना परखी हुई स्वदेशी तकनीक को सफलतापूर्वक लागू करना कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण से ही संभव हुआ।

बीएसएनएल दिवस के सभी उत्सव कार्यक्रमों का करेंगे बहिष्कार

बताया गया कि आंदोलन के पहले चरण में 25 सितंबर को देशभर के सभी एसएसए और सर्कल मुख्यालयों पर लंच ऑवर प्रदर्शन किया गया, जिसमें हजारों कर्मचारी शामिल हुए। दूसरे चरण में 28 सितंबर को ट्विटर अभियान चलाया गया, जिसमें पूरे दिन ट्रेंड में रहे।तीसरे चरण में 1 अक्टूबर को स्थापना दिवस पर परिमंडल और केंद्रीय मुख्यालय पर प्रदर्शन किया गया। वहीं प्रबंधन को पत्र लिखकर कहा है कि जब तक एचआर मुद्दों विशेषकर वहनीयता खंड हटाकर तीसरी पीआरसी लागू नहीं होता, तब तक बीएसएनएल दिवस के सभी उत्सव कार्यक्रमों का कर्मचारी बहिष्कार करेंगे। इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन में मध्यप्रदेश में एसएनइए, सएनएलइए, सेवा बीएसएनएल, बीएसएनएलइयू और एनईटीई सहित अन्य संगठन से जुड़े अधिकारी कर्मचारी सक्रिय भूमिका में रहे।

एआईबी

घोड़ेश्वर वाद्ययंत्र संग्रहालय पहुचे अजय सुखदेवे

पदमेश न्यूज। बालाघाट। नगर के बूढ़ी स्थित निजी वाद्ययंत्र संग्रहालय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा स्थाई आमंत्रित सदस्य, शहडोल जिला प्रभारी अजय सुखदेवे,भूपेन्द्र सुहागपुरे ने संग्रहालय पहुंच कर संस्थापक ज्ञानेश्वर घोड़ेश्वर को उनके अद्वितीय योगदान के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई,इस अवसर पर श्री घोड़ेश्वर ने बताया कि उन्होंने पिछले 50 वर्षों में अत्यंत कठिन परिश्रम, संघर्ष और समर्पण के साथ देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्राचीन व दुर्लभ वाद्ययंत्रों का संग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय उनके जीवन का सपना और जुनून है,जो आज बालाघाट जिले की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि समय-समय पर कलेक्टर, सांसद, विधायक सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक

अधिकारी संग्रहालय का भ्रमण कर इसकी ऐतिहासिक धरोहर का अवलोकन करते हैं।इस दौरान अजय सुखदेवे शहडोल जिला प्रभारी भाजपा अनुसूचित जाति ने कहा कि श्री घोड़ेश्वर का यह संग्रहालय हमारी संस्कृति,लोककला और संगीत विरासत को सहेजने का अनुपम उदाहरण है।आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में यह संग्रहालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ऐसे प्रयासों को शासन-प्रशासन एवं समाज का निरंतर सहयोग मिलना चाहिए।भ्रमण के अंत में अतिथियों ने ज्ञानेश्वर घोड़ेश्वर एवं उनके परिवार को 50 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं देते हुए इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।इस दौरान अंकित पटले, नागसेन वैध,राहुल शिंद्रें, जितेंद्र गौतम भाजपा युवा नेता तुमसर टटेकसा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संग्रहालय का भ्रमण कर दुर्लभ एवं ऐतिहासिक वाद्ययंत्रों का अवलोकन किया एवं घोड़ेश्वर के अथक प्रयासों की सराहना की।

सुबह टहलने निकला व्यक्ति रहस्यमय ढंग से लापता

परिजनों ने की तलाश, अपहरण की आशंका-अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम टिंगीपुर के बाहीटोला से सुबह टहलने निकला 40 वर्षीय व्यक्ति रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। रोजाना की तरह घर से निकले लक्ष्मण परते के शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर खोजबीन के बावजूद जब कोई सुराग नहीं मिला तो मामले की सूचना पुलिस को दी गई। परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने लक्ष्मण का अपहरण कर उसे कहीं छिपाकर या बंधक बनाकर रखा है। शिकायत पर मलाजखंड पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम टिंगीपुर के बाहीटोला निवासी लक्ष्मण परते खेती-मजदूरी का कार्य करता है। परिवार में उसकी पत्नी शांति परते के अलावा दो बेटे हैं। बड़ा बेटा संतलाल 20 वर्ष का है। जिसकी शादी हो चुकी है और वह अलग घर में रहता है। वहीं छोटा बेटा संतोष 18 वर्ष का है।जो अपने माता-पिता के साथ रहता है।28 सितंबर की सुबह करीब 5 बजे लक्ष्मण परते रोज की तरह टहलने के लिए घर से निकला था। लेकिन इसके बाद वह वापस घर नहीं पहुंचा। सुबह से शाम तक इंतजार करने के बाद पत्नी शांति और बेटे संतोष ने उसकी तलाश शुरू की। पहले गांव और आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की गई। इसके बाद रिश्तेदारों तथा परिचितों से जानकारी ली गई और संभावित स्थानों पर भी तलाश की गई, लेकिन लक्ष्मण का कोई पता नहीं चला।परिजनों के अनुसार लक्ष्मण पहले कभी भी बिना बताए इस तरह घर से पैदल कहीं नहीं जाता था। इसी वजह से उसके अचानक लापता होने को लेकर परिवार की चिंता और बढ़ गई है। पत्नी और बेटे द्वारा लगातार तलाश किए जाने के बावजूद कोई जानकारी नहीं मिलने पर मामले की रिपोर्ट मलाजखंड थाने में दर्ज कराई गई।पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार लापता लक्ष्मण परते का रंग सांवला है। उसका चेहरा लंबा है और कद करीब 5 फीट 2 इंच है। घर से निकलते समय उसने कत्थई रंग का लोअर और शर्ट पहन रखी थी। पुलिस ने उसके हुलिए के आधार पर तलाश शुरू कर दी है।

अपहरण की आशंका पर मामला दर्ज

परिजनों ने आशंका व्यक्त की है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा लक्ष्मण का अपहरण कर उसे किसी गुप्त स्थान पर बंधक बनाकर अथवा छिपाकर रखा गया हो सकता है। शांति परते उम्र 38 वर्ष की रिपोर्ट पर मलाजखंड पुलिस ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के एसएलपी क्र. 11263/25 के आदेश के पालन में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140 (3)के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।पुलिस अब लापता लक्ष्मण की तलाश के साथ ही उसके अचानक गायब होने के कारणों और संभावित परिस्थितियों की जांच कर रही है। फिलहाल उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है।

चार माह से स्वसहायता समूहों का मानदेय अटका

5 अक्टूबर से जिला पंचायत के सामने भूख हड़ताल की दी चेतावनी

पदमेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री शक्ति पोषण आहार योजना के तहत स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन एवं सांझा चूल्हा संचालित करने वाले स्वसहायता समूहों और रसोईया बहनों का चार माह से मानदेय नहीं दिया गया है। वहीं भोजन तैयार करने में उपयोग होने वाली सामग्री की राशि का भुगतान भी लंबित बताया जा रहा है। लगातार भुगतान नहीं होने से आर्थिक संकट से जूझ रहे समूह संचालकों एवं रसोईयों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।इसी समस्या को लेकर राष्ट्रीय मूलनिवासी बहुजन कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कलेक्टर व जिला पंचायत कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर लंबित राशि का तत्काल भुगतान करने की मांग की। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शासन-

प्रशासन द्वारा शीघ्र भुगतान नहीं किया गया तो 3 अक्टुबर से प्रदेश भर में मध्यान भोजन बनाने का कार्य बंद किया जाएगा तो वही 5 अक्टूबर से जिला पंचायत के सामने धरना प्रदर्शन कर भूख हड़ताल आंदोलन किया जाएगा।

3 अक्टूबर से मध्यान्ह भोजन बंद करने की चेतावनी

समूह से जुड़ी बहनो ने बताया कि चार माह से मानदेय एवं अन्य राशि का भुगतान नहीं होने के कारण मध्यान्ह भोजन संचालित करने वाले समूहों और रसोईयों को भारी आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने चेतावनी दी है कि 3 अक्टूबर से जिले सहित प्रदेशभर में मध्यान्ह भोजन का कार्य बंद किया जा सकता है।

तो 5 अक्टूबर को जिला पंचायत के सामने करेंगे भूख हड़ताल- हेमलता

संघ अध्यक्ष हेमलता पंचेश्वर ने स्पष्ट किया कि मांगों का निराकरण नहीं होने पर 5 अक्टूबर 2026 को जिला पंचायत बालाघाट के सामने धरना एवं भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। आंदोलन के दौरान जिले के स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था प्रभावित होने की चेतावनी भी दी गई है।उन्होंने बताया कि लंबित भुगतान को लेकर समय-समय पर शासन एवं प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन इसके बावजूद चार माह की राशि का भुगतान नहीं हो पाया है। विभागीय स्तर पर भुगतान में हो रही देरी के कारण मध्यान्ह भोजन योजना से जुड़े समूहों एवं रसोईयों के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो रहा है।शासन-प्रशासन से मांग की है कि मध्यान्ह भोजन संचालक समूहों एवं रसोईयों की चार माह की लंबित मानदेय राशि तथा सामग्री की राशि का तत्काल भुगतान किया जाए, ताकि बच्चों के लिए संचालित पोषण आहार व्यवस्था सुचारु रूप से जारी रह सके। वहीं उन्होंने मांग पूरी न होने पर भूख हड़ताल कर आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

नल के रास्ते दीवार बनाने पर भिड़े सगे भाई

बड़े भाई ने जताई आपत्ति तो छोटे भाई ने ईंट से किया हमला

पदमेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम दुढ़वा में नल के पास ईंट की दीवार खड़ी करने को लेकर दो सगे भाइयों के बीच विवाद हो गया। रास्ते पर दीवार बनाने का बड़े भाई ने विरोध किया तो छोटा भाई भड़क गया। आरोप है कि उसने बड़े भाई के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और ईंट से हमला कर दिया। ईंट बड़े भाई के गाल पर लगने से वह घायल हो गया। घटना के बाद घायल चरणदास पिता श्यामराज भाजीपाले 48 वर्ष की शिकायत पर किरनापुर पुलिस ने छोटे भाई राजेश भाजीपाले के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नल के पास दीवार बनाने पर बड़े भाई ने जताई आपत्ति

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम दुढ़वा निवासी चरण दास भाजीपाले खेती-किसानी करते हैं। उनका मकान छोटे भाई राजेश के मकान से लगा हुआ है। दोनों भाइयों के घर के सामने लगे नल का उपयोग दोनों परिवार पानी के लिए करते हैं।1 अक्टूबर को दोपहर करीब 2 बजे राजेश नल के पास ईंट की दीवार खड़ी कर रहा था। चरण दास ने उसे रोकते हुए कहा कि आने-जाने के रास्ते पर दीवार बनाने से नल तक पहुंचने का रास्ता बंद हो जाएगा। उसने कहा कि नल दोनों भाइयों के उपयोग में है। ऐसे में दीवार बनने के बाद वह पानी लेने कैसे आएगा। इस पर राजेश ने कथित रूप से उसे वहां से आना-जाना बंद करने के लिए कहा।चरण दास द्वारा रास्ता बंद होने और नल के साझा उपयोग की बात कहने पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि राजेश ने अपने बड़े भाई के साथ अश्लील गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उसने ईंट से हमला कर दिया। जो चरण दास के गाल पर लगी और वह घायल हो गया।

पानी लेने पर जान से मारने की धमकी का आरोप

मारपीट के बाद राजेश ने बड़े भाई चरणदास को दोबारा नल से पानी लेने आने पर जान से खत्म करने की धमकी दी। दोनों भाइयों के बीच विवाद और मारपीट की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच बचाव कर मामला शांत कराया।घायल चरण दास का उपचार किरनापुर अस्पताल में कराया गया। इसके बाद उसकी शिकायत पर किरनापुर पुलिस ने उसके छोटे भाई राजेश पिता श्याम राज भाजीपाले के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 115(2) एवं 351(2) के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

बालाघाट में राहुल गांधी ने आदिवासी परिवारों से जाना हाल

पदमेश न्यूज। गोंदिया। कांग्रेस नेता व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार, 1 अक्टूबर को मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने बिरसा विकासखंड के माटे गांव स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल का दौरा कर करीब 15 मिनट तक विद्यार्थियों से संवाद किया. उन्होंने बच्चों से पढ़ाई को लेकर चर्चा की और स्कूल में मिलने वाले मध्यान्ह भोजन की जानकारी भी ली। कांग्रेस नेता व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 1 अक्टूबर को गोंदिया के बिरसी विमानतल पर पहुंचे. जहां से वह मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में पहुंचे. इस दौरान उन्होंने स्कूल दौरे के बाद राहुल गांधी दोपहर करीब 3 बजे जगला गांव पहुंचे. यहां विभिन्न बीमारियों के कारण अब तक पांच बच्चों की मौत होने की जानकारी सामने आई है. राहुल गांधी ने मृत बच्चों के परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं और पीड़ा जानी. उन्होंने क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति की भी जानकारी ली. इस दौरान आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने बैगा आदिवासी क्षेत्र की वर्तमान परिस्थितियों से उन्हें अवगत कराया. पीड़ित परिवारों से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा कि कुपोषण और मलेरिया जैसे गंभीर रोगों के कारण आदिवासी बच्चों की मौत हुई है और सरकार ने इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है. उन्होंने स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में पर्याप्त कार्य नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे को लोकसभा में उठाया जाएगा. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाएगी।

राहुल गांधी को देखने उमड़ी भीड़

राहुल गांधी के जगला पहुंचने की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण उन्हें देखने और मिलने के लिए पहुंच गए. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने रस्सियों का घेरा बनाकर सुरक्षा व्यवस्था संभाली. सुरक्षा व्यवस्था के चलते कांग्रेस विधायक विक्की पटेल और अनुभा मुंजारे को भी राहुल गांधी के करीब जाने से रोका गया. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी भी राहुल गांधी के साथ उपस्थित थे. लेकिन सुरक्षा घेरे से उन्हें कुछ दूरी पर रखा गया था।

जश्ने गौसुलवरा कॉन्फ्रेंस आज

मुफ्ती शहजाद आलम मिस्बाही की होगी तकरीर, बाद नमाजे मगरिब लंगर

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मदरसा गौसिया फैजाने नूरी कमेटी मोमिन चौक भरवेली के तत्वाधान में हर साल की तरह इस साल भी जश्ने गौसुलवरा कान्फ्रेन्स का आयोजन 2 अक्टूबर दिन शुक्रवार को रात्रि 9 बजे से एक मैरिज लान अमेडा रोड वार्ड नंबर 8 मोमिन चौक भरवेली में किया गया हैं। इस कांफ्रेंस में मुख्यवक्ता मुफ्ती शहजाद आलम मिस्बाही उस्ताद जामियातुर्रजा सदर बरेली शरीफ आवाम से खिताब करेंगे।साथ ही मुफ्ती नियाजुल कादरी इंदौर शायरे इस्लाम अमजद रजा बनारसी, कारी हनीफ रजा नागपुर, इदरीस रजा साहब सिमरिया इस कांफ्रेंस में शिरकत करेंगे। साथ ही बालाघाट शहर एवं जिले के मस्जिदों के तमाम ईमाम,आलिम, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियो की भी शिरकत होगी। आयोजन कमेटी द्वारा 2 अक्टूबर बाद नमाजे मगरिब शाम 7 बजे से लंगर ए आम का आयोजन भी किया गया है। आयोजकों ने सभी गौसो ख्वाजा रजा के मानने और चाहने वालों से इन दोनों आयोजनों में अधिक तादाद में पहुंचने की अपील की है।

खमरिया के पास क्षतिग्रस्त वॉटर कोस की पुलिया का निर्माण कार्य हुआ शुरू

वॉटर कोस पुलिया निर्माण नही होने से किसानों के खेतों तक नहर का नही पहुंच रहा था पानी, पुलिया निर्माण होने से किसानों की समस्या होगी दूर

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा से वारासिवनी मार्ग पर स्थित ग्राम खमरिया के पास सर्राटी जलाशय माइनर नहर के वॉटर कोस की पुलिया लंबे समय से क्षतिग्रस्त होकर बंद पड़ी हुई थी। वहीं पुलिया का निर्माण न होने से क्षेत्र की लगभग 100 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई बाधित हो गई थी। जिससे किसानों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लंबे समय से खमरिया के किसानों के द्वारा कलेक्टर, एसडीएम, एमबीएल कंपनी के जिम्मेदारों को समस्या से अवगत करवाकर सड़क के बीच से क्षतिग्रस्त वॉटर कोस पुलिया के स्थान पर नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग कर रहे थे। ताकि सर्राटी जलाशय की माइनर नहर से निकले वॉटर कोस पुलिया से किसानों के खेतों तक पानी आसानी से पहुंच सके, लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा था। किसानों की उक्त समस्या को लेकर गत माह बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से खमरिया के पास क्षतिग्रस्त वॉटर कोस की पुलिया का निर्माण नही होने से किसानों में भारी आक्रोश, मांगे पूरी नही होने पर किसान करेगें चक्काजाम नामक शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया है। खबर प्रकाशन के बाद गत दिवस से जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के समीप खमरिया वॉटर कोस पुलिया जो बंद एवं क्षतिग्रस्त हो चुका था। उक्त स्थान पर सड़क के बीच से खुदाई कर बडे मोगे लगाकर नवीन पुलिया का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिसका कार्य जारी है और पुलिया का निर्माण कार्य पुर्ण हो जाने के बाद लंबे समय से पानी निकासी एवं किसानों के खेतों तक सर्राटी जलाशय माइनर नहर का पानी नही पहुंचने की जो समस्या बनी हुई थी वह दूर हो जायेगी।

गुणवत्तापूर्ण एवं तीव्र गति से कार्य करवाने की उठी मांग

आपकों बता दे कि लालबर्रा से वारासिवनी मार्ग स्थित खमरिया के समीप से सर्राटी जलाशय माइनर नहर गुजरी है और इस नहर के माध्यम से दर्जनों ग्रामों के किसानों के खेतों तक पानी पहुंचता है। वहीं विगत वर्ष पुर्व एमबीएल कंपनी के द्वारा वारासिवनी से लालबर्रा पहुंच मार्ग का निर्माण किया गया था। जिस समय ग्रामीणजनों एवं किसानों ने प्रशासन से खमरिया के समीप सड़क के बीच से गुजरे वॉटर कोस की पुलिया का नवीन निर्माण करवाने की मांग किये थे। लेकिन निर्माण कंपनी के द्वारा किसानों की मांगों को अनसुना कर दिया गया। जिसके कारण पुरानी पुलिया के ऊपर से ओवर लोड़ वाहनों के गुजरने के कारण वॉटर कोस की पुलिया क्षतिग्रस्त होने के साथ ही बंद हो चुकी थी। ऐसी स्थिति में सर्राटी जलाशय की खमरिया माइनर नहर में पानी छोड़ने पर जिस वॉटर कोस से किसानों के खेतों तक पानी पहुंचता था, उक्त स्थान से नही पहुंच पा रहा था, जिससे पानी के अभाव में किसानों की फसल प्रभावित हो रही थी और एक ही ओर अत्यधिक पानी खेतों में जमा रहने से फसल को काफी नुकसान हो रहा था, जिससे किसान काफी परेशान थे। वॉटर कोस पुलिया क्षतिग्रस्त होने से किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंचने की समस्या को लेकर किसानों ने गत माह पूर्व जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर चक्काजाम करने की चेतावनी भी दी थी और किसानों की समस्या को लेकर बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जिला प्रशासन एवं सड़क विभाग के अधिकारी हरकत में आये और वॉटर कोस पुलिया का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। जिससे खमरिया ग्राम के किसानों में हर्ष व्याप्त है। वहीं किसानों ने बताया कि एमबीएल कंपनी के द्वारा लालबर्रा से वारासिवनी मार्ग का निर्माण विगत वर्ष पूर्व किया गया है। जिस समय जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के समीप सड़क के बीच से गुजरे वॉटर कोस पुलिया का नवीन निर्माण करवाने की मांग की गई थी। लेकिन उनके द्वारा नही किया गया और ओवरलोड वाहनों के गुजरने से पुराना वॉटर कोस पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुका था। ऐसी स्थिति में नहर का पानी खेतों में नही पहुंचने से करीब 100 एकड़ फसल प्रभावित हो रही थी। उक्त समस्या को लेकर गत माह बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है और गत दिवस से वॉटर कोस पुलिया का निर्माण कार्य किया जा रहा है। प्रशासन से मांग है कि गुणवत्तापूर्ण एवं तीव्र गति से निर्माण कार्य करवाये ताकि किसानों के खेतों में सर्राटी जलाशय माइनर नहर का पानी आसानी से पहुंच सके और जो फसल पानी के अभाव में प्रभावित हो रही है उसकी सिंचाई कर किसान फसल उत्पादन अधिक ले सके।

ददिया में परमात्मा एक सेवक मंडल की बैठक हुई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया में परमात्मा एक सेवक मंडल के वरिष्ठ मार्गदर्शक धनीराम जी भोयर के निवास पर बुधवार को परमात्मा एक सेवक मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में सैकड़ों की संख्या में सेवकों ने हिस्सा लिया और कार्यक्रम की रणनीति के साथ-साथ आवश्यक विचार साझा किये। बैठक में आगामी 27 अक्टूबर को ददिया के स्कूल प्रांगण में शरद पुर्णिमा (कोजागिरी) के पावन अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किये जाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही यह आयोजन 'परमात्मा एक सेवक परिवार', ब्लॉक लालबर्रा द्वारा किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महान त्यागी बाबा जुमदेव जी के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है। चर्चा में आयोजक समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम परमपूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल, वर्धमान नगर, नागपुर के आदेशानुसार आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त अंध श्रध्दा और बुरे व्यसनों को दूर कर लोगों को सुखमय जीवन जीने की प्रेरणा देना है। यह आयोजन पूरी तरह से महान त्यागी बाबा जुमदेव जी के दिखाये मार्ग पर आधारित है, जिन्होंने सत्य, मर्यादा और प्रेम के व्यवहार से जीवन को सुखमय बनाने का संदेश दिया था। आगे बताया कि कोजागिरी (शरद पुर्णिमा) के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को आकर्षक और ज्ञानवर्धक बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। जिसमें शाम 5 बजे से रंगोली प्रतियोगिता, कुर्सी दौड़, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, चर्चा बैठक मार्गदर्शन, ग्रुप डांस प्रतियोगिता, बाबा जुमदेव जी के सुमधुर गीत व भजन कार्यक्रम संपन्न होगे। वहीं इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत से ही महाप्रसादी का वितरण एवं रात 12 बजे विशेष रूप से खीर का वितरण किया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजक समिति के वरिष्ठ मार्गदर्शक धनीराम भोयर, कार्यकर्ता दिलीप बारेकर, सोमेश्वर उके, लाकेश सार्वे सहित समस्त परमात्मा एक सेवक परिवार ने लालबर्रा क्षेत्र के सभी सेवक-सेविकाओं से अपील की है कि सभी इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित करें और बाबा जुमदेव जी के आदर्शो को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लें।

जाम के शास. उमावि. में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत जाम स्थित शास. उमावि. में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरूवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े के मुख्य आतिथ्य, बीईओं वायआर गजभिये की अध्यक्षता एवं जनपद उपाध्यक्ष (शिक्षा समिति अध्यक्ष) किशोर पालीवाल , भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, उपाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास, युवा मोर्चा अध्यक्ष संजीव अवधिया, सत्येंद्र दमाहे, बीआरसी राम तुरकर, टोपराम बिसेन, राधेश्याम बिसेन, एस.एम.सी अध्यक्ष प्रतिनिधि शिवकुमार ठाकरे, उपाध्यक्ष रविंद्र मेश्राम, स्कूल प्राचार्य एमंत ठाकरे के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात विद्यार्थियों के द्वारा पर्यावरण गीत एवं एक नाटिका प्रस्तुत की गई। वहीं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी में रखे गये समस्त कलाओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका अतिथियों ने अवलोकन कर विद्यार्थियों की प्रतिभाओं की सराहना की। साथ ही विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। चर्चा में शास. उमावि. जाम के प्राचार्य एमंत ठाकरे ने बताया कि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े ने विद्यार्थियों को प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तार से जानकारी प्रदान की। साथ ही वर्ष 2026 में कक्षा दसवीं में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में सातवां स्थान प्राप्त करने वाले छात्र विनायक ठाकरे एवं उनके पिता शिवकुमार ठाकरे जी का स्वागत किया। वहीं कक्षा 12 वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एक बालक एवं एक बालिका को शासन से स्कूटी प्राप्त छात्र-छात्राओं को स्कूटी की चाबी प्रदान की गई। इसी प्रकार लैपटॉप प्राप्त आधा सैकड़ा छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। साथ ही शासन से प्राप्त लाभांश पर उनसे चर्चा की गई और भविष्य के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। श्री ठाकरे ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित समस्त विद्यार्थियों को आगामी समय में अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा लैपटॉप हासिल करने स्कूटी योजना का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समापन में विद्यालय के शिक्षक आर.सी बिसेन द्वारा उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त एवं सफल मंच संचालन श्रीमती पुष्पलता बघेले के द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

तहसीलदार के आदेश पर राजस्व टीम ने फसल कटवाकर रास्ते पर किये अतिक्रमण को किया मुक्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव में शासकीय रास्ते की भूमि पर किये गये अवैध अतिक्रमण के खिलाफ राजस्व विभाग द्वारा सख्त कार्यवाही की गई है। शासकीय भूमि पर पन्नालाल ने अवैध अतिक्रमण कर फसल लगाया था, जिसे बुधवार को तहसीलदार के निर्देश पर राजस्व टीम ने फसल कटवाकर अतिक्रमण से मुक्त कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मिरेगांव निवासी पन्नालाल पिता बालाराम द्वारा शासकीय खसरा नंबर 233 (रास्ता) की भूमि पर धान की फसल लगाकर सार्वजनिक रास्ते को बाधित कर दिया गया था। जिससे शिकायतकर्ता को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और विरोध करने पर उन्हें रास्ते का उपयोग करने से मना किया जाता था। जिसका प्रकरण तहसील न्यायालय में चल रहा था और तहसीलदार के निर्देश पर बुधवार को राजस्व, पुलिस एवं पंचायतकर्मियों की उपस्थिति में आने-जाने के रास्ते में फसल लगाकर अतिक्रमण जो किया गया था, उक्त स्थान से धान की फसल कटवाकर अतिक्रमण मुक्त करने की कार्यवाही की गई है। चर्चा में नायब तहसीलदार विनोदकुमार कोर्राम ने बताया कि ग्राम मिरेगांव निवासी शिकायतकर्ता धनीराम पटले द्वारा पूर्व में तहसील कार्यालय में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार लालबर्रा द्वारा जारी आदेश 17 सितंबर 2026 के परिपालन में राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर शासकीय भूमि पर बोई गई धान की फसल को कटवाकर शासकीय रास्ते को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त करवाया है।

मनरेगा मेट संघ की बैठक में उठी नियमितीकरण और समय पर मानदेय की मांग

भोपाल स्तर पर उग्र आंदोलन की बनाई रणनीति, 3 अक्टूबर को जबलपुर बैठक में शामिल होगा लालबर्रा का प्रतिनिधिमंडल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के सामने सामुदायिक भवन में गुरूवार को मनरेगा मेट संघ की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक मेट संघ के पदाधिकारियों की उपस्थित में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में पंचायतों में काम की अनिश्चितता और लंबे समय से मानदेय न मिलने जैसी समस्याओं पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया गया। साथ ही मांगों के निराकरण के लिए भोपाल स्तर पर आंदोलन करने की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मेटों ने कहा कि सरकार द्वारा योजना के स्वरूप में बदलाव कर वीवी राम जी योजना लागू की गई है। लेकिन धरातल पर हम लोगों को 12 महीने रोजगार नहीं मिल पा रहा है। जो कार्य मेटों द्वारा किया जा चुका है, उसका मानदेय भी महीनों से बकाया है, जिस कारण से जीविकापार्जन करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि मेटों के द्वारा पंचायतों में योजना के तहत जो भी कार्य होते है उसे पूरी निष्ठा के साथ करते हैं, फिर भी सरकार हमारी जायज मांगों को पूरा नही कर रही है, जिससे सभी में शासन-प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है। आगे कहा कि सरकार से मांग है कि मनरेगा (वीवी रामजी योजना) के तहत कार्यरत मेटों का नियमितीकरण करें, महीनों से लंबित मानदेय का अविलंब भुगतान सुनिश्चित करें, वर्षभर काम उपलब्ध करवाये। आगे संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि अपनी जायज मांगों को पुरा करवाने के लिए पूरे प्रदेश के मेटों को संगठित होना होगा। प्रांतीय आव्हान पर भोपाल में विशाल धरना-प्रदर्शन की तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में 3 अक्टूबर को जबलपुर में कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई है, जिसमें लालबर्रा ब्लॉक का प्रतिनिधिमंडल सहभागिता करेगा। वहीं बैठक में उपस्थित सभी मेटों से एकजुट होकर भोपाल आंदोलन को सफल बनाने की अपील की गई। इस अवसर पर मनरेगा मेट संघ के पदाधिकारी एवं मेटगण उपस्थित रहे।

नियमितीकरण की मांग को लेकर भोपाल में बड़ा प्रदर्शन करेगा मेट संघ - मनोज

मनरेगा मेट संघ लालबर्रा अध्यक्ष मनोज कटरे ने बताया कि संगठन की आगामी रणनीतियों और मेटों की समस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में पंचायतों में मेटों को काम नही मिलने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई है, इस दौरान आगामी आंदोलन की रणनीति बनाई गई है। साथ ही शासन द्वारा लागू की गई वी.वी. रामजी योजना व अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में भी मेटों को विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मेटों की विभिन्न समस्याओं और नियमितीकरण की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर आगामी दिनों में भोपाल में एक विशाल धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। श्री कटरे ने बताया कि 3 अक्टूबर को जबलपुर में कोर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है, जिसमें लालबर्रा ब्लॉक से भी कई प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस बैठक में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रमों और भोपाल में होने वाले विशाल धरना-प्रदर्शन की रूपरेख तैयार की जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि वर्ष 2007 से हम लोग निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे है लेकिन अब तक नियमितीकरण नहीं किया गया है। सरकार से मांग है कि हमें वर्ष पर काम उपलब्ध करवाये, समय पर मानदेय एवं नियमित करें, उक्त मांगे पूरी नही होने पर भोपाल में बड़ा धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

नहर में अमोली निवासी सुंदरलाल खैरवार का मिला शव

सांदीपनि विद्यालय के पीछे नहर से बरामद हुआ शव, घूमने के दौरान नहर में गिरने की आशंका

नहर में बहता दिखाई दिया शव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम कायदी से वारासिवनी की ओर आने वाली नहर में गुरुवार सुबह मिले अज्ञात व्यक्ति के शव की शिनाख्त हो गई है। मृतक की पहचान ६५ वर्षीय सुंदरलाल खैरवार निवासी ग्राम अमोली थाना लालबर्रा के रूप में हुई है। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही एवं पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा हैं की सुंदरलाल खैरवार प्रतिदिन घूमने के लिए घर से बाहर निकलते थे। आशंका जताई जा रही है कि घूमने के दौरान वह शौच के लिए नहर के समीप गए होंगे जहां पैर फिसलने के कारण नहर में गिर गए और पानी के तेज बहाव में बह गए। हालांकि घटना की वास्तविक परिस्थितियों को लेकर पुलिस द्वारा आवश्यक जांच की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ढूटीघाट बांध से निकलने वाली नहर ग्राम कायदी तक पहुंचती है जहां से यह दो माइनर में विभाजित होती है। गुरुवार सुबह कायदी से वारासिवनी की ओर आने वाली नहर के ऊपर से आवागमन कर रहे ग्रामीणों की नजर पानी में बहते एक व्यक्ति के शव पर पड़ी। शव दिखाई देने के बाद ग्रामीणों ने इसकी जानकारी आसपास के लोगों को दी। देखते ही देखते घटना की जानकारी क्षेत्र में फैल गई और मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों के द्वारा घटना की सूचना वारासिवनी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सहायक उपनिरीक्षक धनेश वल्के पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से नहर में शव की तलाश शुरू की नहर में आगे बढ़ने पर सांदीपनि विद्यालय के पीछे शव दिखाई दिया। जिसके बाद पुलिस एवं मौके पर मौजूद नागरिकों के संयुक्त प्रयास से शव को नहर से बाहर निकाला गया। शव बरामद होने के बाद पुलिस ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन कोई भी व्यक्ति उसे पहचान नहीं सका। इसके बाद आसपास के ग्रामों से लोगों को बुलाकर भी शिनाख्त कराने का प्रयास किया गया। पुलिस द्वारा आसपास के थाना क्षेत्रों से गुमशुदगी संबंधी जानकारी भी जुटाई गई। लगातार प्रयासों के बाद मृतक की पहचान सुंदरलाल खैरवार उम्र ६५ वर्ष निवासी ग्राम अमोली थाना लालबर्रा के रूप में हुई। पहचान होने के बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी। बताया गया कि सुंदरलाल खैरवार रोजाना घूमने के लिए घर से बाहर निकलते थे। संभावना जताई जा रही है कि घटना के दिन भी वह रोज की तरह घूमने निकले होंगे। इसी दौरान नहर के समीप शौच के लिए जाने के दौरान उनका पैर फिसल गया होगा और वे नहर के पानी में गिर गए होंगे। नहर में पानी का बहाव तेज होने के कारण वे बह गए और उनका शव बहकर सांदीपनि विद्यालय के पीछे पहुंच गया। मृतक के शरीर पर चोट के निशान भी दिखाई देने की बात सामने आई थी। पुलिस के अनुसार नहर के पानी के बहाव के दौरान दीवार अथवा अन्य स्थान से टकराने के कारण भी चोट लगने की संभावना हो सकती है। हालांकि चोटों एवं मृत्यु के वास्तविक कारणों की स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी के शवगृह में सुरक्षित रखवाया था। मृतक की शिनाख्त होने के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके पश्चात पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले में मर्ग जांच की जा रही है।

इनका कहना है

नहर में किसी व्यक्ति का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। मौके पर पहुंचकर शव को सांदीपनि विद्यालय के पीछे नहर से बरामद किया गया था। प्रारंभ में मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी बाद में उसकी पहचान सुंदरलाल खैरवार उम्र ६५ वर्ष निवासी ग्राम अमोली थाना लालबर्रा के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह रोज घूमने के लिए निकलते थे। संभवत: घूमने के दौरान शौच के लिए नहर के पास गए होंगे और पैर फिसलने से नहर में गिर गए होंगे। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

धनेश वल्के सहायक उपनिरीक्षक थाना वारासिवनी

सेवा सहकारी समिति वारासिवनी में वार्षिक आमसभा आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित बी.पैक्स वारासिवनी में बुधवार को वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष वारासिवनी सहकारी समिति शैलेंद्र सेठी की अध्यक्षता एवं पूर्व अध्यक्ष रविंद्र रुसिया, राजेंद्र अरोरा ,पूर्व संचालक नारायण प्रसाद तिवारी ,वायकर पारधी ,खेमराज गौतम ,नवरत्न झारिया ,मेघराज निपाने ,दिनेश मिश्रा, जनपद सदस्य श्रीराम गौतम, कृषि विभाग के एडीओ भूपेंद्र कुमार मासूरकर ,रत्नेश शुक्ला सहित अन्य की उपस्थिति में किया गया। आमसभा का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों एवं किसानों के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद समिति के प्रबंधक द्वारा समिति की गतिविधियों एवं आगामी वर्ष के लिए संचालक मंडल के द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की गई। आमसभा में कार्ययोजना के अनुमोदन सहित संचालक मंडल के सदस्यों के निर्वाचन से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। इस दौरान समिति का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्षभर की गतिविधियों की जानकारी दी गई। साथ ही समिति के शुद्ध लाभ, विभिन्न मदों में हुए व्यय तथा आगामी वर्ष के प्रस्तावित बजट से सदस्यों एवं किसानों को अवगत कराया गया। आमसभा में अन्य आवश्यक विषयों पर भी चर्चा कर किसानों से प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को सुना गया।

किसानों को नवाचार एवं कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने किया प्रेरित

आमसभा के दौरान उपस्थित किसानों को कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए आधुनिक तकनीक एवं नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। किसानों को कृषि कार्यों के लिए ऋण की सामूहिक व्यवस्था, सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं तथा शासन के द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अलावा फसल बीमा, राशन दुकान, पंजीयन सहित कृषि एवं सहकारिता से संबंधित विभिन्न विषयों पर भी विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। किसानों से कहा गया कि वे शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग कर अपनी कृषि गतिविधियों को बेहतर बनाएं। इस अवसर पर छगन हनवत, प्रताप निर्मल ,अमृतलाल बिसेन, मदनलाल पारधी ,अशोक मात्रे ,ज्ञानचंद नेवारे ,सदानंद पटेल ,एम एल एड़े ,दिनेश परिहार ,योगेंद्र मात्रे ,सुरेंद्र बिसेन, खुमान सिंह उइके ,रविंद्र पारधी ,हितेश सोनी ,जितेंद्र पटले ,पुष्पा कावरे ,महेंद्र प्रजापति सहित बड़ी संख्या में किसान तथा कृषि विभाग एवं जिला सहकारी बैंक के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

विभिन्न समितियों में आयोजित हो चुकी हैं वार्षिक आमसभा

विदित हो कि क्षेत्र की सेवा सहकारी समितियों में क्रमश: वार्षिक आमसभाओं का आयोजन किया जा चूका है। यह कार्यक्रम सावंगी से प्रारंभ कर उसके बाद कोचेवाही ,रमरमा ,बुदबुदा ,थानेगांव, झालीवाड़ा ,जागपुर ,कायदी एवं कोस्ते सहित विभिन्न समितियों में आमसभा आयोजित होने के बाद वारासिवनी बी.पैक्स में वार्षिक आमसभा संपन्न हुई। इन आमसभाओं में संबंधित सेवा सहकारी समितियों के पूर्व अध्यक्ष, संचालक मंडल के सदस्य एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित होकर समिति के कार्यों एवं किसान हित से जुड़े विषयों पर चर्चा कर रहे हैं। आमसभाओं का उद्देश्य किसानों को समिति की गतिविधियों, वित्तीय स्थिति, आगामी कार्ययोजना तथा शासन की योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ उनकी समस्याओं एवं सुझावों पर चर्चा की गयी।

दीनी में सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत दीनी के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक १,२ और ३ में सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती यशोदा भगत के मार्गदर्शन में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं उपस्थित अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। तत्पश्चात आंगन मिलन सेवा के तहत तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें बाल स्वास्थ्य,आनंदमय गतिविधियां, मातृ स्वास्थ्य एवं पोषण संवाद ,मेरी कहानी ,मेरी सफलता ,योजना तथा लाभार्थियों से जुड़े कार्यक्रम शामिल रही। वहीं पोषण प्रदर्शनी के माध्यम से वृक्षारोपण, पोषण आहार ,पोषण विविधता तथा पोषण वाटिका के महत्व को विस्तार से समझाया गया। स्वास्थ्य जांच की विस्तृत जानकारी दी गई और बच्चों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन हुआ। महिला मंडल द्वारा पोषण से संबंधित भजनों का गायन किया गया तथा किशोरियों के द्वारा आंगन मिलन सेवा से जुड़ी रंगोली बनाई गई। तत्पश्चात् बच्चों को फल व मिठाई बांटी गई तथा सभी उपस्थित जनों को स्वल्पाहार वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर ग्राम सरपंच के सी लिल्हारे ,सचिव इंद्रकुमार ब्रम्हे ,जनपद सदस्य सुरेश पटले ,पूर्व जनपद अध्यक्ष कन्हैया लाल पटले ,पूर्व सरपंच अंगराज पटले ,पूर्व सरपंच धनवंता बिसेन ,उर्मिला लिल्हारे ,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कोमेश्वरी बघेले ,किरण पटले ,प्रिया बिसेन ,ओमेश्वरी चित्रिव, रीता गोयल ,हमराज भालेकर, कविता भगत ,सुकवंता लिल्हारे सहित स्कूल के समस्त शिक्षक.शिक्षिकाओं एवं आंगनवाड़ी सहायिका ग्रामीणजन मौजूद रहे।

बकेरा से सिंगोड़ी मार्ग बदहाल, बारिश में कीचड़ से सनी सड़क

आधा दर्जन गांवों के ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी, डामरीकरण की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बकेरा से सिंगोड़ी होते हुए रामपायली को जोड़ने वाला मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। बारिश के चलते सड़क पर जगह.जगह कीचड़ और दलदल जैसी स्थिति निर्मित हो गई है, जिससे इस मार्ग से आवागमन करने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि दोपहिया वाहन चालकों सहित पैदल आवागमन करने वाले लोगों के लिए भी यहां से गुजरना मुश्किल हो रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बकेरा से सिंगोड़ी होते हुए यह मार्ग रामपायली की ओर जाता है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण आवागमन करते हैं। ग्राम पंचायत बकेरा द्वारा अपनी सीमा क्षेत्र में नहर तक ग्रेवल सड़क का निर्माण कराया गया है लेकिन इसके आगे का मार्ग बदहाल होने के कारण ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश के दौरान सड़क पर पानी और कीचड़ जमा होने से कई स्थानों पर मार्ग दलदल में तब्दील हो गया है। यह मार्ग आसपास के करीब आधा दर्जन गांवों के ग्रामीणों के लिए रामपायली की ओर जाने का महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। ग्रामीण प्रतिदिन विभिन्न आवश्यक कार्यों के लिए इसी रास्ते का उपयोग करते हैं ,कार्यों के लिए रामपायली और आसपास के क्षेत्रों में जाने वाले लोगों के लिए यह मार्ग काफी उपयोगी है। वहीं इस मार्ग का सबसे अधिक उपयोग क्षेत्र के किसानों द्वारा किया जाता है। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में कृषि भूमि स्थित है जिसके चलते किसान प्रतिदिन खेतों तक पहुंचने तथा कृषि कार्यों के लिए इसी मार्ग से आवागमन करते हैं। बारिश के मौसम में मार्ग की स्थिति खराब होने के कारण किसानों को भी अपने खेतों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बकेरा से सिंगोड़ी होते हुए रामपायली तक जाने वाले मार्ग का स्थायी समाधान आवश्यक है। केवल ग्रेवल डालने से बारिश के दौरान समस्या दोबारा उत्पन्न हो जाती है। ऐसे में मार्ग का उचित निर्माण कर डामरीकरण किया जाना आवश्यक है ताकि वर्षभर ग्रामीणों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

मार्ग की जर्जर स्थिति से ग्रामीणों में आक्रोश है-छन्नूलाल कोड़पे

किसान छन्नूलाल कोडपे ने बताया कि इस रास्ते पर हम ग्राम वालों की बहुत सारी जमीन लगी हुई है। जहां अभी खेती का कार्य चल रहा है तो आने जाने में काफी दिक्कत होती है। पंचायत में यह थोड़ी सी रास्ता बना दी है ठीक है पर आगे सीमा के बाहर दिक्कत यथावत है। पानी यदि आ जाए तो चलना दुभर हो जाता है अभी धूप के कारण थोड़ा आना जाना कर पा रहे हैं इस रोड को पक्का बनाना चाहिए।

मार्ग पर ग्रामीणों का चलना दुभर हो गया है-बलिराम भगत

बलिराम भगत ने बताया की हमारे ग्राम और आसपास के आधा दर्जन ग्राम का थाना रामपायली पड़ता हैं। मार्ग से आना जाना करना बहुत मुश्किल हो गया हैं किसी को कभी भी जाना होता है वह बघोली होते हुए करीब ५ किलोमीटर का लंबा चक्कर काट कर जाना पड़ता है। जबकि यह मार्ग समीप का है साइकिल से भी आना जाना होता है। किंतु आधे रास्ते से पूरा मार्ग बेहाल है साइकिल मोटरसाइकिल से जाना आना नहीं कर सकते। इस मार्ग का डामरीकरण होना चाहिए क्योंकि यह अति आवश्यक मार्ग ग्रामीण क्षेत्र के लिए हो गया है।

नवदुर्गा उत्सव समिति की बैठक में बनाई गई नवरात्र पर्व की रूपरेखा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के इंडोर स्टेडियम परिसर में १ अक्टूबर को नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने की। बैठक में आगामी ११ अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले नौ दिवसीय नवरात्र पर्व को हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही इस वर्ष उत्सव में नया क्या किया जा सकता है इसे लेकर समिति के सदस्यों ने अपने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में नवरात्र पर्व के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों श्रद्धालुओं की सुविधाओं आकर्षक साज.सज्जा पंडाल एवं सांस्कृतिक आयोजनों को लेकर विचार.विमर्श किया गया। सदस्यों के द्वारा दिए गए सुझावों पर समिति स्तर पर विचार कर आवश्यक निर्णय लिए जाने की बात कही गई। विदित है कि नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब का नवरात्र आयोजन ना केवल वारासिवनी एवं आसपास के क्षेत्र बल्कि जिले से लगे महाराष्ट्र क्षेत्र में भी अपनी आकर्षक साज.सज्जा, भव्य पंडाल, शानदार लाइटिंग एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विशेष पहचान रखता है। प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नागरिक यहां पहुंचकर माता रानी के दर्शन के साथ आयोजन का आनंद लेते हैं। समिति

द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित किया जाने वाला बॉलीवुड नाइट कार्यक्रम भी उत्सव का प्रमुख आकर्षण रहता है। इस कार्यक्रम में पूर्व वर्षों में अभिनेता एवं गायक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी हैं। समिति के द्वारा इस वर्ष भी बॉलीवुड नाइट को और आकर्षक बनाने के लिए बड़े कलाकारों को आमंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि कलाकारों के नाम एवं कार्यक्रम की अंतिम रूपरेखा समिति के द्वारा आगामी दिनों में तय किए जाने की संभावना है। नवरात्र के दौरान आयोजित होने वाला गरबा कार्यक्रम भी श्रद्धालुओं एवं युवाओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। पिछले वर्ष गरबा आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति को देखते हुए इस वर्ष आयोजन स्थल पर गरबा के लिए पहले की अपेक्षा और बड़ा घेरा तैयार किया गया है ताकि अधिक संख्या में प्रतिभागी व्यवस्थित रूप से गरबा में शामिल हो सकें। माता रानी के पंडाल को भी विशेष रूप देने की तैयारी की जा रही है। समिति द्वारा कलकत्ता से आए कलाकारों के माध्यम से पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। पंडाल की आकर्षक सजावट एवं विशेष थीम श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहने की उम्मीद है। इसके साथ ही परिसर में की जाने वाली विद्युत सजावट एवं लाइटिंग को भी भव्य रूप देने की तैयारियां की जा रही हैं। बैठक के दौरान समिति पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नवरात्र पर्व को शांतिपूर्ण,व्यवस्थित एवं भव्य तरीके से संपन्न कराने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया। इस अवसर पर नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब के अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ,संजय सिंह चंदेल, भागसिंह कापसे ,अरमान खान ,बसंत गिरी ,संतोष शिवणे , संजय चौरे ,दिनेश पानेकर ,मयंक चौबे , अमन खोसला , मन्नु डहरवाल , संतोष आड़े ,शैलेन्द्र कनौजिया ,अभिषेक दुबे , शिवशक्ति सोलंकी ,राम खंडेलवाल, प्रदीप डहरवाल , सुधीर शर्मा , सिकन्दर मिश्रा , अनिल लिल्हारे , सागर देवगड़े सृजल गोन्नाड़े , शिवदयाल देशमुख ,सुमित डोंगरे, राजू बोपचे ,आशिष सिंह सहित अन्य समिति सदस्य मौजूद रहे।

वरिष्ठ नागरिक मंच ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। गुरुवार को स्थानीय वरिष्ठ नागरिक मंच के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें वरिष्ठ नागरिक मंच मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रणय श्रीवास्तव,संरक्षक निर्दोष माडल, शिव शंकर पराते ,सुरेश बेदी,अशोक ओचानी ,हीरा सिंह चंदेल, मनीराम बिसेन ,प्रदीप खंडेलवाल ,सुमेर चंद कोल्हे, सुरेंद्र बिसेन, शरद डेकाटे, गुलराज जिज्ञासी,शिव दयाल पटले, रामेश्वर मसकरे, डी एल एडे, गणेश चूरहे सहित अनेकों गणमान्य वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक दूसरे को शतायु स्वस्थ सुखी आनंदमय जीवन के लिए शुभ कामनाएं प्रदान कर आत्मीय अभिनंदन किया एवं शासन के द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली आवश्यक सुविधाएं पूर्व अनुसार ही बहाल करने के संबंध में चर्चा की । जैसे आयुष्मान कार्ड में ६२ से वर्ष से इलाज सुविधा, ट्रेन एवं बस में किराए में रियायत, आवश्यक चिकित्सा हेतु शासकीय अस्पताल में मुफ्त सुविधा, वरिष्ठ नागरिकों के लिए नगर में पृथक से उद्यान की व्यवस्था, वरिष्ठ नागरिक मंच के तत्वावधान में राष्ट्रीय पर्व पर राष्ट्रीय ध्वज आरोहण हेतु स्थान सुनिश्चित करने के संबंध में विचार विमर्श किया गया। शीघ्र ही एक मांग पत्र ज्ञापन वरिष्ठ नागरिक मंच के द्वारा मुख्य मंत्री के नाम प्रेषित किया जायेगा। जिसमें नगर की एवं प्रदेश की ज्वलंत समस्याओं के निराकरण हेतु अनुरोध किया जायेगा।

क्या आईआईटी के परिसर बन रहे हैं दबाव के केंद्र?

देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों को प्रतिभा, अनुशासन और उत्कृष्ट शिक्षा के केंद्र के रूप में देखा जाता है। इन संस्थानों में प्रवेश पाना लाखों विद्यार्थियों का सपना होता है। लेकिन जब इन्हीं संस्थानों से विद्यार्थियों की आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं तो समाज के सामने केवल एक दुखद घटना नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था, परिवार और सामाजिक सोच से जुड़े कई गंभीर सवाल खड़े हो जाते हैं। किसी विद्यार्थी का इस तरह जीवन समाप्त कर लेना पूरे परिवार के लिए ऐसी पीड़ा छोड़ जाता है, जिसकी भरपाई संभव नहीं होती। हर ऐसी घटना पर संवेदना व्यक्त करने के साथ यह समझना भी जरूरी है कि आखिर वह कौन-सी परिस्थितियां थीं, जिनमें एक विद्यार्थी स्वयं को इतना अकेला और असहाय महसूस करने लगा। आईआईटी में पिछले वर्षों में विद्यार्थियों की आत्महत्या के आंकड़े चिंता पैदा करते हैं। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार पिछले पांच वर्षों में 75 आईआईटी विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एक दशक में ऐसे मामलों में 135 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं। हर संख्या के पीछे एक परिवार, माता-पिता के सपने, भाई-बहनों का संबंध, शिक्षक की भूमिका और एक विद्यार्थी का भविष्य जुड़ा होता है। इसलिए इन घटनाओं को केवल परीक्षा के दबाव या पढ़ाई की कठिनाई से जोड़कर देखना पर्याप्त नहीं होगा। विद्यार्थियों पर पढ़ाई का दबाव निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण कारण हो सकता है। आईआईटी जैसे संस्थानों में लगातार परीक्षाएं, परियोजनाएं, प्रयोगशाला कार्य, समय-सीमाएं, अच्छे अंक हासिल करने की चिंता और भविष्य के रोजगार की प्रतिस्पर्धा बनी रहती है। जब विद्यार्थी अपने आसपास के साथियों को लगातार अच्छा प्रदर्शन करते देखते हैं तो कई बार वह अपनी कठिनाइयों की तुलना दूसरों से करने लगता है। उसे लग सकता है कि बाकी सब आगे बढ़ रहे हैं और केवल वही पीछे रह गया है। यह भावना धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कमजोर कर सकती है। लेकिन केवल पढ़ाई को दोष देना भी सही नहीं होगा। प्रत्येक विद्यार्थी की परिस्थितियां अलग होती हैं। किसी के परिवार में आर्थिक समस्या हो सकती है, किसी को माता-पिता के अलगाव या किसी प्रियजन को खोने का दुख परेशान कर सकता है, कोई लंबे समय से मानसिक तनाव से जूझ रहा हो सकता है, तो किसी विद्यार्थी को भेदभाव, अपमान, अकेलेपन या सामाजिक अस्वीकार का सामना करना पड़ सकता है। कुछ मामलों में नशे जैसी परिस्थितियां पहले से मौजूद मानसिक परेशानी को और गंभीर बना सकती हैं। इसलिए प्रत्येक घटना की स्वतंत्र और संवेदनशील जांच जरूरी है। बिना जांच किसी एक कारण को अंतिम कारण मान लेना न विद्यार्थी के साथ न्याय है और न समाज के साथ। आईआईटी में पढ़ने वाला विद्यार्थी भी आखिर इंसान है। उससे उत्कृष्ट प्रदर्शन की अपेक्षा की जा सकती है, लेकिन यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह हर परिस्थिति में भावनात्मक रूप से मजबूत ही रहेगा। शिक्षक का काम केवल पाठ्यक्रम पूरा करना और परीक्षा के लिए तैयार करना नहीं है। शिक्षक विद्यार्थी की परेशानी को पहचानने वाला पहला व्यक्ति भी हो सकता है। किसी विद्यार्थी के व्यवहार में अचानक बदलाव, लगातार अनुपस्थिति, पढ़ाई में गिरावट, अत्यधिक चिंता या लोगों से दूरी जैसे संकेत दिखाई दें तो उन्हें केवल अनुशासन की समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। माता-पिता की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कई परिवार बच्चों से बहुत बड़ी उम्मीदें रखते हैं।

गांधी जयंती-2 अक्टूबर, 2026 पर विशेष

गांधी का पुनर्जन्म ही नहीं, गांधी-दृष्टि का पुनर्जागरण हो

महात्मा गांधी को याद करना केवल अतीत के एक महान व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि देना नहीं है, बल्कि अपने वर्तमान की दिशा और भविष्य की दशा पर विचार करना भी है। गांधी किसी एक कालखंड, राजनीतिक दल या विचारधारा की संपत्ति नहीं हैं। वे एक ऐसे जीवन-दर्शन का नाम हैं, जिसकी धुरी सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन, स्वावलंबन, सेवा, स्वदेशी, ग्रामोदय, सामाजिक समरसता और मानव-मर्यादा है। इसलिए आज आवश्यकता गांधी के पुनर्जन्म की ही नहीं, गांधी-दृष्टि के पुनर्जागरण की है। गांधी को जितना इतिहास में खोजेंगे, उतना ही वे अतीत के लगेंगे; उन्हें वर्तमान के प्रश्नों से जोड़ेंगे तो वे भविष्य के मार्गदर्शक बन जाएंगे। क्योंकि महात्मा गांधी बीसवीं शताब्दी में दुनिया के सबसे सशक्त, बड़े एवं प्रभावी नेता के रूप में उभरे, वे बापू एवं राष्ट्रपिता के रूप में लोकप्रिय हुए, वे एक रचनात्मक व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने ही मूल्यों के बल पर देश को आजादी दिलाई, नैतिक एवं स्वस्थ मूल्यों को स्थापित किया। उनके द्वारा निरुपित सिद्धान्त आज की दुनिया की चुनौतियों एवं समस्याओं के समाधान के सबसे सशक्त माध्यम है। लेकिन वक्त की विडम्बना देखिये कि गांधी को हम बार-बार कटघरे में खड़ा करते हैं और उनकी छवि को धुंधलाने की कोशिश में कोई कमी नहीं छोड़ते। जो मानसिकता गोली मार सकती है, वह गाली दे तो क्या आश्चर्य? पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। आज भारत 'नए भारत' और 'विकसित भारत' के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस यात्रा में गांधी को नए संदर्भ में देखने की जरूरत है। गांधी का स्वदेशी केवल चरखे तक सीमित नहीं था; उसका मूल भाव आत्मनिर्भरता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 जनवरी 2026 को गांधीजी की पुण्यतिथि पर भी स्वदेशी को विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का आधारस्तंभ बताते हुए उनके कर्तव्य-बोध को स्मरण किया। आज जब भारत स्थानीय उत्पादन, आत्मनिर्भरता, नवाचार, डिजिटल क्षमता और उद्यमिता को आगे बढ़ाने की बात करता है, तब गांधी का स्वावलंबन एक नए आर्थिक और सामाजिक संदर्भ में दिखाई देता है। गांधी के लिए विकास का अर्थ केवल उत्पादन और संपन्नता बढ़ाना नहीं था। विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य था। उनकी दृष्टि में सबसे कमजोर व्यक्ति की चिंता विकास की कसौटी थी। आज 'सबका साथ, सबका विकास' और अंतिम व्यक्ति तक सुविधाओं तथा अवसरों की पहुंच की चर्चा इसी व्यापक मानवीय विकास के संदर्भ में की जा सकती है। गांधी का 'अंत्योदय' किसी सरकारी योजना का नाम नहीं, बल्कि विकास की नैतिक कसौटी है-जिसके केंद्र में वह व्यक्ति हो जो सबसे पीछे है। गांधी की सबसे बड़ी शक्ति यह थी कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं माना। उनके लिए राजनीति का नैतिक आधार सेवा था। आज लोकतंत्र को केवल चुनावों और संस्थाओं तक सीमित न रखकर संवाद, सहभागिता, उत्तरदायित्व और जनविश्वास से जोड़ने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक परंपरा, संवाद और सहभागिता की विरासत को रेखांकित किया है। 2023 के जी-20 सम्मेलन में उन्होंने भारत की प्राचीन सभा-परंपराओं और सामूहिक निर्णय की ऐतिहासिक परंपरा का उल्लेख किया था। यह दृष्टि गांधी की उस राजनीति से संवाद करती है जिसमें जनता केवल शासन की प्रजा नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की सहभागी थी। भारत की विदेश नीति और वैश्विक भूमिका में भी गांधी-दृष्टि के नए संकेत दिखाई देते हैं। 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता का सूत्र था-'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य।' प्रधानमंत्री ने इसे भारतीय सभ्यता के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव से जोड़ा और विश्व की समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। नई दिल्ली में जी-20 नेताओं का राजघाट जाकर गांधी को श्रद्धांजलि देना भी प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण था। उस अवसर पर गांधी के शांति, सेवा, करुणा और अहिंसा के आदर्शों को सामंजस्यपूर्ण और समावेशी वैश्विक भविष्य से जोड़ा गया। सचमुच आज विश्व को गाँधीजी के जीवन-मूल्यों की ज्यादा आवश्यकता है । आज धार्मिक कट्टरता बढ़ रही है। कुछ लोग जेहाद के नाम पर घृणित कृत्यों को

अंजाम दे रहे हैं। कहीं दंगे हो रहे हैं तो कहीं महिलाओं और बच्चों के साथ अत्याचार की घटनाएँ हो रही हैं। धर्म और संप्रदाय के नाम पर समाज में विष घोला जा रहा है। दुनिया में शस्त्रों की होड़ चल रही है। आतंकवाद जीवन का अनिवार्य सत्य बन गया है। ऐसे में गाँधी बहुत याद आते हैं। इनके विचारों को फैलाकर ही दुनिया में शांति लाई जा सकती है।

यहां गांधी की प्रासंगिकता एक और बड़े आयाम में सामने आती है। दुनिया आज युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, आर्थिक असमानता, जलवायु संकट और अविश्वास की चुनौतियों से गुजर रही है। तकनीक ने मानव की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन क्या उसने मानवता बढ़ाई है-यह बड़ा प्रश्न है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर परमाणु हथियारों तक, मनुष्य ने अभूतपूर्व शक्ति हासिल की है; लेकिन शक्ति के साथ संयम, करुणा और नैतिकता न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन सकती है। गांधी का संदेश इसलिए आज और महत्वपूर्ण है कि उन्होंने साधन और साध्य की पवित्रता को एक-दूसरे से अलग नहीं किया। गांधी को किसी एक राजनीतिक खेमे में बांधना उनके विराट व्यक्तित्व को छोटा करना है। गांधी को केवल कांग्रेस, केवल स्वतंत्रता आंदोलन, केवल खादी या केवल किसी एक राजनीतिक व्याख्या तक सीमित करना उनके वैश्विक स्वरूप के साथ न्याय नहीं है। गांधी भारत की आत्मा से निकले और मानवता की चेतना का हिस्सा बने। वे सीमाओं से आबद्ध नहीं हैं। वे अतीत के हैं, लेकिन केवल अतीत के नहीं हैं। वे आज के हैं और आने वाले हर कल के लिए उपयोगी हैं। भारत जब विश्व में अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है, तब गांधी-दर्शन उसके लिए नैतिक पूंजी बन सकता है। आर्थिक शक्ति भारत को प्रभावशाली बना सकती है, तकनीकी शक्ति उसे सक्षम बना सकती है और सामरिक शक्ति उसे सुरक्षित कर सकती है; लेकिन नैतिक शक्ति ही भारत को विश्वसनीय बना सकती है। विश्वगुरु होने का अर्थ दुनिया पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि दुनिया के सामने ऐसा जीवन-मूल्य प्रस्तुत करना है जिससे मानवता लाभान्वित हो। गांधी इसी नैतिक नेतृत्व की सबसे बड़ी भारतीय संभावनाओं में से एक हैं। प्रधानमंत्री द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और 'वसुधैव कुटुम्बकम' को प्रस्तुत करना इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा सकता है।

नए भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल यह नहीं होगी कि भारत कितना बड़ा आर्थिक राष्ट्र बनता है; बड़ी उपलब्धि यह होगी कि उसकी विकास यात्रा कितनी मानवीय, समावेशी, संवेदनशील और टिकाऊ होती है। सड़कें, उद्योग, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष अभियान, स्टार्टअप और आर्थिक विकास आवश्यक हैं, लेकिन इनके साथ सत्य, नैतिकता, सामाजिक समरसता, स्वच्छता, पर्यावरण-संरक्षण और कमजोर के प्रति संवेदना भी आवश्यक है। यही वह स्थान है जहां गांधी आधुनिक भारत की विकास-यात्रा के साथ खड़े दिखाई देते हैं।

गांधी की प्रासंगिकता का सबसे बड़ा प्रमाण शायद यही है कि उन्हें समाप्त करने की जितनी कोशिश हुई, वे उतने ही व्यापक होते गए। आज गांधी केवल भारत के नहीं, विश्व के नैतिक विमर्श का हिस्सा हैं। हिंसा से भरी दुनिया में अहिंसा, विभाजन के बीच संवाद, उपभोगवाद के बीच संयम, केंद्रीकरण के बीच विकेंद्रीकरण, निराशा के बीच सत्य और सत्ता-केंद्रित राजनीति के बीच सेवा-ये गांधी के वे सूत्र हैं जिनकी जरूरत भविष्य की सभ्यता को भी रहेगी। इसलिए इस गांधी जयंती पर हमें केवल गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित नहीं करने हैं; हमें यह देखना है कि हमारे जीवन, समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था और विश्व-दृष्टि में गांधी के कितने मूल्य जीवित हैं। गांधी का पुनर्जन्म किसी व्यक्ति के रूप में नहीं हो सकता; गांधी का पुनर्जन्म तभी होगा जब सत्य फिर से साहस बने, अहिंसा फिर से शक्ति बने, स्वदेशी फिर से आत्मविश्वास बने, सेवा फिर से राजनीति का संस्कार बने और मानवता फिर से विकास का केंद्र बने। नया भारत यदि विकसित भारत बनना चाहता है और भारत यदि विश्व में नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभाना चाहता है, तो उसे आधुनिकता और आध्यात्मिकता, विज्ञान और विवेक, शक्ति और शांति, विकास और करुणा का संतुलन साधना होगा। गांधी इस संतुलन के सबसे प्रखर भारतीय प्रतीकों में हैं। गांधी को अतीत की तस्वीर से निकालकर भविष्य की दृष्टि बनाना होगा। यही गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही उस भारत की पहचान होगी जो केवल विकसित नहीं, बल्कि संवेदनशील, शांतिप्रिय, नैतिक और मानवता के कल्याण का मार्गदर्शक भारत बनना चाहता है।

-ललित गर्ग

(जन्म तिथि पर विशेष)

सहज सरल विनम्र स्वभाव के धनी थे लाल बहादुर शास्त्री

-मुकेश तिवारी

भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री सहज ,सरल स्वभाव के साथ सादगी की भी प्रतिमूर्ति थे ।उनका जन्म 2 अकटूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। इनके पिता का नाम मुंशी शारदा प्रसाद श्रीवास्तव और मां का नाम राम दुलारी देवी था। शास्त्री जी के पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। उन्हे लोग मुंशी जी कहकर संबोधित करते थे।जब शास्त्री जी की आयु महज 18महिने की ही हुई थी, दुर्भाग्य से उनके पिता का निधन हो गया।तब उनकी मां रामदुलारी देवी अपने पिता हजारीलाल के घर मिर्जापुर आ गई थी। हालांकि कुछ समय बाद ही शास्त्री के नाना भी चल बसे ऐसी विषम स्थिति में लालबहादुर शास्त्री की परवरिश करने में उनके मौसा मौसी ने उनकी मां की हर तरह से मदद की। इस सबके बावजूद वे उन सुनहरे दिनों से वंचित हो गए जिसके वे हकदार थे।खेलने खाने की आयु में उन्हें अभावों में जीवन यापन करने पर मजबूर होना पड़ा। यही अहम् वजह थी कि उनमें स्वावलंबन की प्रवृत्ति बचपन से भरी हुई थी ।वे बचपन से ही भोजन बनाने से लेकर कपड़े साफ करने सहित अपने सभी काम स्वयं ही करते थे।आगे चलकर

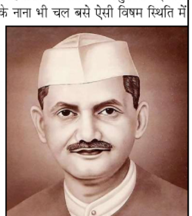

स्वयं के सारे काम स्वयं करना उनकी आदत बन गई थी।वह जेल में होते थे या बाहर अपने कपड़े स्वयं ही साफ करते थे,जवाहर लाल नेहरु की मृत्यु के बाद 9 जून 1964 को प्रधानमंत्री बनने पर भी कभी-कभी वह अपने कमरे की सफाई स्वयं कर लेते थे,नौकर जब तक बिस्तर बिछाने के लिए पहुंचते,तब तक वे स्वयं ही अपना बिस्तर लगा चुके होते थे। उनकी इस आदत को देखकर यदि कोई उन्हें ऐसा करने से टोकता था, तो वे बड़े प्रेम से कहते भाई , जो आदत बचपन से बनी है, उसमें अब क्यों परिवर्तन किया जाए ।ईश्वर ने जब हाथ पैर सही सलामत दिए हैं तब दूसरों को कष्ट क्यों दिया जाए। शास्त्री जी ने जन्म से लेकर मृत्युपर्यंत कर्म की ही उपासना की। उन्होंने किसी आवश्यक वस्तुओं की अभिलाषा कभी नहीं रखी यह उनके व्यक्तित्व कि सबसे बड़ी खासियत थी। शास्त्री जी सदा आत्मसम्मान को बनाए रखने में विश्वास करते थे। पाकिस्तान द्वारा भारत पर आक्रमण कर देने पर शास्त्री जी ने सैनिकों का मनोबल बढ़ाया तथा किसानों को भी उनके बराबर का दर्जा दिया। ,जय जवान जय किसान का नारा देकर उन्होंने तत्कालीन परिस्थितियों में दोनों को आवश्यक माना। शास्त्री जी सैनिकों को सतत रूप से खाद्य साम्रगी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हफ्ते में स्वयं एक दिन उपवास रखते थे,साथ ही उन्होंने समूचे देशवासियों से भी एक दिन का उपवास रखने की अपील की,इसका सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि समूचा देश उनसे सहमत होकर एक दिवसीय उपवास रखने लगा और इस तरह उपवास से बचा राशन सीमा पर जूझ रहे जवानों को विना किसी बाधा के उपलब्ध होता रहा। इसका सकारात्मक प्रभाव शास्त्री जी के जीवन पर यह पड़ा कि उनके हृदय में दीन-हीन, पिछड़े ,शोषित तथा उपेक्षित वर्ग के लोगों के लिए करुणा का भाव उमड़ पड़ा था।अभावों ने उन्हें संयमशील, परिश्रमी कर्मशील, स्वाभिमानी और स्वावलंबी बनाया जो मरते दम तक उनकी पूजी रही। शास्त्री जी में ज्ञान प्राप्ति की इच्छा इतनी बलवती थी कि उसके आगे अभाव रूपी बाधाएं बोनी पड़ जाती। लिखने पढ़ने की ललक और अभावों के मध्य जब अंतर्द्वंद्व छिड़ता तो अभाव ही सदैव पराजित होता। यह बात इस उदाहरण से स्पष्ट होती है कि जब शास्त्री जी के पास नाव चलाने वाले को देने के लिए पैसे नहीं होते तो वे बिना किसी संकोच के रामनगर से गंगा नदी को तैरकर पार करके स्कूल पहुचते और पढाई में हमेशा अब्बल रहते। इससे यह बात स्पष्ट होती है कि यदि किसी बात के लिए व्यक्ति दृढ़ संकल्प ले ले तो उसे अपने कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। शास्त्री जी का व्यक्तित्व गलत बातों को कभी भी स्वीकार नहीं कर सका। प्राय: ऐसा होता है कि हम दूसरों को तो नसीहत देते हैं परंतु स्वयं उस नसीहत का पालन नहीं करते। शास्त्री जी स्वयं कोई कार्य करके, तब दूसरों को नसीहत देते थे। उदाहरणार्थ घर के भीतर टहलते हुए वे पुस्तकों ,पेन, पेंसिल,रबर, कपड़ों आदि को यथा स्थान रख देते थे , इससे उनका तात्पर्य मात्र इतना ही था कि घर के अन्य सदस्य यह सीख ले कि वस्तुओं को यथा स्थान पर रखना चाहिए, हकीकत में सदस्यों को कुछ कहने सुनने की अपेक्षा उनके ऊपर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता और वे मन ही मन यह दृढ़ निश्चय करते कि अब आगे से उन्हें वैसा करने का मौका नही देता। ऐसे अनेक उदाहरण है,जो लाल बहादुर शास्त्री के स्व -प्रणेता होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं, शास्त्री जी अपने वाक् चातुर्य से कर्म क्षेत्र में सदैव ही अपना विशिष्ट प्रभाव छोड़ने में सफल रहे,उनकी खासियत यह थी कि वह प्रत्येक कार्य वक्त पर करते थे। शास्त्री जी अपने जीवन में नैतिक गुणों पर ज्यादा बल देते थे।कोई भी प्रलोभन उन्हें सही मार्ग से विचलित नहीं कर सका। शास्त्री जी का कहना था कि व्यक्ति कहीं भी रहें,कितना भी ऊंचा उठ जाए या नीचे गिरे,उसे अपने भीतर के सत्य को नही छोडना चहिये। शास्त्री जी विनम्र व सहनशील व्यक्ति थे, यदि कोई उन्हें कठोर शब्दों में कुछ बोल देता था तो भी वे उस का तत्काल प्रतिकार नहीं करते थे। शास्त्री का खान-पान पूर्णत: शाकाहारी था, । भोजन में उन्हें दाल रोटी, सब्जी, चावल पसंद थे। शास्त्री जी का जीवन सादगीपूर्ण था, उनके घर में सिर्फ वही वस्तुएं थी, जो दैनिक जीवन के लिए जरूरी होती है। लालबहादुर शास्त्री के सादगीपूर्ण व्यक्तित्व को संजोने में जिन शख्सियतों का प्रभाव था, वे थे-महात्मा गांधी, पुरुषोत्तम दास टंडन, आचार्य नरेंद्रदेव, डॉक्टर भगवान दास ,पंडित जवाहरलाल नेहरू, इन्हीं के जीवन आदर्शों को शास्त्री जी अपना आदर्श समझकर आजीवन चलते रहे,। उनके व्यक्तित्व से प्रभावित होकर ही पंडित अटल बिहारी वाजपेई ने यह टिप्पणी की थी- यह बात बिल्कुल स्पष्ट है कि वैचारिक मतभेद कभी भी चारित्रिक उज्जवलता को कलुषित नहीं कर सकते।शास्त्री जी से मेरा यद्यपि वैचारिक मतभेद था ,परंतु उनकी चारित्रिक उज्जवलता का शुभ स्वरूप मुझे आलोकित करता रहा है। शास्त्री जी बचपन से स्वावलंबी एवं स्वाभिमानी प्रवृति के थे,वे बचपन से ही भोजन बनाने से लेकर कपड़े धोने आदि कार्य स्वयं किया करते थे,प्रधानमंत्री बनने पर भी वे अपने कमरे की सफाई कर्मचारियों के आने से पहले कर लेते थे ।उनकी इस आदत को देखकर यदि कोई उन्हें मना करता, तो वे बड़े प्रेम से कहते भाई जो आदत बचपन से बनी है उसमें क्यों परिवर्तन किया जाए। परमपिता परमेश्वर ने जब दो हाथ-दो पैर सही सलामत दिए हैं ,तब दूसरों को कष्ट क्यों दिया जाए, शास्त्री जी ने जन्म से लेकर मृत्यु पर्यंत कर्म की उपासना की , उन्होंने किसी अनावश्यक वस्तु की अभिलाषा कभी नहीं रखी। यह उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी खासियत थी ,शास्त्री जी सदा आत्मसम्मान को बनाए रखने में विश्वास करते थे ,पाकिस्तान द्वारा भारत पर आक्रमण कर देने पर शास्त्री जी ने सैनिकों का मनोबल बढ़ाया तथा किसानों को भी उनके बराबर का दर्जा दिया। , जय जवान जय किसान का नारा देकर उन्होंने तत्कालीन परिस्थितियों में दोनों को आवश्यक माना, शास्त्री जी सैनिकों को निरंतर खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हफ्ते में स्वयं एक दिन उपवास रखते थे, साथ ही उन्होंने समूचे हिंदुस्तान वासियों से भी एक दिन उपवास रखने की अपील की, इसका सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि समूचा हिंदुस्तान इससे सहमत होकर सप्ताह में एक दिन व्रत रखने लगा, इस तरह उपवास से बचा राशन सीमा पर जूझ रहे जवानों को उपलब्ध होता रहा।

रुपए को भारतीय नागरिक ही दिला सकते हैं मजबूती

अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत लगातार नीचे गिर रही है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि भारत में विभिन्न उत्पादों के आयात बहुत अधिक मात्रा में हो रहे हैं, जबकि तुलनात्मक रूप से भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात कम मात्रा में हो रहे हैं और इससे भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। बाजार में किसी भी वस्तु की कीमत उसकी मांग एवं आपूर्ति से तय होती है, भारत में विभिन्न वस्तुओं के आयात अधिक होने के चलते एवं इन आयातित वस्तुओं का भुगतान करने के लिए भारत को अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता अधिक है और तुलनात्मक रूप से निर्यात कम होने के चलते भारत को अमेरिकी डॉलर की आपूर्ति कम मात्रा में हो रही है। अत: अमेरिकी डॉलर की मांग अधिक होने एवं आपूर्ति कम होने से अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत लगातार नीचे गिर रही है। पिछले 90 दिनों के दौरान एक अमेरिकी डॉलर की कीमत अधिकतम 96.7908 रुपए और न्यूनतम कीमत 94.3986 तक रही है। आज यह पुन: 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर से ऊपर पहुंच गई है। इस स्थिति को सुधारने में भारतीय नागरिकों को अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अधिक आवश्यकता है। दरअसल, भारतीय नागरिकों की आय में वृद्धि दर्ज होने के चलते वे समाज में अपने रुतबे को बढ़ता हुआ दिखाने के लिए आयातित वस्तुओं का उपयोग करने लगते हैं, जबकि देश में ही निर्मित यह उत्पाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। भारतीय नागरिकों द्वारा आयातित उत्पादों के अधिक उपयोग के कारण देश में वस्तुओं का आयात बढ़ता है और यह अमेरिकी डॉलर की मांग में वृद्धि करता है। हाल ही के समय में भारतीय शेयर बाजार से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारी मात्रा में अपने निवेश को वापिस निकाल रहे हैं, क्योंकि अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत कम हो रही है और इससे विदेशी निवेशकों को नुक्सान हो रहा है। केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। हालांकि, इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत बनी हुई है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो रही है। इस बीच अमेरिका में बांड यील्ड में भी तेजी से वृद्धि हुई है और यह यील्ड 30 वर्ष की अवधि के बांड पर 5.595 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच गई है जो पिछले 20 वर्षों से अधिक समय (वर्ष 2002 के बाद) में सबसे अधिक है। दरअसल, भारत में ब्याज दरें अमेरिका से अधिक होने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारत के शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाते जा रहे थे। परंतु, हाल ही के वर्षों में अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि दृष्टिगोचर है, जिसके चलते इन विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अब भारतीय शेयर बाजार से निवेश निकाल कर अमेरिकी शेयर बाजार में निवेश किया जा रहा है। वैसे भी, भारत की आर्थिक प्रगति को विश्व के कई देश सहन नहीं कर पा रहे हैं एवं भारत को वे अपना प्रतिस्पर्धी मान रहे हैं। अत: भारत को इन परिस्थितियों से अपने नागरिकों के बल पर स्वयं ही निपटना होगा, किसी भी अन्य देश से सहायता की उम्मीद करना उचित नहीं होगा। आज भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने की सबसे अधिक आवश्यकता है। भारत में केवल आर्थिक विकास की दर ही आकर्षक नहीं रही है बल्कि भारत के लिए विदेश व्यापार के मोर्चे पर भी अगस्त 2026 माह में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला है। अगस्त 2026 माह में भारत से कुल निर्यात (उत्पादों एवं सेवाओं सहित) 25.41 प्रतिशत बढ़कर 8,268 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जो बीते वर्ष की समान अवधि में 6,593 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। वहीं, अगस्त 2026 माह में आयात 9,209 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जो बीते वर्ष अगस्त 2025 में 7,755 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। इस तरह से निर्यात में तेज बढ़ोतरी के चलते देश का व्यापार घाटा घटकर 941 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रह गया है। बीते वर्ष अगस्त 2025 माह में व्यापार घाटा 1,162 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। इसी प्रकार अगस्त 2026 माह में विभिन्न उत्पादों (वस्तुओं) का निर्यात 26.12 प्रतिशत बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है, जो अगस्त 2025 माह में 3,473 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। अगस्त 2026 माह में पिछले 10 वर्षों के दौरान सबसे अधिक वस्तुओं का निर्यात हुआ है। इस अवधि में सेवाओं के निर्यात में भी अच्छी वृद्धि दर्ज हुई है। इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में ही भारत में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में भी 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। विनिर्माण क्षेत्र में तो और अधिक 9 प्रतिशत एवं बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र में 12.3 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज हुई हैं। केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों में वृद्धि दर्ज हुई है एवं अब निजी क्षेत्र द्वारा भी पूंजीगत खर्चों में वृद्धि की जा रही है। विनिर्माण क्षेत्र की इकाईयों की उत्पादन क्षमता का उपयोग 75 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया है, इसके बाद सामान्यत: विनिर्माण इकाईयां अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार करने पर विचार प्रारम्भ करती है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर आकर्षक है, औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि दर उल्लेखनीय है, विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहे हैं, फिर भी भारतीय शेयर बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशक अपना निवेश क्यों निकाल रहे हैं एवं भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार क्यों गिर रही है। इस विषय पर गम्भीरता से विचार करने की आज आवश्यकता है। दरअसल अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत द्वारा आयातित वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं और भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। जिससे भारत को अमेरिकी डॉलर की अधिक आवश्यकता महसूस हो रही है एवं इससे अमेरिकी डॉलर की मांग में वृद्धि दिखाई दे रही है जिससे अमेरिकी डॉलर भारतीय रुपए की तुलना में मजबूत हो रहा है एवं रुपया कमजोर हो रहा है। इस ट्रेंड को बदलने के लिए भारत को विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में आत्म निर्भरता प्राप्त करने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है, ताकि विभिन्न उत्पादों के आयात को कम किया जा सके और भारत अपने व्यापार घाटे को व्यापार आधिक्य में बदलने में सफल हो सके। इसलिए आज भारतीय नागरिकों को गम्भीरता से चिंतन/मनन/विचार करने की महती आवश्यकता है एवं किस प्रकार केवल देश में ही निर्मित उत्पादों का उपयोग किया जाय और आयातित वस्तुओं के उपभोग को बंद कर दिया जाय। विभिन्न सामाजिक संस्थानों को भी इस दृष्टि से आम नागरिकों को जागरूक करने का काम प्रारम्भ करना होगा। इस संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच द्वारा लगातार यह प्रयास किए जा रहे हैं कि भारत में केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग होना चाहिए। इस अभियान के अंतर्गत नागरिकों को यह भी जानकारी दी जाती है कि कौन सा उत्पाद विशेष आयातित है एवं कौन सा उत्पाद विशेष देश में ही निर्मित है। अब समय आ गया है कि धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक संस्थानों एवं एनजीओ को मिलकर इस अभियान को समाज एवं नागरिकों के बीच ले जाना होगा। ताकि, भारत में विभिन्न उत्पादों के आयात को कम किया जा सके एवं भारतीय रुपए पर आ रहे दबाव को कम किया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं और यह लगातार 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को भी पार कर गई हैं। भारत तो कच्चे तेल की अपनी कुल खपत का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। कच्चे तेल के आयात का भुगतान भी अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, इससे भारतीय रुपए पर दबाव बढ़ रहा है। महंगे कच्चे तेल के आयात से भारत में मंहगाई का भी आयात हो रहा है। भारत में भी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर मुद्रा स्फीति की दर 4.8 प्रतिशत तक पहुंच गई है और थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर तो यह 10 प्रतिशत के आसपास पहुंच गई है। दूसरे, अमेरिका एवं अन्य कई देशों में बांड यील्ड अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई हैं। अत: बहुत सम्भव है कि भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा माह अक्टोबर 2024 के दौरान रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि की घोषणा की जाय। रेपो दर में वृद्धि से भारत में ऋण पर अदा की जाने वाली ब्याज की राशि में वृद्धि होगी और इससे अंतत: विभिन्न वस्तुओं की उत्पादन लागत में वृद्धि होगी और बाजार में उत्पादों की कीमतें भी बढ़ना प्रारम्भ होंगी। कुल मिलाकर आज, उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारतीय नागरिकों, भारतीय समाज एवं विभिन्न प्रकार की धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थानों तथा विभिन्न क्षेत्रों एवं समाज के बीच में कार्य कर रहे एनजीओ को मिलकर एक अभियान ही चलाना होगा कि केवल भारत में निर्मित वस्तुओं का उपयोग किया जाय तथा आयातित वस्तुओं के प्रयोग को एकदम बंद कर दिया जाय। साथ ही, पेट्रोल एवं डीजल की खपत को भी नियंत्रित करने की आवश्यकता है, इससे कच्चे तेल के आयात को कम किया जा सकेगा। भारतीय नागरिकों द्वारा अपने दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के स्थान पर पब्लिक ट्रान्स्पोर्ट के उपयोग को बढ़ावा दिया जा सकता है।

-प्रहलाद सबनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। स्टॉकिस्ट बिकवाली कमजोर रहने से गुरूवार को दलहनों में चना व मूंग सहित उड़द में बाजार तेजी के रहे। तुअर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में मजबूती देखी गयी। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में सूखे मेवों में पूछपरख रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार दलहनों में स्टॉकिस्ट सक्रिय है। बिकवाली कमजोर रहने से भावों में जोरदार तेजी है। चना बढ़िया मालों में 7100-7200 रू. क्विंटल पर आ गया। मूंग व उड़द में बाजार सुर्ख रहे। खाद्य तेलों में मजबूती बनी रही। तिलहनों में सोयाबीन में टिकाव रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में सुस्ती रही। वहीं, सूखे मेवों में बाजार मजबूती बनाये रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4710-4770, खोपरा गोला 320-380, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1200, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1720-1740, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1355-1360, सोया रिफाइंड 1415-1420, कपास्या 1470, धूलिया 1475, कड़ी 1475,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1650-1675, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1450,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8300, रायडा 7200-7400, सोयाबीन 5600-5700, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7200-7250, विशाल 7100-7150, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8000-8200, मूंग पुराना बोल्ड 8300-8400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-8400, एवरेज 7600-7700, हल्की 7500-7600, महाराष्ट्र सफेद 8900-9100, महाराष्ट्र लाल 9300-9500, कर्नाअक 9400-9600, उड़द बेस्ट 9600-9900, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 9800-10100, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 225000, चॉंदी (99) 224500, टंच 224000, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 150000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 27 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.21 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया में सीमित दायरे में कारोबार करता दिखा। सुबह रुपयरा तीन पैसे की गिरावट के साथ 95.97 प्रति डॉलर पर आ गया। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग के कारण रुपये पर दबाव रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से हाजिर और वायदा बाजारों में डॉलर की बिक्री से रुपये की गिरावट हालांकि, सीमित रही और विनिमय दर 96.00 के स्तर से नीचे बनी रही। इसके अलावा, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में मजबूती से भी रुपया दबाव में रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.95 प्रति डॉलर पर खुला।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से भी आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार टूटा है। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में अस्थिरता और ब्याज दरों में वृद्धि के डर से भी निवेशकों में घबराहट फैलने के कारण बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 570.59 अंक करीब टूटकर 71,909.70 पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 198.50 अंक गिरकर 22,421.95 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान ही बाजार के प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट रही। , जिसमें बीएसई का सेंसेक्स सूचकांक गिरकर नए निचले स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स में दिनभर के कारोबार में 1,280 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई, जो 72,573 के उच्च स्तर से गिरकर 71,293 के निम्न स्तर पर आ

गया। इस बीच, एनएसई निफ्टी 50 सूचकांक में दिन के दौरान करीब 394 अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जो 22,217 के न्यूनतम स्तर पर आ गया। वहीं दिन का उच्चतम स्तर 22,611 रहा। आज निफ्टी50 इंडेक्स में बजाज ऑटो, मारुति सुजुकी, श्रीराम फाइनेंस, टाटा स्टील, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, आयशर मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई लाइफ, मैक्स हेल्थ और टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 भी गिरावट के साथ बंद हुए। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल, निफ्टी मीडिया और निफ्टी एफएमसीजी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई। वहीं आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स 66 अंकों की गिरावट के साथ 72,413 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 40 अंक टूटकर 22,581 पर कारोबार करता देखा गया।

त्योहारों से पहले चीनी का बंपर स्टॉक, सरकार ने बढ़ाया बिक्री कोटा

नई दिल्ली। एजेंसी। आगामी त्योहारों खासकर नवरात्रि, दुर्गा पूजा और दिवाली के दौरान मिठाइयों की बढ़ती मांग को पूरा करने और चीनी की कीमतों को स्थिर रखने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने अक्टूबर के शुरुआती 15 दिनों के लिए चीनी की बिक्री का कोटा बढ़ा दिया है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने अक्टूबर के पहले पखवाड़े (1-15 अक्टूबर) के लिए 1.40 मिलियन टन चीनी बिक्री कोटा तय किया है, जो सितंबर की समान अवधि के 1.30 मिलियन टन से अधिक है। यह फैसला त्योहारों में चीनी की बढ़ी मांग के मद्देनजर कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए लिया गया है। सितंबर से लागू हुई नई व्यवस्था के तहत अब चीनी की बिक्री का कोटा हर 15 दिन में तय किया जाता है। पहले यह पूरे महीने के लिए एक साथ जारी होता था। इस बदलाव का मकसद बड़े व्यापारियों द्वारा स्टॉक रोककर कृत्रिम रूप से कीमतें बढ़ाने की प्रवृत्ति पर लगाम लगाना है। हर पखवाड़े समीक्षा से बाजार की मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी, जिससे कीमतों में अचानक बढ़ोतरी रुकेगी। गौरतलब है कि जुलाई और अगस्त में चीनी की कीमतों में तेजी से उछाल देखा गया था, जिसके बाद सरकार ने स्टॉक सीमा तय करने और कच्ची चीनी के आयात जैसे उपाय किए थे। इन कदमों के परिणामस्वरूप, अब चीनी की खुदरा कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तर से 11-12 फीसदी गिरकर औसतन 57.50 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई हैं। सरकार का यह नया कदम त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करेगा।

नो यूपीआई डे स्थगित, वित्त मंत्री से मिले व्यापारी

नई दिल्ली। एजेंसी। 2 अक्टूबर को देशभर में प्रस्तावित नो यूपीआई डे विरोध प्रदर्शन को खुदरा व्यापारियों ने फिलहाल स्थगित कर दिया है। यह फैसला वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ हाल ही में हुई एक बैठक के बाद लिया गया, जहां व्यापारियों ने 2000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर लगने वाले 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क को लेकर अपनी गहरी चिंताएं व्यक्त कीं। यह शुल्क 15 अक्टूबर से लागू होने वाला है, और इसी के विरोध में कई व्यापारी संगठनों ने डिजिटल भुगतान का बहिष्कार करने की घोषणा की थी। राष्ट्रीय

राजधानी में हुई इस अहम बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 20 व्यापार प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चांदनी चौक से सांसद और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने किया। व्यापारियों ने सरकार को बताया कि यह प्रस्तावित शुल्क छोटे और मध्यम कारोबारियों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालेगा, जिससे डिजिटल भुगतान अपनाने की गति भी प्रभावित हो सकती है। बैठक के बाद व्यापारी संगठनों ने सरकार से इस प्रस्तावित शुल्क के संबंध में पूर्ण स्पष्टता मांगी है और अनुरोध किया है कि इसे लागू करने से पहले व्यापारिक समुदाय की चिंताओं को गंभीरता से ध्यान में रखा जाए। ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स फेडरेशन और ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन, जिन्होंने पहले नो यूपीआई डे की घोषणा की थी, ने भी वित्त मंत्री के साथ चर्चा के बाद अपना विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम वापस लेने का फैसला किया है। सरकार का यह फैसला, हालांकि ग्राहकों पर कोई बोझ नहीं डालेगा, लेकिन व्यापारियों का मानना है कि यह उनके मार्जिन को प्रभावित करेगा।

मेष- आज आपको हर कदम सोच-समझकर उठाना होगा, खासकर कारोबार और धन से जुड़े मामलों में। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बाद में परेशानी दे सकता है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना और उनकी सेहत का ध्यान रखना रिश्ते में अपनापन बढ़ाएगा। परिवार में संतान के विवाह से जुड़ी कोई चिंता धीरे-धीरे कम हो सकती है।

वृषभ- आज आपकी मेहनत रंग लाएगी और आर्थिक स्थिति को लेकर संतोष महसूस होगा। घर में पूजा-पाठ या धार्मिक वातावरण बनाने की इच्छा हो सकती है। बच्चों की संगति पर नजर रखना जरूरी रहेगा, क्योंकि छोटी सी लापरवाही आगे चलकर परेशानी दे सकती है। किसी बेवजह की बहस में पड़ने से बचें और मन को शांत रखें।

मिथुन- आज मन में कुछ उलझनें रह सकती हैं और पुराने कानूनी या महत्वपूर्ण मामले को लेकर चिंता बनी रह सकती है। हालांकि अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपके काम की सराहना भी होगी। कोशिश करें कि जरूरी जिम्मेदारियां स्वयं संभालें और हर बात के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। अपनी निजी बातें किसी के साथ भी साझा करने से पहले सोच लें। आपकी समझ और सुझाव लोगों को प्रभावित करेंगे, लेकिन हर व्यक्ति आपकी सफलता से खुश हो, यह जरूरी नहीं है।

कर्क- आज आपका अच्छा व्यवहार और दूसरों की मदद करने की भावना समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाएगी। लंबे समय से अटके काम धीरे-धीरे गति पकड़ सकते हैं। नौकरी और कार्यक्षेत्र में अपनी भाषा पर विशेष नियंत्रण रखें, क्योंकि एक छोटी सी बात भी माहौल बदल सकती है। आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के आपके प्रयास सफल होते दिखाई देंगे।

सिंह- आज आप ऊर्जा और उत्साह से भरपूर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में कुछ नया करने का विचार मन में आएगा और यही बदलाव भविष्य में आपकी प्रगति का आधार बन सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई और प्रतियोगिता में पूरी मेहनत करेंगे। मौसम के कारण स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित हो सकता है, इसलिए अपनी सेहत के प्रति लापरवाही न बरतें। परिवार में किसी शुभ आयोजन से खुशियों का माहौल बनेगा। पुराने मित्र से मुलाकात भी दिन को खास बना सकती है और सेवा या दान-पुण्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा।

कन्या- आज आपकी मेहनत और लगन आपको अच्छे परिणाम दिलाएगी। सुख-सुविधाओं और जरूरत की चीजों पर खर्च बढ़ सकता है, लेकिन इससे आपको संतुष्टि भी मिलेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और साथी के साथ कुछ अच्छे पल बिताने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों का प्रदर्शन बेहतर रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में जाना नए लोगों से परिचय करा सकता है। इसी दौरान कोई पुराना या रुका हुआ काम भी आगे बढ़ने की संभावना है।

तुला- आज प्रगति और समृद्धि के संकेत आपके पक्ष में दिखाई दे रहे हैं। धन और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात आपके लिए भविष्य के नए रास्ते खोल सकती है। आपकी सकारात्मक सोच कठिन परिस्थितियों में भी आपको संतुलित रखेगी। प्रॉपर्टी खरीदने या निवेश को लेकर योजना बन सकती है, लेकिन निर्णय सोच-समझकर लें।

वृश्चिक- आज धैर्य रखना आपके लिए बेहद जरूरी होगा, क्योंकि जल्दबाजी में उठाया गया कदम नुकसान दे सकता है। आपका आत्मविश्वास और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। संतान के लिए किया गया आपका सहयोग सराहना पाएगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने या छोटी यात्रा पर जाने का अवसर मिल सकता है, जिससे रिश्ते में नई ताजगी आएगी। नौकरी में सम्मान या जिम्मेदारी बढ़ने से मन प्रसन्न रहेगा।

धनु- आज आपको संतुलन और समझदारी के साथ आगे बढ़ना होगा। व्यापार में अटका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक राहत मिल सकती है। संतान के करियर को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी, लेकिन उचित सलाह से स्थिति संभल सकती है। परिवार के किसी बड़े सदस्य से शुभ समाचार या उपहार मिलने की संभावना है।

मकर- आज शांति और धैर्य बनाए रखना आपके लिए सबसे जरूरी रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग आपको भावनात्मक मजबूती देगा। वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी रखें। अचानक कुछ खर्च सामने आ सकते हैं, इसलिए आर्थिक योजना बनाकर चलना बेहतर रहेगा। परिवार में चल रही बहस या किसी गलतफहमी के दूर होने से वातावरण शांत और सुखद होगा।

कुंभ- आज आपके सामने लाभ के कई अवसर आ सकते हैं, लेकिन किसी भी निर्णय में जल्दबाजी करना उचित नहीं रहेगा। नौकरी या रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। योजनाबद्ध तरीके से किया गया काम सफलता की ओर ले जाएगा।

मीन- आज कुछ चुनौतियां आपका रास्ता रोकने की कोशिश कर सकती हैं, लेकिन आपकी सकारात्मक सोच और आस्था आपको मजबूत बनाए रखेगी। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगाने से मानसिक शांति मिलेगी। स्वास्थ्य को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही न करें, वरना छोटी परेशानी बढ़ सकती है।

शब्दजाल - 8408

अ	चि	न्ना	स्वा	मी	शि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	वा	ग्री	द	इ	ह	फि
वा	व	ना	पू	ने	जी	थ	न	ग	क	रो
न	ची	न	ते	श	ज	का	म	पा	त	ज
खे	त	ई	ड	न	गा	र्ड	न	ग	र्क	शा
ड़े	अ	म	सु	ल	अ	पू	न	मो	र	ह
ती	जं	सी	मे	ता	प	नु	श	हा	ज	को
क	ल	ग	रि	वि	ल	नी	प	ली	न	ट
ब्रे	बो	र्न	य	या	चि	क	री	म	प	ला
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	टे	जी	र्य	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	रा	त	थ

शब्दजाल में 10 'खेल स्टेडियम' के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

ईडन गार्डन, शिवाजी, वानखेड़े, ग्रीनपार्क, फिरोजशाह कोटला, चिन्नास्वामी, मोहाली, नेशनल, ब्रेबोर्न, तालकटोरा

शब्दजाल - 8407 का हल

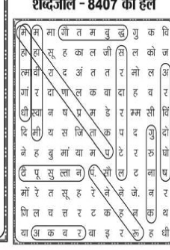

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7342

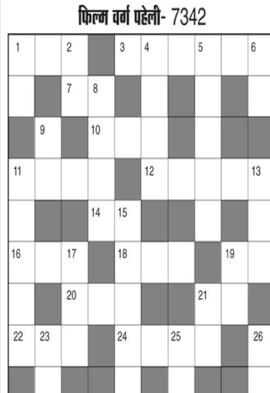

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है.?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7341

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	वृष में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	07.03 बजे से
वृश्चिक	09.18 ब.से
धनु	11.34 बजे से
मकर	13.39 बजे से
कुंभ	15.25 बजे से
मीन	16.58 बजे से
मेष	18.28 बजे से
वृष	20.09 बजे से
मिथुन	22.07 बजे से
कर्क	00.20 बजे से
सिंह	02.36 बजे से
कन्या	04.48 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 275 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 10.16 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 02.55 बजे रात्र को समाप्त। **योग** व्यतीपात 18.18 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 10.16 बजे तदनन्तर विष्टि 21.07 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 30' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872850 **जूलियन दिन** 2461315.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 20 **विशेष** महात्मा गाँधी व लालबहादुर शास्त्री जयंती, अहिंसा दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: लिंकन की किताब

अब्राहम लिंकन का बचपन अभावों में बीता। छोटी उम्र में ही उन्हें कभी नाव चलाकर तो कभी लकड़ी काटकर जीवनयापन करना पड़ता था। उन्हें महापुरुषों की जीवनी पढ़ने में बड़ा आनंद आता था। लेकिन पैसों के अभाव में वह पुस्तकें नहीं खरीद पाते थे। वह अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन के जीवन से बहुत प्रभावित थे। एक बार उन्हें पता चला कि उनके एक पड़ोसी के पास वॉशिंगटन की जीवनी है। उन्होंने पड़ोसी से वह पुस्तक मांगी। पड़ोसी ने पहले तो मना किया मगर बाद में उनकी अत्यधिक रुचि को देखते हुए किताब दे दी। लिंकन ने उसे जल्दी ही लौटाने का वादा किया। लिंकन ने पुस्तक पूरी पढ़ी भी नहीं थी कि एक दिन जोरों की बारिश आई। चूंकि लिंकन झोपड़ी में रहते थे, इसलिए पुस्तक भीग गई। वह भारी मन से पड़ोसी के पास जाकर बोले, 'मुझसे बड़ा भारी अपराध हो गया है, मेरी लापरवाही से आपकी किताब खराब हो गई है पर मैं आपको नई लाकर दूंगा।' पड़ोसी ने उनकी गरीबी को देखते हुए प्रश्न किया, 'नई किस तरह से दोगे?' लिंकन बोले, 'चिंता न करें। मुझे अपनी मेहनत पर पूरा भरोसा है। मैं आपके खेत में पुस्तक के दोगुने दाम के बराबर मजदूरी कर दूंगा।' पड़ोसी ने कहा कि लिंकन काम कर दें और किताब अपने पास रख लें। अगले ही दिन से लिंकन ने उसके खेत में काम शुरू कर दिया। उन्होंने कड़ी मेहनत कर पुस्तक के दाम की भरपाई कर दी और वॉशिंगटन की जीवनी उन्हीं की संपत्ति हो गई। इस तरह लिंकन ने अपनी लाइब्रेरी की पहली किताब हासिल की।

सूडोकु नवताल- 7651

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7650 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 8866

बाएँ से दाएँ

1.आस्तिक,अनुगामी,पूजक-2
2.रख-रखाव-2,3
6.देह, बदन-2
7.कारण-3
8.तपस्या-2
9.बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11.पति की बहन-3
12.प्रतिज्ञा,वचन-3
14.पिता,डैडी-2
16.मन मोहने वाला-5
18.आनंदित-2
19.लवण,खार-3
21.बख्तरबंद,आवरण-3
23.पासों से भविष्य जानना-3
25.आमिर व काजोल की फिल्म-2
27.मुलायम,कोमल-3
28.उस समय-2
29.भ्रमण,घूमना-3,
30.कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1.खतरनाक-4
2.सनम,बालम-3
3.रहने का तरीका-3,3
4.चावल-2
5.बिजली का कौंधना-5
6.कौवा,काग-2
10.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13.मन को भाने वाला-5
15.सहयात्री-5
17.कटि-3
20.निम्न,न्यूनतम-4
22.उत्कर्ष-3
24.अधर,होठ-2
26.संबोधन-2

शब्द पहेली - 8865 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

महिलाओं की आत्मनिर्भरता को नई दिशा देने पर जोर

पहल सीएलएफ की वार्षिक सभा में 600 महिलाओं की सहभागिता

पद्मेश न्यूज। लांजी।

पहल आजीविका संकुल स्तरीय संगठन कारंजा की वार्षिक साधारण सभा हनुमान मंदिर परिसर कारंजा में आयोजित की गई। सभा में संगठन से जुड़े 30 ग्राम संगठनों की करीब 600 महिलाओं ने सहभागिता कर आजीविका गतिविधियों को मजबूत करने, महिला समूहों को सशक्त बनाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य लांजी भारती चूटे उपस्थित रहीं। इस दौरान ग्राम पंचायत मिरिया की सरपंच द्वारका बॉम्बारडे, ग्राम पंचायत कुलपा की सरपंच सुनैना नागपूरे, ग्राम पंचायत अमेंडा की उपसरपंच पुष्पा दुरुगकर सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के पंच एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सभा में कृषि विभाग लांजी से सौरव, ग्राम बापड़ी की पशु सखी अनीता रतौने तथा कृषि सखी भूमेश्वरी उमरे ने शासन की योजनाओं, कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों और जैविक खेती के संबंध में महिलाओं को विस्तृत जानकारी दी। वहीं आजीविका मिशन से विकासखंड प्रबंधक राजाराम परते एवं सहायक विकासखंड प्रबंधक सुनीता चन्ने ने महिलाओं को आजीविका के नए अवसरों से जुड़ने तथा योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

लखपति दीदी, ई-केवाईसी और भौतिक सत्यापन पर चर्चा

विकासखंड प्रबंधक राजाराम परते ने लखपति दीदी योजना, भौतिक सत्यापन और ई-केवाईसी सहित आजीविका मिशन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने महिला समूहों की सक्रिय भागीदारी को आजीविका संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण बताते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

पहल सीएलएफ की अध्यक्ष सरिता मसकरे, सचिव स्वाति नागपुरे एवं कोषाध्यक्ष भाग्यश्री लिल्हारे सहित पूर्व पदाधिकारी पुष्पा बागड़े, सविता नेवारे, तारा बिल्हारे, बैंक सखी अनुसूया बापुरे, रंजना दोनोडे, योगिता चूटे सहित संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। वहीं निर्भया संकुल स्तरीय संगठन से सचिव रानी शेख, कोषाध्यक्ष उमेश्वरी दल्लेमाल, पूर्व अध्यक्ष ममता दानदरे एवं कार्यकारिणी सदस्य भी सभा में शामिल हुए।

आय-व्यय का किया गया वाचन

वार्षिक साधारण सभा के दौरान संगठन के आय-व्यय का वाचन लेखापाल तारा पारधी द्वारा किया गया। सभा में पिछले वर्ष की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की समीक्षा के साथ आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा संगठन के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान समूह की महिलाओं ने प्रेरणादायी प्रस्तुतियां भी दीं। अतिथियों ने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर सक्रियता के साथ आगे बढ़ने और आजीविका के नए साधनों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

सभा के सफल आयोजन में पहल सीएलएफ की वेदिका शिवनकर, अर्चना मेंगरे, पंचशीला बुराड़े सहित समूह की दीदियों का विशेष योगदान रहा। बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति के साथ आयोजित वार्षिक साधारण सभा ने संगठन की आगामी गतिविधियों और कार्ययोजनाओं को गति देने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

महिलाओं की आजीविका और आत्मनिर्भरता को लेकर कार्ययोजनाओं पर हुआ मंथन

पद्मेश न्यूज। लांजी। रचना आजीविका संकुल स्तरीय संगठन लांजी की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन सामुदायिक भवन में किया गया। सभा में संगठन से जुड़े स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। इस दौरान संगठन की वर्षभर की गतिविधियों, उपलब्धियों और आगामी कार्ययोजनाओं की समीक्षा करते हुए महिलाओं की आजीविका को मजबूत बनाने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत रिसेवाड़ा की सरपंच श्रीमती रजुला मलगाम उपस्थित रहीं। वहीं पूर्व सीएलएफ अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा कुराहे ने भी अतिथि के रूप में सहभागिता की। इसके अलावा विकासखंड प्रबंधक राजाराम परते, सहायक विकासखंड प्रबंधक अतीत फुलमारी, कार्यालय सहायक होलेश पांचे, कुशनलाल मटाले सहित संबंधित पदाधिकारी एवं संगठन के सदस्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम में संगठन की अध्यक्ष श्रीमती निशा मस्करे, सचिव श्रीमती शारदा शेन्डे, कोषाध्यक्ष श्रीमती ममता पंद्रे, उपाध्यक्ष श्रीमती पदमा भंडारकर, सह-सचिव श्रीमती ओमेश्वरी नगपुरे सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने व्यवस्थाओं एवं आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वार्षिक साधारण सभा के दौरान संगठन द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी साझा की गई। साथ ही स्वयं सहायता समूहों को और अधिक सक्रिय बनाने, महिलाओं के लिए आय के नए साधन विकसित करने, समूहों की आर्थिक गतिविधियों को गति देने तथा संगठन के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक मजबूती में स्वयं सहायता समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका है। समूहों के माध्यम से महिलाएं सामूहिक रूप से आगे बढ़ते हुए अपनी आजीविका को बेहतर बनाने के साथ परिवार और समाज की प्रगति में भी योगदान दे रही हैं। उन्होंने संगठन से जुड़ी महिलाओं को निरंतर सक्रियता के साथ कार्य करते हुए उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। सभा में आगामी अवधि के लिए संगठन की प्राथमिकताओं और कार्ययोजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। महिलाओं ने विभिन्न गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए अपने सुझाव साझा किए। बड़ी संख्या में महिलाओं और सदस्यों की उपस्थिति से वार्षिक साधारण सभा उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

पालक-शिक्षक बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार पर मंथन

त्रैमासिक परीक्षा परिणामों पर हुई चर्चा, पालकों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

पद्मेश न्यूज। लांजी। कौटिल्य एजुकेशन एकेडमी स्कूल, भानेगांव में बुधवार को पालक-शिक्षक संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों के त्रैमासिक परीक्षा परिणाम, शैक्षणिक प्रगति और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पालकों ने भी बच्चों की पढ़ाई से जुड़े अपने सुझाव और विचार साझा किए। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संचालक महेन्द्र कुथे ने दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती के पूजन एवं वंदन के साथ किया। बैठक में विद्यार्थियों के त्रैमासिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए उनकी शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा की गई। साथ ही बच्चों की शिक्षा को और बेहतर बनाने के लिए विद्यालय, शिक्षक और पालकों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया गया। संस्था संचालक महेन्द्र कुथे ने कहा कि बच्चे की सफलता केवल विद्यालय या शिक्षक के प्रयासों से संभव नहीं होती, बल्कि इसमें विद्यार्थी, पालक और शिक्षक तीनों की संयुक्त भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि नियमित संवाद और आपसी समन्वय के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई में आने वाली समस्याओं को समय रहते समझकर उनका समाधान किया जा सकता है। संस्था की प्रधानाध्यापक कु. नेहा भागड़कर ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों, परीक्षा परिणाम और विद्यालय में संचालित शैक्षणिक प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पालकों से बच्चों की पढ़ाई पर नियमित ध्यान देने तथा विद्यालय के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने की अपील की। बैठक में पालक-शिक्षक संघ के पदाधिकारियों श्रीमती रेखा भीमटे, महेन्द्र दोनाड़कर, श्रीमती सीमा बिझलेकर, मुकेश पंचाले एवं श्रीमती मानसी सिल्हारे सहित अन्य पालक उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाओं एवं शिक्षकों श्रीमती रोशनी ठाकरे, कु. पूर्णिमा चौधरी, कु. जागृति अन्मोले, योगिता बेदरे, रीना पंचाले, रोशनी नखाते, उमेन्द्र पालेवार एवं सरीता ठाकरे की उपस्थिति रही। बैठक में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और पालकों के बीच निरंतर सहयोग बनाए रखने पर सहमति बनी।

सेवा संकल्प अभियान में तनवी बोपचे ने जिला स्तर पर हासिल किया प्रथम स्थान

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी की कक्षा 9वीं अंग्रेजी माध्यम की छात्रा तनवी बोपचे ने जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। विकासखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हुई तनवी ने अपने प्रभावशाली वक्तव्य से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। अब जिला स्तर पर चयनित छात्रा प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी।

प्रतियोगिता में तनवी के भाषण का विषय 'मेरे सपनों का भारत' था। उन्होंने भारत के विकास, शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीकी प्रगति, अर्थव्यवस्था, रोजगार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर विचार रखे। अपने वक्तव्य में उन्होंने ऐसे भारत की कल्पना प्रस्तुत की, जो आत्मनिर्भर, शिक्षित, स्वच्छ, समृद्ध और विश्व में अग्रणी हो।

तनवी ने आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुतीकरण, स्पष्ट उच्चारण, प्रभावी भाषा-शैली और विषय की सशक्त अभिव्यक्ति के माध्यम से अपनी बात रखी। उनके विचारों और प्रस्तुतीकरण को निर्णायक मंडल ने सराहा और उन्हें प्रतियोगिता में जिले में प्रथम स्थान मिला।

विद्यालय में खुशी का माहौल

तनवी की उपलब्धि पर शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी के प्राचार्य डी.के. फुल्लारे ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्रा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा को मंच मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ भविष्य में राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करती हैं। तनवी की इस उपलब्धि पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने भी उसे शुभकामनाएं दीं। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर प्रदेश स्तर के लिए चयनित होना विद्यालय और लांजी क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।

सरस्वती शिशु मंदिर में वरिष्ठ आचार्यों का किया सम्मान, सेवाकाल को किया याद

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में बुधवार को वरिष्ठ आचार्य लेखराम ठाकरे एवं सदरूलाल बहोने के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय समिति के पदाधिकारियों ने दोनों आचार्यों का तिलक-वंदन कर शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान विद्यालय में उनके योगदान और सेवाकाल के अनुभवों को याद किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय समिति अध्यक्ष बारेलाल बढ़ैया, सचिव व्यवस्थापक एवं खंड संघ चालक विजय रामटेक्कर, कोषाध्यक्ष छबिलाल मरठे, सह सचिव दुर्गा रामटेक्कर, सदस्य टीडी लिल्हारे एवं प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। समिति के पदाधिकारियों के साथ टीडी लिल्हारे ने भी दोनों आचार्यों को शाल भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में अपने अनुभव साझा करते हुए लेखराम ठाकरे एवं सदरूलाल बहोने ने कहा कि उन्होंने विद्यालय में पूरी मेहनत, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य किया। विद्यार्थियों को अनुशासन के साथ अच्छे संस्कार देने को हमेशा प्राथमिकता दी। विद्यालय परिवार के सभी आचार्यों के साथ उनका सदैव मित्रवत व्यवहार रहा और विद्यालय के कार्य को उन्होंने हमेशा सर्वोच्च महत्व दिया। कोषाध्यक्ष छबिलाल मरठे ने कहा कि दोनों आचार्य ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाने जाते हैं। शिक्षा के प्रति उनकी विशेष रुचि रही और उनका पूरा कार्यकाल सराहनीय रहा। सदस्य टीडी लिल्हारे ने कहा कि दोनों आचार्य सरल स्वभाव और कर्तव्यनिष्ठा के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने अपने सेवाकाल में पूरी ईमानदारी से जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने कहा कि दोनों आचार्यों का व्यवहार सरल एवं मधुर रहा है। उन्होंने विद्यालय के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते हुए विद्यालय परिवार के साथ हमेशा सहयोगात्मक और मित्रवत व्यवहार रखा। उन्होंने दोनों आचार्यों के स्वस्थ, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से उपस्थित अतिथियों एवं समिति पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सेवा संकल्प अभियान-बोलेगांव में हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम बोलेगांव के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-3 में 30 सितंबर को आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को सेवा, सम्मान, पर्यावरण संरक्षण एवं जनकल्याण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के पूजन एवं वंदन के साथ हुआ। इस अवसर पर ग्राम की सरपंच श्रीमती प्रतिमा अनिल भारद्वाज, सेक्टर बोलेगांव की पर्यवेक्षक वसुंधरा घरडे, पंच सुशीला गुडेवार एवं महेश दुधकोसरे तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बोलेगांव के अध्यक्ष प्रभराम तिडके प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण एवं प्रसव पूर्व देखभाल से संबंधित आवश्यक सलाह और परामर्श दिया गया। वहीं किशोरी बालिकाओं को स्वास्थ्य, पोषण एवं व्यक्तिगत स्वच्छता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। उपस्थित महिलाओं एवं ग्रामीणों को शासन द्वारा संचालित महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई, ताकि पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के सफल संचालन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता यशोधा निकुसे एवं हिरू कालबेले तथा सहायिका मीना शेंडें की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम में ग्राम की महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की और विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। इस अवसर पर इतवारा झगराहे, खेलन रणदिवे, प्रीति बापुरे, भागेश्वरी, लक्ष्मी गुडेवार, इंदु गुडे, सुनीता गुडेवार, राधिका गुडे, प्रमिला गुडे, शकुंतला आमाडारे, राधिका आमाडारे सहित किशोरी बालिकाएं दीपा गुडेवार, संतोषी सोनवाने, सविता गुडे एवं शिवानी आमाडारे उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं एवं किशोरियों को जागरूक करते हुए उन्हें स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और शासन की योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ की बैठक 4 को

पद्मेश न्यूज। लांजी। म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी की विशेष बैठक 4 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से पुर्वाटोला मार्ग स्थित पुराना रेंज आफिस में आयोजित की गई है। बैठक में वन अधिकारी कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी, सुरक्षा श्रमिकों, फायरवाचरों, सेवा निवृत्त समस्त अधिकारी, कर्मचारी, मजदूर आदि की समस्याओं का निराकरण हेतु चर्चा की जाएगी। 10 अक्टूबर 2026 को बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम एवं 26 अक्टूबर 2026 को भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में पेंशनर साथियों के शामिल होने के संबंध में चर्चा की जावेगी।म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी के संरक्षक श्यामलाल पाण्डे, अध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामप्रसाद चोरवाड़े, सी एल दमाहे, बाबूलाल पारधी, गंगाधर तरोने, नाथूराम सोनवाने, ओंकार रामटेककर, सी डी चौहान आदि ने सभी सेवा निवृत्त कर्मचारियों को बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

सड़क हादसे रोकने के लिए प्रभावी उपाय करें -जिलाधिकारी मंदार पत्की

जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक; जिले में 15 ब्लैकस्पॉट और 41 संवेदनशील स्थल

रवि ठकरानी

पदमेश न्यूज। गोंदिया। जिले में सड़क हादसों की संख्या कम करने के लिए हादसों के कारणों का पता लगाकर तत्काल प्रभावी प्रतिबंधात्मक उपाय किए जाएं। दुर्घटना होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय हादसे न हों, इसके लिए पहले से सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दी जाए, यह निर्देश जिलाधिकारी मंदार पत्की ने दिए।

जिलाधिकारी कार्यालय के सभागृह में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग क्र. 1 के कार्यकारी अभियंता बलवंत रामटेके, सा.बां. विभाग क्र. 2 के कार्यकारी अभियंता एस.डी. उसेंडी, उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी विलास चौधरी, यातायात पुलिस निरीक्षक नागेश भास्कर, जिप सार्वजनिक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता जितेंद्र सोरले, विद्युत विभाग के उपअभियंता हेमंत सिरिया तथा एसटी महामंडल के प्रबंधक येतीश कटरे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिलाधिकारी पत्की ने जिले के ब्लैकस्पॉट और दुर्घटनाप्रवण स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक स्थानों पर सड़क सुधार, दिशासूचक बोर्ड, रिफ्लेक्टिव टेप, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य सुरक्षा उपाय प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। दुर्घटनाप्रवण स्थानों पर सड़क की स्थिति, मोड़, चौराहे, दृश्यता, प्रकाश व्यवस्था और दिशासूचक संकेतकों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार करने को कहा। बैठक में जिले में होने वाले सड़क हादसों, ब्लैकस्पॉट, दुर्घटनाप्रवण स्थलों, सड़क सुधार एवं रखरखाव, यातायात नियमों के पालन तथा हादसों में घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर समीक्षा की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

अस्पतालों और एंबुलेंस में समन्वय

हादसों में घायलों को तत्काल चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए अस्पतालों, ट्रॉमा केयर सेंटर और एंबुलेंस सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय रखने के निर्देश दिए गए। नागरिकों, विद्यार्थियों और वाहन चालकों में सड़क सुरक्षा नियमों को लेकर जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग करने को कहा गया। सड़क सुरक्षा कक्ष और सड़क सुरक्षा रथ के माध्यम से जनजागरण अभियान को और प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए गए।

जिले में 15 ब्लैकस्पॉट, 41 संवेदनशील स्थल

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में 15 ब्लैकस्पॉट और 41 दुर्घटनाप्रवण संवेदनशील स्थल (ड्ढद्यड्डष्द्मह्यश्चशह्लह्य) चिन्हित किए गए हैं। जिलाधिकारी ने इन स्थानों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय से काम करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नगर परिषदों को सिग्नल वाले स्थानों पर जेब्रा क्रॉसिंग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में सड़क हादसों की स्थिति, ब्लैकस्पॉट पर उपाययोजना, सड़क सुधार व रखरखाव, चिकित्सा सुविधा, यातायात नियमों का पालन, जनजागरूकता, सड़क सुरक्षा कक्ष एवं रथ, रिफ्लेक्टिव टेप तथा सड़क सुरक्षा प्रचार-प्रसार सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

सेवानिवृत्ति समारोह में पंस सदस्य की अनदेखी का आरोप

बिना अनुमति स्कूल में कार्यक्रम कराने की शिकायत – जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग

पदमेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के चान्ना/बाक्टी स्थित जिला परिषद वरिष्ठ आदर्श प्राथमिक स्कूल में सेवानिवृत्ति समारोह के दौरान पंचायत समिति सदस्य को आमंत्रित नहीं किए जाने का मामला सामने आया है. पंचायत समिति सदस्य कुंदा रविंद्र लोगडे ने इसे शासकीय प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताते हुए संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर दोषियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, स्कूल के उच्च श्रेणी मुख्याध्यापक बी.टी. बोरकर 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हुए. उनके सम्मान में स्कूल परिसर में दोपहर 2 बजे से रात तक सत्कार समारोह और सहभोजन का आयोजन किया गया था. शिकायत के अनुसार, शासकीय इमारत में इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने से पहले संबंधित वरिष्ठ कार्यालय से अनुमति लेना आवश्यक था, लेकिन कार्यक्रम के लिए अनुमति नहीं ली गई. शिकायत में कहा गया है कि कार्यक्रम की बाकायदा निमंत्रण पत्रिका छपवाकर वितरित की गई थी. बावजूद इसके, बोंडगांवदेवी पंचायत समिति क्षेत्र की सदस्य और चान्ना निवासी कुंदा लोगडे को कार्यक्रम का निमंत्रण नहीं दिया गया. इसके अलावा शैक्षणिक समय के दौरान स्कूल में साउंड सिस्टम का इस्तेमाल किए जाने तथा करीब 50 से 60 लोगों को आमंत्रित किए जाने का भी आरोप लगाया गया है. पंचायत समिति सदस्य ने यह भी आरोप लगाया कि पदवीधर मतदाता निर्वाचन के मद्देनजर आदर्श आचारसंहिता लागू होने के दौरान विद्यार्थियों के अध्यापन समय में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई. उन्होंने सवाल उठाया कि शासकीय स्कूल भवन में शैक्षणिक समय के दौरान निजी सत्कार समारोह आयोजित करने की अनुमति किसने दी. कुंदा लोगडे ने गुटविकास अधिकारी, पंचायत समिति सभापति-उपसभापति तथा गुटशिक्षणाधिकारी को दिए ज्ञापन में मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने और की गई कार्रवाई की जानकारी देने की मांग की है।

संबंधित स्कूल में हुए कार्यक्रम को लेकर कार्यालय को शिकायत प्राप्त हुई है. शासकीय इमारत में कार्यालयीन व शैक्षणिक समय के दौरान कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अनुमति नहीं ली गई थी. बिना अनुमति कार्यक्रम आयोजित करने तथा शासकीय प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने संबंधी शिकायत की जांच की जाएगी. जांच के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

जनार्दन राऊत
गुटशिक्षाधिकारी

लॉज में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़

पुलिस की छापेमारी में संचालक गिरफ्तार; चार महिलाएं मुक्त

पदमेश न्यूज। गोंदिया। शहर के रेलवे स्टेशन के पास स्थित राधिका लॉज में कथित रूप से चल रहे देह व्यापार का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है. अनैतिक मानव यातायात प्रतिबंधक कक्ष की टीम ने पंचों की मौजूदगी में लॉज पर छापा मारकर चार पीडित महिलाओं को मुक्त कराया. पुलिस ने हेमू कॉलोनी चौक, यादव चौक निवासी लॉज संचालक जगदीश भामनानी (54) को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे और अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के मार्गदर्शन में अनैतिक मानव यातायात प्रतिबंधक कक्ष की टीम को राधिका लॉज में अनैतिक व्यापार संबंधी गतिविधियां चलने की जानकारी मिली थी. इसके आधार पर टीम ने पंचों के साथ लॉज में छापा मारा. कार्रवाई के दौरान लॉज के संचालक/मालिक के कब्जे से चार पीडति महिलाओं को मुक्त कराया गया. पुलिस का आरोप है कि लॉज संचालक इन महिलाओं से देह व्यापार करवा रहा था. आरोपी और चारों महिलाओं को आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस के कब्जे में लिया गया. इस मामले में शहर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक प्रमोद भातनाते, अनैतिक मानव यातायात प्रतिबंधक कक्ष की पुलिस निरीक्षक मनीषा निकम के नेतृत्व में सहायक फौजदार जितेंद्र मिश्रा, हवलदार बलराज लांजेवार, रूपेश सुखदेवे, हवलदार शिल्पा बडवाईक, शिपाई रविंद्रकुमार मेश्राम, मंजु बागडे व सुरेखा मेंढे ने की।

255 कर्मचारियों ने की जिला परिषद की स्वच्छता

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान – स्वच्छता की शपथ, ब्लैक स्पॉट किए साफ

पदमेश न्यूज। गोंदिया। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत जिला परिषद के करीब 255 अधिकारी-कर्मचारियों ने गुरुवार, 1 अक्टूबर को श्रमदान कर जिला परिषद प्रशासनिक भवन परिसर की सफाई की. शासन के निर्देशानुसार 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' श्रमदान अभियान के तहत सुबह 10 से 11 बजे तक यह उपक्रम चलाया गया. मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनितचंद्र दोंतुला के मार्गदर्शन में आयोजित अभियान में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

कार्यक्रम की शुरुआत अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. तानाजी लोखंडे ने अधिकारियों-कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर की. इस दौरान प्रत्येक सप्ताह दो घंटे श्रमदान करने और वर्ष में 100 घंटे स्वच्छता के लिए देने का संकल्प लिया गया. प्रशासनिक भवन के विभिन्न हिस्सों में विभागवार श्रमदान किया गया. वित्त, निर्माण, ग्रामीण जलापूर्ति, मनरेगा तथा जिला जल व स्वच्छता विभाग के कर्मचारियों ने सभागृह की ओर का परिसर साफ किया. सामान्य प्रशासन, समाज कल्याण, यांत्रिकी, पंचायत, एनएचएम सहित अन्य विभागों ने प्रवेश द्वार परिसर में सफाई की. स्वास्थ्य, शिक्षा तथा महिला व बाल कल्याण विभाग के कर्मचारियों ने कैंटीन परिसर, जबकि पशुसंवर्धन, कृषि, लघु सिंचाई, सर्व शिक्षा अभियान, ग्रामीण जलापूर्ति और उमेद अभियान के कर्मचारियों ने भवन के पीछे दक्षिणी हिस्से की सफाई की.

उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय लोंढे ने स्वच्छता को स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कार्यालयीन स्वच्छता की आदत अपनाने का आह्वान किया. उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी मधुकर वासनिक ने प्लास्टिक कचरे के निर्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई और कर्मचारियों से जनता के काम को प्राथमिकता देने की अपील की. ग्राम पंचायत फुलचूर के स्वच्छता कर्मचारियों ने अभियान के दौरान कचरा संकलन किया. कार्यक्रम में उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. तानाजी लोखंडे, विजय लोंढे, फरेंद्र कुतिरकर, मधुकर वासनिक तथा कार्यकारी अभियंता प्रकाश ताकसांडे सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे. संचालन सूचना, शिक्षा व संवाद विशेषज्ञ अतुल गजभिये ने किया।

मोटसाइकिल दुर्घटना में युवक घायल

पदमेश न्यूज। गोंदिया। गंगाझरी थाने के तहत ग्राम दांडेगांव चौक में डीलक्स मोटरसाइकिल के चालक ने अपनी मोटरसाइकिला लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए होंडा साइन मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी. जिसमें बिहीरिया निवासी लकी प्रमोद मिश्रा (28) घायल हो गया. फिर्यादी कुवर प्रमोद मिश्रा (25) की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार देशपांडे कर रहे हैं।

खेत की सुरक्षा के लिए लगाए फंदे में फंस कर जंगली सूअर की मौत

60 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार – चिचेवाड़ा बीट की घटना

पदमेश न्यूज। गोंदिया। देवरी वन विभाग के चिचेवाड़ा बीट अंतर्गत कक्ष क्र. 543 में खेत की सुरक्षा के लिए लगाए गए फंदे में फंसने से जंगली सूअर की मौत हो गई. घटना 30 सितंबर को सामने आई. मामले में वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए बेलारगोंदी निवासी नरसिंग लुदुराम नेताम (60) को 1 अक्टूबर की दोपहर करीब 2 बजे गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार, खेत को वन्यजीवों से बचाने के लिए लगाए गए फंदे में जंगली सूअर फंस गया था. फंदे में फंसने के कारण उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलने के बाद देवरी वन विभाग ने मामले की जांच शुरू की और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की. वन विभाग के अनुसार, वन्यजीवों से फसलों की सुरक्षा के लिए लगाए जाने वाले फंदों से वन्यप्राणियों की जान को खतरा रहता है. ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग द्वारा निगरानी के साथ ही ग्रामीणों में वन्यजीव संरक्षण को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है. चिचेवाड़ा बीट के कक्ष क्र. 543 में हुई घटना के संबंध में गिरफ्तार व्यक्ति से वन विभाग की पूछताछ जारी है।

गौरीनगर में आठ दिन से घूम रहा तेंदुआ

पदमेश न्यूज। गोंदिया। शहर के गौरीनगर परिसर में पिछले आठ दिनों से तेंदुए की मौजूदगी से नागरिकों में भय का माहौल है. तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने क्षेत्र में पिंजरे और सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं. बुधवार से वनकर्मियों की गश्त भी बढ़ा दी गई है. इसके बावजूद तेंदुआ अब तक पकड़ में नहीं आने से नागरिकों में दहशत बनी हुई है। गोंदिया शहर और तहसील का अधिकांश क्षेत्र जंगल से घिरा होने के कारण यहां वन्यप्राणियों की मौजूदगी रहती है. लेकिन, हाल के दिनों में वन्यप्राणियों के शहर की ओर आने की घटनाएं बढ़ी हैं. करीब छह महीने पहले जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में तेंदुए की मौजूदगी से हड़कंप मच गया था. वहीं, दो महीने पहले छोटा गोंदिया क्षेत्र में एक भालू दिनदहाड़े शहर में घुस आया था. गौरीनगर क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग ने नागरिकों को रात के समय अकेले बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है. तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाने के साथ ही उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं.

20 वनकर्मियों का दिन-रात पहरा

तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने बुधवार से क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है. करीब 20 वनकर्मी दिन-रात गौरीनगर परिसर में निगरानी कर रहे हैं. इसके अलावा पांगड़ी जलाशय परिसर में भी तेंदुए की तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है. वन विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

नवेगांव-नागझिरा जंगल में मिला तेंदुए का शव

बाघ के हमले में मौत की आशंका-शरीर पर मिले गहरे जख्मों के निशान

पदमेश न्यूज। गोंदिया। नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प के सर्रा बीट अंतर्गत कक्ष क्र. 132 में 30 सितंबर को एक तेंदुआ मृत अवस्था में मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया. मृत तेंदुए के शरीर पर कई जगह गहरे जख्मों के निशान मिले हैं. प्रारंभिक जांच में बाघ के हमले में तेंदुए की मौत होने की आशंका जताई गई है.

वन विभाग के अनुसार, वनरक्षक नियमित गश्त पर थे. इसी दौरान कक्ष क्र. 132 में तेंदुआ मृत पड़ा दिखाई दिया. इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई. जानकारी मिलते ही वन विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया. मृत तेंदुए के शरीर पर मिले चोटों के निशान और घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए दो हिंसक वन्यजीवों के बीच संघर्ष होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है. इसी संघर्ष के दौरान बाघ के हमले में तेंदुए की मौत हुई होगी, ऐसी संभावना वन विभाग ने व्यक्त की है. घटना की सूचना मिलते ही सहायक वनसंरक्षक मनीषा चौहान, वनपरिक्षेत्र अधिकारी सपना टेभरे, मानद वन्यजीव रक्षक नेवारे, जीवविज्ञानी हर्षद रहांगडाले, पशु चिकित्सा अधिकारी तथा आरआरटी टीम मौके पर पहुंची. पशु चिकित्सा अधिकारी की उपस्थिति में तेंदुए का नियमानुसार पोस्टमार्टम किया गया. आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मृत तेंदुए का नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया. आगे की जांच वन विभाग द्वारा की जा रही है.

दो बाइकों की भिड़ंत, तीन की मौत, एक गंभीर

मिलटोली क्षेत्र की घटना – वाहन के परखच्चे उड़े

पदमेश न्यूज। गोंदिया। गोंदिया-गोरेगांव मार्ग पर स्थित हिरडामाली-मिलटोली परिसर में बुधवार की रात दो मोटरसाइकिलों में भीषण भिडंत हो गई. इस दुर्घटना में गोरेगांव निवासी पियुष बारेवार (27), सोनी निवासी मनोज मधुकर कुरंजेकर (25) व विनय धन्ना कोहरे (24) की मौत हो गई. वहीं गोरेगांव निवासी शिव मानकर (21) गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, बुधवार, 30 सितंबर की आधी रात के करीब हिटाडामली-मिलटोली क्षेत्र में मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 - एवाई 8936 व एमएच 35 - एवी 4060 के बीच गंभीर भिडंत हो गई. यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और उसके परखच्चे उड़ गए, दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय नागरिकों ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य में मदद की तथा पुलिस को सूचना दी. इस दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व एक मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई. मृतकों में पियुष बारेवार, मनोज कुरंजेकर व विनय कोहरे शामिल हैं. जानकारी के अनुसार, हादसे में शामिल सभी व्यक्ति एक-दूसरे के परिचित थे. घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पंचनामा सहित आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की. मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं. इस बीच, गंभीर रूप से घायल शिव मानकर का गोंदिया में उपचार जारी है. उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

फरार आरोपी आखिरकार गिरफ्तार

45 दिनों से पुलिस को दे रहा था चकमा

पदमेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के अरुणनगर में 15 अगस्त को आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने 45 दिनों बाद गिरफ्तार कर लिया. आरोपी का नाम इटखेड़ा निवासी निवृत्तीनाथ उर्फ सागर शरद धांडे (24) बताया गया है. उसे बुधवार को पुलिस ने पकड़ा। पुलिस के अनुसार फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान राहुल ढाली नामक युवक को धक्का देने के बाद उसके पेट पर चाकू से वार कर गंभीर रूप से घायल किया गया था. मामले में 18 अगस्त को स्थानीय पुलिस थाने में दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था. घटना के बाद दोनों आरोपी फरार थे. इनमें निकेश अनोले को पुलिस ने 1 सितंबर को पुणे से गिरफ्तार किया था, जबकि निवृत्तीनाथ धांडे लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था. पुलिस निरीक्षक मंगेश काले के मार्गदर्शन में जांच अधिकारी सहायक पुलिस निरीक्षक घनश्याम तांबे व उनकी टीम आरोपी की तलाश में जुटी थी. इसी दौरान आरोपी के गांव में आने की गोपनीय सूचना जांच अधिकारी को मिली. इसके आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को स्थानीय दिवाणी न्यायालय में पेश किया गया. पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत की मांग की. न्यायालय ने आरोपी को 2 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया है।

संदिग्ध हालत में घूम रहे दो युवकों को पकड़ा

पदमेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव से लाखांदूर मार्ग पर ग्राम ताडगांव के पास आधी रात चेहरा ढंककर संदिग्ध स्थिति में घूम रहे दो युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया. दोनों के चोरी अथवा किसी अपराध की तैयारी के उद्देश्य से क्षेत्र में घूमने का संदेह जताया गया है। अर्जुनी मोरगांव थाने के हवलदार कृष्णा मेंढे और देवनाथ मरस्कोल्हे रविवार रात गश्त पर थे. सोमवार रात करीब 2.25 बजे ताडगांव के पास सड़क किनारे लोगों की भीड़ दिखाई देने पर पुलिस ने वाहन रोककर पूछताछ की. इस दौरान अग्रवाल ग्लोबल इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के सुपरवाइजर संदीप येवकराम पुंडे ने पुलिस को बताया कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़ी कर निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली लोहे की प्लेटों के पास अंधेरे में चेहरा ढंककर संदिग्ध रूप से घूम रहे थे. उन्होंने साथियों की मदद से दोनों को पकड़कर रखा था. पुलिस पूछताछ में दोनों ने अपना नाम बोडदे करड़ निवासी प्रशांत देवाजी लांजे (32), करडगांव-बोडदे निवासी सुरेश श्रीराम वलथरे (39) बताया. क्षेत्र में घूमने का कारण पूछने पर दोनों संतोषजनक जवाब नहीं दे सके. पुलिस ने उनके कब्जे से मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 - एक्स 9897 की जब्त की. हवलदार कृष्णा मेंढे की शिकायत पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

सिर पर ईट से प्रहार

पदमेश न्यूज। गोंदिया। गंगाझरी थाने के तहत सहेसपुर निवासी फिर्यादी मिताराम काशिराम बावनकर (35) के साथ एकोड़ी निवासी आरोपी दिलीप विठ्ठल सांगोडे (60) ने उधारी पैसे को लेकर विवाद किया. साथ ही धमकी देकर सिर पर ईट से प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार राजेश जौजाल कर रहे हैं।

आभूषण सहित नकद उड़ाया

पदमेश न्यूज। गोंदिया। दवनीवाड़ा थाने के तहत धापेवाड़ा निवासी फिर्यादी कृष्णकुमार मनालाल बघेले (55) अपने घर को ताला लगाकर ससुराल गया था. इसी बीच अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर का ताला तोड़कर बेडरूम के अलमारी से सोने-चांदी के आभूषण व नकद ऐसा कुल 66 हजार 500 रु. का माल उड़ा लिया. फिर्यादी की शिकायत पर दवनीवाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक नीलकमल लिल्हारे कर रहे हैं।

1.20 लाख रु. के आभूषण चोरी

पदमेश न्यूज। गोंदिया। सालेकसा थाने के तहत आमगांव खुर्द निवासी फिर्यादी 46 वर्षीय महिला अपने घर को कुंडी लगाकर झेरॉक्स निकालने गई थी. इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर में प्रवेश कर अलमारी में रखे 1 लाख 20 हजार रु. कीमत के सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिया. फिर्यादी की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार सौंजाल कर रहे हैं।

श्रीलंका को हराकर फाइनल में पहुंचा भारत

स्वर्ण पदक के लिए शनिवार को पाकिस्तान से होगा मुकाबला

निशिन । भारतीय पुरुष क्रिकेट ने यहां एशियाई खेलों में हुए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका को 124 रनो से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अब भारतीय टीम स्वर्ण जीतने के लिए 3 अक्टूबर को फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगी। ये खिताबी मुकाबला भारतीय समय के अनुसार सुबह 10 बजे से शुरु होगा। इसमें भारतीय टीम अपना खिताब बरकरार रखने उतरेगी।

वहीं श्रीलंका के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में भारतीय टीम की जीत में ईशान किशन की अहम भूमिका रही। ईशान ने तेजी से 80 रन की पारी खेलकर भारतीय टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को आसानी से रोक दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए। इस प्रकार श्रीलंका को जीत के लिए 170 रनों का लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए लंकाई टीम 9.5 ओवर में केवल 45 रनों पर ही सिमट गयी।

टॉस जीतकर श्रीलंका ने भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 7 रन पर ही आउट हो गये।

वहीं वैभव सूर्यवंशी ने 6 चौके और 2 छक्के लगाकर 38 रन बनाए। बाकी सभी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। संजू सैमसन ने 07 रन, तिलक वर्मा ने 02 रन, अक्षर पटेल ने 08 रन, शिवम दुबे ने 03 रन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 13 रन बनाए।

ऐसे मुश्किल समय में ईशान ने 46 गेंदों में 4 चौके और 5 छक्के लगाकर 80 रन की शानदार पारी खेली। अंत में वॉशिंगटन सुंदर ने एक छक्का लगाकर भारत को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 169 रनों तक पहुंचाया।

इसके बाद 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी के शुरुआती ओवर में ही दो विकेट लेकर श्रीलंका को दबाव में ला दिया। उन्होंने सिनेथ जयवर्धना को एलबीडब्ल्यू आउट किया, जबकि सोहन डी लिवेरा का शानदार कैच संजू सैमसन ने पकड़ा। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने एकजुट प्रदर्शन करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया और उन्हें लक्ष्य से 124 रन दूर ही रोक दिया। यह भारत की एकतरफा और बड़ी जीत थी।

इस शानदार जीत के साथ भारतीय टीम अब अब फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से स्वर्ण पदक के लिए खेलेगी। पाक टीम ने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को कराकर फाइनल में जगह बनायी है।

एशियाई खेल में अनाहत हारी, भारतीय महिला स्क्वॉश टीम को मिला कांस्य

मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल ने नौकायन में रजत जीता

नागोया । एशियाई खेलों में अब तक भारत ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 60 से अधिक पदक जीत लिए हैं। स्क्वॉश कोर्ट में महिला टीम ने हांगकांग के खिलाफ सेमीफाइनल में कड़ा संघर्ष किया। अनाहत सिंह ने शुरुआती दो गेम जीतकर अच्छी शुरुआत की पर हांगकांग की चान सिन युके ने जोरदार वापसी करते हुए अगले तीन गेम जीतकर मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया, जिससे अनाहत को हार मिली। इस मैच में अनाहत ने चौथे गेम में चार मैच अंक भी गंवाए। इसके बाद, तन्वी खन्ना ने का यी ली को 3-1 से हराकर मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। हालांकि, निर्णायक और तीसरे मैच में अनुभवी जोशना चिनप्पा को त्जे लोक हो के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस परिणाम के साथ, भारतीय महिला टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा, जो इस संस्करण में भारत का 61वां पदक था।

वहीं नौकायन में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबेल की पुरुष जोड़ी ने स्कीफ स्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। कुल 29 अंकों के साथ चीनी टीम के ठीक पीछे रहते हुए, इस जोड़ी ने भारत के खाते में दिन का दूसरा पदक जोड़ा, जिससे कुल पदकों की संख्या बढ़कर 62 हो गई। वहीं व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दम दिखाया। कुश्ती में अमन सहरावत ने पुरुष ग्रीको-रोमन 77 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टरफाइनल में मंगोलिया के बोर्गिल तुवशिन्बातार के खिलाफ 1-6 से पिछड़ने के बाद एक अविश्वसनीय वापसी करते हुए 8-6 से जीत दर्ज की और क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की की। सेपकटकरा (किक वॉलीबॉल) में भी भारतीय पुरुष टीम ने वियतनाम को 15-12 और 15-7 के सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की, जिससे उनका अजेय अभियान शान से जारी रहा।

रांची में 9 अक्टूबर को होने वाले भारत-वेस्टइंडीज टी-20 मैच लिए 5 तारीख से मिलेंगे टिकट

रांची । झारखंड की राजधानी रांची में जेएसएसीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्पलेक्स में 9 अक्टूबर को एक रोमांचक टी-20 क्रिकेट मुकाबले होगा। इसमें भारतीय टीम टीम वेस्टइंडीज से मुकाबला करेगी। इस मैच के लिए टिकट 5 अक्टूबर से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से मिलेंगे।

ऑफलाइन टिकटों की बिक्री 5 और 6 अक्टूबर को जेएसएसीए से संबंधित काउंटरों पर सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक होगी। दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक काउंटर लंच के लिए बंद रहेंगे। सभी को अवसर देने के लिए, एक दर्शक एक बार में अधिकतम दो टिकट ही खरीद पाएगा।

टेस्ट क्रिकेट में अश्विन और मुरलीधरन के इस रिकार्ड की बराबरी नहीं कर पाया कोई खिलाड़ी

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन और श्रीलंकाई टीम के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम एक अनोखा रिकार्ड है जिसकी बराबरी आज तक कोई अन्य खिलाड़ी नहीं कर पाया है। इन दोनो के ही नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक 11-11 बार प्लेयर ऑफ द सीरीज अवार्ड जीतने का विश्व रिकार्ड है। प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड उस खिलाड़ी को दिया जाता है जो अपने प्रदर्शन से सीरीज का रुख पलट दे। टेस्ट क्रिकेट के लंबे प्रारुप में में यह सम्मान हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। ये उसकी निरंतरता और मैच-विजेता क्षमता को दिखाती है। मुरलीधरन ने साल 1992 से 2010 के बीच अपने 18 साल लंबे करियर में 133 टेस्ट मैच और कुल 61 सीरीज खेलीं। उन्होंने अपनी जादुई फिरकी से दुनिया भर के बल्लेबाजों को नचाते हुए 11 बार पूरी सीरीज पर अपनी अमिट छाप छोड़ी और यह पुरस्कार जीता. मुरलीधरन की घूमती गेंदों और उनकी मशहूर 'दूसरा' का सामना करना उस दौर में किसी भी विदेशी टीम के लिए सबसे कठिन चुनौती माना जाता था। वहीं दूसरी ओर, भारत के अश्विन ने मुरलीधरन के इस महारिकॉर्ड की बराबरी बहुत ही कम मैचों में कर दिखाई है। अश्विन अपनी गेंदबाजी में विविधता से बल्लेबाजों को जमने का अवसर ही नहीं देते थे। इस गेंदबाज ने साल 2011 में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की और 2024 तक खेले गए 106 टेस्ट मैचों की केवल 44 सीरीज में ही 11 बार 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब अपने नाम कर सभी को हैरान कर दिया। विशेष रुप से अपनी धरती पर अश्विन का प्रभाव ऐसा रहा है कि विरोधी टीमें सीरीज शुरु होने से पहले ही मानसिक दबाव में आ जाती थीं। गेंदबाजी के अलावा बल्लेबाजी में भी बेहतर प्रदर्शन कर वह आधुनिक टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़े मैच विजेता के तौर पर उभरे। इन दोनों के बाद सबसे अधिक प्लेयर ऑफ द सीरीज अवार्ड विजेता के तौर पर दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर जैक कैलिस का नाम आता है। कैलिस ने साल 1995 से 2013 के बीच 166 टेस्ट मैच खेले, जिनमें 61 सीरीज के दौरान उन्होंने 9 बार 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार जीता। कैलिस ने गेंद के साथ ही बल्लेबाजी में भी कई बड़े रिकार्ड अपने नाम किये हैं। वह इस प्रकर दक्षिण अफ्रीका के सबसे बड़े मैच विजेत बनकर उभरे। इस सर्वकालिक सूची में चौथे और पांचवें स्थान पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान और न्यूजीलैंड के महान तेज गेंदबाज सर रिचर्ड हैडली हैं। इमरान ने साल 1971 से 1992 के बीच अपने 88 टेस्ट मैचों के करियर में कुल 28 सीरीज खेलीं और इनमें से 8 बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। वहीं न्यूजीलैंड के महान तेज गेंदबाज सर रिचर्ड हैडली ने भी 8 बार यह सम्मान हासिल किया। हैडली ने 1973 से 1990 तक न्यूजीलैंड के लिए 86 टेस्ट मैचों की 33 सीरीज खेलीं थीं। टीम की गेंदबाजी की कमान हैडली ने अकेले ही संभालते हुए अपनी टीम को कई मैचों में जीत दिलायी।

भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान से हारकर बाहर हुई

ओकाजाकी। एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का पदक जीतने का सपना टूट गया है। इसका करण ये है कि भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के हाथों सीधे सेटों में हार झेलनी पड़ी है। यहां के सोगो पार्क जिम्नेजियम में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 25-19, 25-23, 25-18 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस प्रकार से पाक वॉलीबॉल टीम 64 साल में पहली बार एशियाई खेलों में शीर्ष चार में पहुंची है।

इस मुकाबले में दोनो के बीच बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहाँ स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। हालाँकि इसके बाद पाकिस्तान ने खेल पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। और लगातार पाँच अंक जीतकर 16-11 से बढ़त बना ली। जैसे-जैसे पहला सेट आगे बढ़ा, पाकिस्तान की बढ़त बढ़ती गई और अंततः उन्होंने इसे 25-19 से जीत लिया।

वहीं दूसरे सेट में भारतीय टीम ने वापसी की कोशिश की और 19-16 की अच्छी बढ़त हासिल कर ली पर कुछ गलतियों के कारण वे इस बढ़त का लाभ नहीं ले पाये। वहीं दूसरी ओर पाक ने शानदार खेल दिखाते हुए वापसी की और दूसरा सेट 25-23 से जीतकर मुकाबले में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं तीसरे सेट में पाक ने भारतीय टीम को संभलने का कोई अवसर नहीं दिया और आसानी से यह सेट 25-18 से जीतकर मैच पर कब्ज कर लिया।

वहीहं इससे पहले, भारतीय टीम ने पूल सी में अपने प्रदर्शन से काफी प्रभावित किया था, जहाँ उन्होंने अपने तीनों लीग मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी थी। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत वियतनाम पर 3-0 की प्रभावशाली जीत के साथ की थी और फिर हांगकांग चीन को भी इसी अंतर से हराया था। अपने अंतिम पूल मैच में, भारत को कतर के खिलाफ कड़े संघर्ष का सामना करना पड़ा। शुरुआती दो सेट हारने के बाद भी टीम ने शानदार वापसी करते हुए 26-28, 25-27, 25-23, 25-20, 24-22 के स्कोर के साथ 3-2 से रोमांचक जीत हासिल की थी। इस जीत ने भारतीय टीम को पूल सी में शीर्ष स्थान पर पहुंचाया था, जिससे क्वार्टर फाइनल में उनकी

डेब्यू पर आकिब के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड

गुवाहाटी । भारत और वेस्टइंडीज के बीच यहां हुए दूसरे एकदिवसीय मुकाबले से डेब्यू करना युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी के लिए किसी बुरे सपने की तरह रहा। नबी के नाम इस मैच में एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड जुड़ गया है जिसे वे भूलना चाहेंगे। भारतीय टीम 2027 विश्व कप की तैयारी में युवा प्रतिभाओं को मौका दे रही थी। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को डेब्यू का अवसर मिला। गुवाहाटी की सपाट पिच पर आकिब ने अपने 8.5 ओवर में बिना कोई विकेट लिए 84 रन दे दिए, जो एकदिवसीय डेब्यू पर किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा खर्च किए गए सर्वाधिक रन का एक अनचाहा रिकॉर्ड बन गया। इससे उन्होंने करसन घावरी के 1975 में लॉर्डस में दिये 83 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

इस मैच में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की अनुपस्थिति में भारत का युवा तेज गेंदबाजी आक्रमण पूरी तरह बेअसर रहा। गुरनूर बराड़ ने 96 रन देकर 2 विकेट लिए, वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने 45 रन देकर एक विकेट हासिल किया। 36वें ओवर में ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर नमन धीर के टखने में मोच आ गई और उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा। इस बेहद मुश्किल दिन में, केवल अनुभवी स्पिनर ही भारतीय टीम के लिए राहत लेकर आए। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने 65 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए और इसी के साथ वनडे क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे कर दिग्गजों के क्लब में शामिल हो गए।

एशियाई खेलों में बांग्लादेश को हराकर फाइनल में पहुंची पाकिस्तान क्रिकेट टीम

नगोया । जापान में जारी एशियाई खेलों के पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में बारिश के कारण ये मैच 20 ओवर से घटाकर 13 ओवर का कर दिया गया। इसमें बांग्लादेश ने पाकिस्तान को जीत के 112 रनों का लक्ष्य दिया जो पाक ने आसानी से 11.3 ओवर में ही हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम के कप्तान और सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए, जिसके बाद माज सदाकत (15 रन) और उस्मान खान (14 रन) भी पवेलियन लौट गए। टीम ने 6.1 ओवर में 53 रनों पर अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, सईम अयूब ने 12 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 21 रन की तेज तर्रार पारी खेलकर रन गति को बनाए रखा। गेंदबाजों के कहर के बाद हसन नवाज और अब्दुल समद ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर 32 गेंदों पर नाबाद 59 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। इस दमदार साझेदारी की बदौलत पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 112 रन बनाए और 6 विकेट से मैच अपने नाम कर लिया।

इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम की शुरुआत भी निराशाजनक रही। टीम ने 45 के स्कोर पर ही अपने शीर्ष चार बल्लेबाजों को गंवा दिया था। यहां से तौहिद ह्रदोय और मोसद्दक हुसैन ने पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 30 गेंदों पर 53 रनों की एक महत्वपूर्ण साझेदारी की। तौहिद ह्रदोय ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 25 गेंदों पर 4 छक्कों और 2 चौकों की मदद से शानदार 42 रन बनाए। मोसद्दक ने 16 गेंदों पर 11 रन का योगदान दिया। आखिर में मेहदी हसन ने 4 गेंदों पर नाबाद 8 रन बनाकर टीम का स्कोर निर्धारित 13 ओवर में 7 विकेट पर 111 रन तक पहुंचाया। ओपनर सैफ हसन ने भी 17 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 19 रन की पारी खेली थी।

पाकिस्तान के लिए स्पिनर सुफियान मुकिम सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अपने 3 ओवर में 26 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके। अराफात मिन्हास ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि सईम अयूब ने बल्लेबाजी में कमाल दिखाने के बाद गेंदबाजी में भी हाथ आजमाते हुए 2 ओवर में मात्र 3 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

अभिषेक के गोल से भारत ने पाकिस्तान को हराकर पुरुष हॉकी के फाइनल में प्रवेश किया

नगोया। भारतीय टीम ने एशियाई खेलों के पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में 4-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अंतिम क्षणों में अभिषेक ने गोल दागकर भारतीय टीम को जीत दिलायी। मैच में 59 मिनट तक स्कोर 3-3 की बराबरी पर था पर 60वें मिनट में अभिषेक ने गोल कर भारतीय टीम को 4-3 से जीत के साथ ही खिताबी मुकाबले में पहुंच दिया।' वहीं पाक टीम बाहर हो गयी। भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पहले क्वार्टर में ही भारतीय टीम को 2-0 की बढ़त मिल गयी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे। हरमनप्रीत ने 5वें मिनट पर पहला गोल और 13वें मिनट पर दूसरा गोल किया। इसके बाद पाकिस्तान ने भी पलटवार करते हुए दूसरे हाफ में एक गोल कर दिया। जिसका जवाब भारतीय टीम ने भी एक गोल कर दिया। भारत के लिए ये तीसरा गोल सुखजीत सिंह ने 23वें मिनट पर गोल किया। वहीं पाकिस्तान के लिए 30वें मिनट में अबू मोहम्मद ने पहला गोल दागा। इस प्रकार दो क्वार्टर के बाद भारत की बढ़त 3-1 हो गयी। .

तीसरे क्वार्टर में पाक टीम ने एक गोल किया। तीन क्वार्टर समाप्त होने के बाद स्कोर 3-2 पर पहुंच गया।

तीन क्वार्टर के बाद भारत की बढ़त घटकर 3-2 रह गयी। 49वें मिनट पर पाकिस्तान की ओर से वहीद राणा ने तीसरा गोल करके स्कोर 3-3 की बराबरी पर ला दिया। मुकाबले में केवल 11 मिनट बाकी रह गए थे। ऐसे में दोनों ही टीमों ने गोल करने के लिए प्रयास शुरु कर दिये पर कोई भी सफल होती नहीं दिखी। 60वें मिनट पर अभिषेक ने एक गोल कर भारतीय टीम को 4-3 की बढ़त के साथ जीत दिला दी।

अब फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा।

सीए ने बांग्लादेश, न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए घोषित की टीम

एकदिवसीय सीरीज में कप्तानी करेंगी ताहलिया

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 9 से 14 अक्टूबर तक ब्रिस्बेन में होने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज के साथ ही 18 अक्टूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भी अपनी टीम घोषित कर दी है। नियमित कप्तान सोफी मोलिनक्स और अनुभवी खिलाड़ी लूसी हैमिल्टन फिट नहीं होने के कारण बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगी। ऐसे में ताहलिया मैकग्राथ टीम की कप्तानी करेंगी। मोलिनक्स और हैमिल्टन के न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में वापसी की उम्मीदें हैं।

मैकग्राथ के पास अब 9 से 14 अक्टूबर तक बांग्लादेश के खिलाफ ब्रिस्बेन में होने वाली एकदिवसीय सीरीज में अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने का अच्छा अवसर है। वहीं यदि मोलिनक्स न्यूजीलैंड सीरीज में भी नहीं खेल पाती हैं, तो उप-कप्तान एश्ले गार्डनर इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालेंगी। वहीं डार्सी ब्राउन चोट के कारण दोनों सीरीज में नहीं खेलेंगी जबकि ग्रेस हैरिस को टीम से बाहर कर दिया गया है।

वहीं राष्ट्रीय चयनकर्ता फ्लेग्लर ने कहा कि मोलिनक्स को द हंड्रेड से वापस लौटने के बाद चोट लगी थी। शुरु में यह मामूली लग रही थी, लेकिन वह अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाई हैं। फ्लेग्लर ने उम्मीद जताई कि मोलिनक्स न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज तक फिट हो जाएंगी। उन्होंने मोलिनक्स की

अनुपस्थिति में एश्ले गार्डनर को न्यूजीलैंड सीरीज के दौरान कप्तानी सौंपने की बात कही।

वहीं हैमिल्टन की चोट के बारे में चयनकर्ता ने बताया कि उन्हें ट्रेनिंग के दौरान क्वाड में हल्का खिंचाव आया था और वह भी न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए फिट हो जाएंगी। डार्सी ब्राउन की चोट पर उन्होंने कहा कि वह कुछ समय के लिए खे से बाहर रह सकती हैं, क्योंकि उनकी पीठ में डिस्क की समस्या है, जिसे वह ठीक करने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, चयनकर्ता को उम्मीद है कि वह अक्टूबर के अंत में शुरु होने वाली महिला बिग बैश लीग में वापसी कर सकती हैं।

टीम इस प्रकार हैः निकोला कैरी, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन (टी20 सीरीज के लिए), अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स (कप्तान), बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान स्कट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में 12,000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने यहां वेस्टइंडीज के बीच दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में अपने 12000 रन पूरे कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस प्रकार वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले विश्व के केवल सातवें और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर तथा विराट कोहली के बाद तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने है।

रोहित ने स्पिनर रोस्टन चेज की गेंद पर एक रन लेकर यह मील का पत्थर पार किया। इस प्रतिष्ठित एलीट क्लब में रोहित के साथ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग, श्रीलंका के कुमार संगकारा, सनथ जयसूर्या और महेला जयवर्धने जैसे दिग्गज शामिल हैं। आंकड़ों के लिहाज से रोहित 12,000 एकदिवसीय रनों तक पहुँचने वाले विश्व के दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मुकाम तक पहुँचने के लिए 282 पारियाँ खेलीं, वह केवल विराट कोहली (242 पारियाँ) से ही पीछे हैं। रोहित ने महान सचिन तेंदुलकर (300 पारी) और रिकी पोंटिंग (314 पारी) जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़कर अपनी बल्लेबाजी कौशल का प्रदर्शन किया है। गेंदों का सामना करने के मामले में भी, रोहित दूसरे सबसे तेज हैं, जिन्होंने 12,973 गेंदों में यह आंकड़ा छुआ, जो फिर से कोहली (12,853 गेंदें) के बाद सबसे तेज है।

साल 2007 में अपने वनडे करियर का आगाज करने वाले रोहित शर्मा का अब तक का सफर शानदार रहा है। अपने 290 मैचों के करियर में, उन्होंने 12 हजार से अधिक रन बनाने के साथ-साथ 35 शानदार शतक और 62 अर्धशतक भी जड़े हैं। उनके नाम इस प्रारूप का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर (264 रन) दर्ज है, और वह एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में तीन दोहरे शतक लगाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

एशियाई खेलों में भारत के मनु और प्रिंस ने पुरुषों के स्किफ इवेंट में रजत जीता

गामागोरि सिटी । भारत के मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल की जोड़ी ने एशियाई खेलों की नौकायन के स्किफ इवेंट में रजत पदक जीता है। गुरुवार को यहां हुए पुरुषों के स्किफ इवेंट में मनु और प्रिंस ने ये रजत पदक जीता। नौ रेस के बाद भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान रही। पहला स्थान चीन की जोड़ी को मिला। भारतीय जोड़ी ने 23 अंकों के साथ रेगाटा (सेलिंग प्रतियोगिता) का समापन किया। चीन की जोड़ी, वेन जाइडिंग और लियू तियान ने 16 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। ये भारतीय जोड़ी से चार अंक कम थे। वहीं हांगकांग, चीन के अकीरा ल्यूक सकाई और रसेल आयलस्वर्थ 24 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फ्रांसिस और नोबल का प्रदर्शन काफी अच्छा बना रहा। तीसरी रेस में में उन्होंने जीत हासिल की। भारतीय सेलर्स ने रेस 3 जीती और रेस 1, 5 और 9 में दूसरे स्थान पर रहे। नौ रेस में उन्होंने कुल 29 अंक हासिल किए। रेस 8 में छठे स्थान पर रहने के परिणाम को हटाकर उनका नेट स्कोर 23 रहा।

आज रात 9 बजे भोपाल पहुंचेंगे अमित शाह

राजधानी में 23 घंटे रहेंगे केंद्रीय गृहमंत्री, 35 हजार गोपालकों से संवाद करेंगे, डेयरी प्लांट का शुभारंभ भी

भोपाल । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करीब 23 घंटे भोपाल में रहेंगे। वे 2 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे भोपाल पहुंचेंगे और होटल ताज में रात्रि विश्राम करेंगे। 3 अक्टूबर को उनका दिनभर विभिन्न सरकारी और सार्वजनिक कार्यक्रमों में व्यस्त कार्यक्रम रहेगा। रात करीब 8 बजे वे भोपाल से रवाना होंगे।

शाह भेल दशहरा मैदान में होने वाले राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन में शामिल होंगे। इसमें प्रदेशभर से 35 हजार से अधिक गोपालक और दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्य शामिल होंगे। सम्मेलन में पशुपालकों को बोनस राशि, गौशालाओं के लिए सहायता और गोपालक दीदियों का सम्मान किया जाएगा। डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के स्वीकृति पत्र भी बांटे जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से कृषक कल्याण वर्ष के तहत हुए कार्यों और बलराम कृषि महोत्सव की गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण होगा। गृह, पशुपालन एवं डेयरी, सहकारिता, लोक निर्माण और परिवहन विभाग अपनी योजनाओं की जानकारी देंगे।

16.80 करोड़ के डेयरी प्लांट का शुभारंभ

शाह भोपाल सहकारी दुग्ध संघ परिसर में तैयार फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी प्लांट का शुभारंभ भी करेंगे। 16.80 करोड़ रुपए की लागत से बने इस प्लांट में भारत सरकार का 6 करोड़ रुपए का अनुदान और भोपाल सहकारी दुग्ध संघ का 10.80 करोड़ रुपए का अंशदान है। प्लांट की दूध प्रसंस्करण क्षमता 40 हजार लीटर प्रतिदिन है। यहां दूध से दही, छाछ, लस्सी, श्रीखंड और मावा सहित मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जाएंगे।

रोज 10 हजार लीटर दूध, 10 हजार लीटर दही

प्लांट में प्रतिदिन 10 हजार लीटर दूध और 10 हजार लीटर दही तैयार करने की क्षमता होगी। इसके अलावा 30 हजार लीटर छाछ, 1 हजार लीटर लस्सी, 800 किलो श्रीखंड और 1 हजार किलो मावा तैयार किया जा सकेगा। इसका उद्देश्य सांची के कारोबार को केवल तरल दूध की बिक्री तक सीमित रखने के बजाय मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों का उत्पादन बढ़ाना है।

उज्जैन में 255 करोड़ के डेयरी प्लांट समेत परियोजनाएं

शाह के कार्यक्रम में प्रदेश के डेयरी क्षेत्र से जुड़ी अन्य परियोजनाएं भी शामिल हैं। इनमें उज्जैन में 255 करोड़ रुपए की लागत से प्रस्तावित डेयरी प्लांट, दुग्ध प्रसंस्करण और गुणवत्ता जांच से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। भोपाल और इंदौर दुग्ध संघ से जुड़े पशुपालकों को बोनस वितरण और गौशालाओं के लिए सहायता भी दी जाएगी।

नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी देखेंगे

भेल दशहरा मैदान में पुलिस मुख्यालय की ओर से नए आपराधिक कानूनों पर राज्य स्तरीय प्रदर्शनी लगाई गई है। शाह इसका उद्घाटन कर अवलोकन करेंगे। प्रदर्शनी में नए कानूनों और पुलिस व्यवस्था में हुए बदलावों को प्रदर्शित किया जाएगा।

भौंरी में आईआईएसईआर परिसर का शिलान्यास

इसके बाद शाह भोपाल बायपास स्थित भौंरी में आईआईएसईआर के अत्रि परिसर के कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां परिसर का शिलान्यास करने के साथ स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

3 अक्टूबर रात 8 बजे रवाना

शाह 2 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे भोपाल पहुंचेंगे और होटल ताज में रात्रि विश्राम करेंगे। 3 अक्टूबर को दिनभर कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद रात करीब 8 बजे भोपाल से रवाना होंगे। इस दौरान उनका फोकस गृह, डेयरी, पशुपालन, सहकारिता और उच्च शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों पर रहेगा।

कमलनाथ की 26 बीघा जमीन हड़पने की साजिश

- लेखपाल समेत चार पर रिपोर्ट; दो गिरफ्तार

बिजनौर । बिजनौर की नजीबाबाद तहसील में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की 26 बीघा जमीन हड़पने का तानाबाना बुना गया। कमलनाथ की शिकायत पर पुलिस ने जांच की तो मामला खुल गया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है, जबकि लेखपाल समेत दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। लेखपाल ने अपनी रिपोर्ट में एक आरोपी को उक्त जमीन का काश्तकार दर्शाया था।

एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा निवासी पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की तहरीर पर थाना नजीबाबाद में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें कहा गया कि उनके पिता स्व. महेंद्रनाथ की नजीबाबाद के गांव अमीखानपुर में खेती की जमीन है। उनकी ओर से 18 मई को नजीबाबाद तहसीलदार कोर्ट में विरासत दर्ज कराने के लिए आवेदन किया गया। लेखपाल ने उक्त जमीन पर अन्य वाद भूमि विवादित लिखकर रिपोर्ट प्रेषित कर दी। मालूम हुआ कि तहसीलदार नजीबाबाद की कोर्ट में उक्त जमीन को लेकर वाद धर्मपाल बनाम ग्राम सभा चल रहा है। जिसमें धर्मपाल सिंह की ओर से फर्जी वसीयत दाखिल की गई है, जोकि पंजीकृत भी नहीं है। साथ ही उनके पिता महेंद्र नाथ का मृत्यु प्रमाण भी दाखिल किया गया, जोकि 10 अप्रैल 2003 को नजीबाबाद से ही जारी हुआ। जबकि उनके पिता की मौत सात सितंबर 2004 को दिल्ली में हुई थी। आरोप लगाया कि धर्मपाल सिंह निवासी महावतपुर, जसबिंदर सिंह ढिल्लो, विजय शंकर पांडेय निवासी नजीबाबाद और हल्का लेखपाल डेविड कुमार साजिश रचकर धोखाधड़ी करते हुए फर्जी तरीके से अपने नाम कराकर बेचना चाहते हैं। पुलिस ने धर्मपाल सिंह और विजय शंकर को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी विजय शंकर ने फर्जी वसीयत टाइप की थी। बाकी दो आरोपियों की तलाश की जा रही है। प्रेस वार्ता के दौरान एएसपी देहात गौतम राय, सीओ नजीबाबाद और नजीबाबाद कोतवाल अमित कुमार भी मौजूद रहे।

लोकसेवा का मूल मंत्र 'नेशन फर्स्ट' और 'सिटिजन फर्स्ट' होना चाहिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के 100 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया। दो दिवसीय कार्यक्रम में आयोग के इतिहास, वर्तमान भूमिका और भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा हो रही है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बदलते भारत में लोकसेवा का मूल मंत्र 'नेशन फर्स्ट' और 'सिटिजन फर्स्ट' होना चाहिए।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत कर कैप्टन स्मित मच्छार का विशेष रुप से उल्लेख किया। उन्होंने उनके धैर्य, सूझबूझ और साहस की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनके पराक्रम ने देशवासियों को गौरवान्वित किया है। उन्होंने यूपीएससी के इतिहास का जिक्र कर कहा कि 1920 में सुभाष चंद्र बोस भी इसी चयन प्रक्रिया से गुजरे थे। उन्होंने बताया कि उस दौर में ब्रिटिश शासन होने के बावजूद परीक्षा में संस्कृत का पेपर भी होता था और सुभाष चंद्र बोस ने संस्कृत में परीक्षा दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पटेल के सामने देश को स्वतंत्र रखने के साथ-साथ संचालित करने की चुनौती भी थी। राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक प्रशासनिक कौशल और संस्थागत ढांचे को मजबूत करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और यूपीएससी को स्वतंत्र भारत का प्रमुख स्तंभ बनाया।

युवाओं की भर्ती पर जोर देकर पीएम मोदी ने कहा कि यूपीएससी के जरिए चुने जाने वाले युवा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया में उम्मीदवार की जानकारी के साथ यह देखना चाहिए कि वह सिविल सेवा में क्यों आना चाहता है। इसतरह के युवाओं को सार्वजनिक सेवा में लाने की जरूरत है, जो सरकारी पद से नहीं बल्कि जनसेवा से प्रेरित हों। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले एक दौर था जब सरकार को 'माई-बाप' माना जाता था, लेकिन अब समय 'नागरिक देवो भव' का है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और प्रशासन की कार्यसंस्कृति प्रो-पीपल तथा प्रो-एक्टिव गुड गवर्नेंस पर आधारित होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि लोकसेवकों में गरीबों की समस्याओं को समझने की संवेदनशीलता, नए समाधान खोजने की क्षमता और देश की जरूरतों की समझ होनी चाहिए। साथ ही परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं को भी बदलती जरूरतों के अनुसार सुधार करना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि परीक्षा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य से जुड़ी प्रक्रिया है। इसलिए समय पर परीक्षा और परिणाम सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने यूपीएसी और राज्य लोक सेवा आयोगों की क्षमता बढ़ाने तथा मिशन कर्मयोगी के आईजीओटी प्लेटफॉर्म के प्रभावी इस्तेमाल पर भी जोर दिया।

आईएएस राकेश अग्रवाल की हत्या में सुपारी किलिंग और लेनदेन के एंगल पर भी जॉच

- डीसीपी, 2 एडीसीपी, 3 एसीसीपी, 12 टीआई समेत 100 पुलिसकर्मियों की टीम जुटी
- पंजाब, यूपी, दिल्ली सहित चार राज्यो में पुलिस ने डाला डेरा

भोपाल। राजधानी भोपाल के रातीबढ़ थाना इलाके में रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल हत्याकांड में अब सुपारी किलिंग के एंगल पर भी जॉच की जा रही है। इसका कारण यह सामने आ रहा है की तीन दिन पहले आये केयरटेकर से अग्रवाल का कोई विवाद सामने नहीं आया है। लेकिन जॉच के दौरान एक करोड़ का फ्रॉड प्रकरण सामने आने के बाद यह शक गहरा गया है।

रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल की हत्या की शुरुआती जांच में सामने आया है, कि अग्रवाल ने करीब 11 महीने पहले अपने पूर्व परिचित अजीत पाटनी के खिलाफ एक करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की शिकायत क्राइम ब्रांच में की थी। पुलिस के मुताबिक, अजीत पाटनी और राकेश अग्रवाल पहले से परिचित थे। आरोप है कि अजीत ने एक कंपनी में निवेश कराने और बेहतर रिटर्न दिलाने का भरोसा देकर अग्रवाल से अलग-अलग किस्तों में एक करोड़ रुपए से ज्यादा लिए थे। रकम वापस नहीं मिलने पर अग्रवाल ने क्राइम ब्रांच में शिकायत की थी। जांच के बाद अक्टूबर 2025 में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर अजीत को गिरफ्तार किया था। इसी मामले में अग्रवाल की गवाही और कोर्ट में चल रही सुनवाई से जोड़कर भी आगे की जांच की जा रही है। अब पुलिस यह पता लगा रही है कि इस मामले में चल रही कोर्ट की कार्रवाई और अग्रवाल की गवाही का हत्या से कोई संबंध था या नहीं। हालांकि, पुलिस ने अभी पुराने विवाद को हत्या की वजह नहीं माना है। पुलिस का कहना है कि वरुण की गिरफ्तारी और पूछताछ के बाद हत्या की वजह और वारदात की पूरी कड़ी स्पष्ट हो सकेगी।

- सुपारी किलिंग की आंशका

पुलिस सूत्रों के मुताबिक फरार केयरटेकर वरुण कुमार तीन दिन पहले ही काम पर आया था। उसका रिटायर्ड आईएएस से कोई विवाद भी नहीं था। साथ ही घर में रखे अन्य कीमती सामान के गायब होने की जानकारी भी नहीं मिली है। हालांकि पुलिस ने मामले में लूट की धारा लगाई है। लेकिन पुलिस सुपारी किलिंग पर भी जांच कर रही है। सूत्रो के अनुसार संदिग्ध केयरटेकर भोपाल से भागकर आगरा पहुंचा था। जहां उसकी बहन रहती है, लेकिन वह उससे मिला नहीं। वह अपने दोस्त से मिलने पहुंचा था, और कुछ देर बाद ही उससे मिलकर चला गया। इसके बाद भोपाल पुलिस की टीम पहुंची और उसके दोस्त को हिरासत में ले लिया।

- वरुण की 4 राज्यों में तलाश

अफसरो सहित पुलिस टीमें मैदान में

संदेही केयरटेकर वरूण कुमार की तलाश में भोपाल पुलिस की करीब 10 टीमो ने झांसी, पंजाब, यूपी और दिल्ली में डेरा डाला हुआ है। केयरटेकर पंजाब के नाभा जिले का रहने वाला है। पुलिस उसके परिवार तक पहुंच गई हैं, लेकिन वह अपने गांव नहीं पहुंचा है। डीसीपी, दो एडीसीपी, तीन एसीसीपी, 12 टीआई समेत 100 पुलिसकर्मियों की टीम मामले की जांच में लगातार जुटी हुई है। फरार केयरटेकर वरुण को दबोचने के लिये पुलिस की टीमें अलग-अलग राज्यो में रवाना की गई हैं।

- हत्या का प्रकरण दर्ज

सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल की गला रेतकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने फरार केयर टेकर वरुण कुमार के खिलाफ हत्या और लूट की धाराओं 103(1), 127(2), 307 और 311 के तहत केस दर्ज किया है। उल्लेखनीय है की रातीबड़ इलाके के सूरज नगर में 30 सितंबर की सुबह रिटायर्ड आईएसएस अधिकारी राकेश अग्रवाल अपने घर में मृत पाए गए। उनके गले पर धारदार हथियार से रेतने के निशान थे। पुलिस के मुताबिक, हत्या रात 12 से 2 बजे के बीच हुई। उनकी मौत का कारण अधिक खून बहना सामने आया है। फरार केयर टेकर की आखिरी लोकेशन कुरवाई बीना रोड पर मिलने की जानकारी सामने आई है।

- एलपीजी गैस से आग लगाने की कोशिश का शक

पुलिस जांच में हत्या के साथ-साथ घर में आग लगाने की कोशिश के संकेत भी मिले हैं। बताया जा रहा है कि किचन में एलपीजी सिलेंडर का पाइप निकला हुआ था, और पूरे घर में गैस फैल गई थी। पुलिस को आशंका है कि हत्या के बाद आरोपी ने वारदात के सबूत मिटाने या घर को आग लगाने की कोशिश की हो सकती है। हालांकि इस संबंध में पुलिस की जांच अभी जारी है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर सिलेंडर ब्लास्ट से घर को उड़ाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। मृतक राकेश अग्रवाल का इकलौता बेटा अमेरिका की एक यूनिवर्सिटी में कार्यरत है, घटना की खबर मिलते ही वह भारत के लिए रवाना हो चुका है। संभवत शुक्रवार को भदभदा विश्रामघाट पर राकेश अग्रवाल का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

सरकारी योजनाओं की डिलीवरी अब कैंप से घर-घर तक

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए अब प्रशासन और संगठनात्मक गतिविधियों को सीधे गांव और शहरों तक ले जाने की तैयारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से शुरू हुए 'सेवा संकल्प' अभियान के अगले चरण में 3 और 4 अक्टूबर को प्रदेशभर में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों का फोकस केवल योजनाओं की जानकारी देने के बजाय पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं से जोडने और उनकी समस्याओं के समाधान पर रहेगा।

अभियान के तहत गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक स्थानीय स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। स्वास्थ्य, स्वच्छता, दिव्यांगजन कल्याण और अन्य सरकारी सेवाओं से जुड़ी गतिविधियों को भी इससे जोड़ा गया है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती यह है कि योजनाओं की घोषणा और उनके वास्तविक लाभ के बीच जो अंतर रह जाता है, उसे स्थानीय स्तर पर कैसे कम किया जाए। सेवा संकल्प अभियान के तहत 3 और 4 अक्टूबर को विशेष कैंप लगाए जाएंगे। इन शिविरों में अलग-अलग सरकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी के साथ पात्र नागरिकों को लाभ दिलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे लोगों तक पहुंचने पर जोर रहेगा, जो जानकारी या दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाने के कारण योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में भी इसी तरह जरूरतमंद और पात्र हितग्राहियों तक पहुंचने की कोशिश होगी।

पंचायतों को जवाबदेह, पारदर्शी और आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकता -मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा है कि त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को अधिक सक्षम, जवाबदेह और पारदर्शी बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिससे विकास योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीण अंचल के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मंत्री पटेल विकास भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 में समय की आवश्यकता के अनुसार प्रस्तावित संशोधनों के प्रारूप पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई।

मंत्री पटेल ने समीक्षा बैठक में 73वें संविधान संशोधन की मूल भावना के अनुरूप ग्राम सभा और ग्राम पंचायतों के अधिकारों व कृत्यों के युक्तियुक्तकरण पर बल दिया। इसके तहत ग्राम सभा को नीतिगत व जनसहभागिता की सशक्त संस्था बनाते हुए स्वच्छता, पेयजल, सड़क और अधोसंरचना निर्माण जैसे सभी कार्यकारी दायित्व सौंपने का निर्णय लिया गया है। साथ ही ग्राम सभा की अप्रासंगिक हो चुकी पुरानी समितियों के प्रावधानों को विलोपित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। ग्राम सभा के अतिरिक्त सम्मेलन बुलाने की जिम्मेदारी सरपंच को देने तथा कोरम के अभाव में दो बार बैठक स्थगित होने पर तीसरी बैठक में विकास कार्यों के एजेंडे पर नियमानुसार विचार करने का मार्ग प्रशस्त किया गया है। पेसा (अनुसूचित) क्षेत्रों में ग्राम सभाओं में महिलाओं की कम से कम एक-तिहाई भागीदारी और भूमि अधिग्रहण व पुनर्वास जैसे गंभीर विषयों पर 50 प्रतिशत गणपूर्ति अनिवार्य की जाएगी।

मंत्री पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अनियंत्रित बसाहट और बिना मूलभूत सुविधाओं के कटने वाली अवैध कॉलोनियों पर सख्त नियंत्रण के लिए सभी ग्राम पंचायतों को कॉलोनी निर्माण नियमों के दायरे में लाने के लिए प्रावधान करें। मंत्री पटेल ने प्रशासनिक जवाबदेही और वित्तीय अनुशासन पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए। मंत्री पटेल को बताया गया कि गंभीर वित्तीय अनियमितता के मामलों में जांच के दौरान संबंधित पदाधिकारी के वित्तीय अधिकार तुरंत प्रभाव से स्थगित किए जा सकेंगे। अभिलेख न सौंपने, शासकीय संपत्ति के दुरुपयोग अथवा नियमों के उल्लंघन पर जुर्माने की दरों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सख्त किया गया है। प्रस्तावित संशोधनों में भारतीय न्याय संहिता (ब्रहस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ब्रहस्स) के नए प्रावधानों को भी समाहित किया गया है।

पंचायतों की वित्तीय सुदृढ़ता के लिए करों और शुल्कों की प्रक्रिया का सरलीकरण किया गया है। राज्य स्तर पर गठित मध्यप्रदेश पंचायत राज निधि के माध्यम से करों व उपकर से प्राप्त राशि का पंचायतों को पारदर्शी तरीके से सहायता अनुदान के रूप में वितरण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे ग्रामीण विकास को नई गति मिल सके।

चन्द्रबली सिंह / ईएमएस / 01 अक्टूबर 2026

बैंक कर्मचारियों की हर शनिवार छुट्टी की खबर फर्जी सरकार ने कहा, कोई अधिसूचना जारी नहीं हुई

नई दिल्ली । बैंक कर्मचारियों के लिए हर शनिवार छुट्टी घोषित करने की सोशल मीडिया पर वायरल खबर को केंद्र सरकार ने खारिज किया है। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में प्रत्येक शनिवार को अवकाश घोषित करने से संबंधित कोई अधिसूचना जारी नहीं की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत आने वाली प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक यूनिट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर वायरल दावे को फर्जी बताया।

पीआईबी फैक्ट चेक के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के नाम से एक कथित राजपत्र वायरल हो रहा है। इसमें दावा किया गया है कि केंद्र सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सहित सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की शाखाओं में हर शनिवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। पीआईबी ने कहा कि वायरल दस्तावेज फर्जी है और वित्त मंत्रालय ने ऐसी कोई अधिसूचना जारी नहीं की है। वायरल दस्तावेज में कथित तौर पर विनिमय लेख अधिनियम,1881 की धारा 25 के तहत केंद्र द्वारा लोकहित में सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में प्रत्येक शनिवार को साप्ताहिक अवकाश घोषित करने की बात कही थी। दस्तावेज में तत्काल प्रभाव से लागू होने का दावा किया था।

हर शनिवार छुट्टी का मुद्दा हालांकि बैंक कर्मचारियों की ओर से लंबे समय से उठाया जाता रहा है। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर सरकारी बैंक कर्मचारियों ने 28 से 30 सितंबर तक आंदोलन और हड़ताल का कार्यक्रम घोषित किया था। हालांकि, इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बीच रविवार रात हुई बैठक के बाद प्रस्तावित आंदोलन स्थगित कर दिया गया। बैठक में शेष शनिवार को भी बैंक अवकाश घोषित करने सहित विभिन्न लंबित मुद्दों पर आगे बातचीत जारी रखने पर सहमति बनी। इसके लिए आईबीए और यूएफबीयू की एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का फैसला लिया गया है।

राहुल गांधी और कांग्रेस केवल सवाल पूछकर अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती - हेमंत खण्डेलवाल

-राहुल गांधी को कांग्रेस के अतीत और नाकामियों का हिसाब भी प्रदेश की जनता को बताना चाहिए

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बालाघाट दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राहुल गांधी का बालाघाट की धरती पर स्वागत है। वे यहां आएं, जनता से मिलें और उनकी समस्याएं सुनें, लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार सभी को है और जनता सवाल पूछने वालों से भी जवाब चाहती है। इसलिए राहुल गांधी को कांग्रेस के लंबे शासनकाल का हिसाब भी देना चाहिए। आज कांग्रेस आदिवासी क्षेत्रों की समस्याओं को लेकर सवाल उठा रही है, लेकिन उसे यह भी बताना चाहिए कि लंबे समय तक देश और प्रदेश की सत्ता में रहने के बावजूद उसने आदिवासी अंचलों के विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए क्या ठोस प्रयास किए। कांग्रेस वर्षों तक सत्ता में रही, फिर भी आदिवासी अंचलों की अनेक मूलभूत समस्याएं क्यों बनी रहीं, राहुल गांधी को इसका जवाब देना चाहिए।

नक्सलवाद पर कांग्रेस के शासनकाल का हिसाब दें राहुल गांधी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि बालाघाट की जनता कांग्रेस के उस दौर को भी नहीं भूली है, जब यह क्षेत्र नक्सलवाद की गंभीर चुनौती से जूझ रहा था। कांग्रेस शासनकाल में तत्कालीन मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री लिखीराम कांवरे की नक्सलियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। राहुल गांधी को बालाघाट की जनता को बताना चाहिए कि उस समय नक्सलवाद से निपटने के लिए कांग्रेस सरकार ने क्या ठोस और प्रभावी कदम उठाए थे। उन्होंने कहा कि क्या राहुल गांधी कभी श्री लिखीराम कांवरे के परिवार के साथ बैठे? क्या उन्होंने उनके परिवार की पीड़ा को समझने का प्रयास किया? बालाघाट की जनता इन सवालों का जवाब भी राहुल गांधी से चाहती है।

सवाल पूछने से पहले अपने शासनकाल का हिसाब दे कांग्रेस

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस आज भाजपा सरकार से सवाल कर रही है, लेकिन जनता यह भी पूछ रही है कि कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलवाद की चुनौती क्यों बनी रही, आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अपेक्षित विस्तार क्यों नहीं हुआ और वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस इन समस्याओं का स्थायी समाधान क्यों नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल सवाल पूछकर अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। जनता अब कांग्रेस से पूछ रही है कि अपने शासनकाल में क्या किया, आपकी नीतियों का परिणाम क्या रहा और जिन समस्याओं को लेकर आज आप राजनीति कर रहे हैं, उन्हें दूर करने के लिए सत्ता में रहते हुए आपने क्या कदम उठाए?

भाजपा सरकार ने सुरक्षा के साथ विकास को भी दी गति

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से बालाघाट सहित प्रदेश के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ विकास कार्यों को भी गति दी गई है। दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य बुनियादी ढांचे के विस्तार पर सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट है कि नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ उन क्षेत्रों में विकास को भी प्राथमिकता दी जाए, जहां लंबे समय तक विकास की गति प्रभावित रही। सुरक्षा और विकास के दोहरे प्रयासों से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव का वातावरण तैयार हुआ है।

राहुल गांधी केवल सवाल न पूछें, कांग्रेस का हिसाब भी दें

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि राहुल गांधी बालाघाट आएं, प्रभावित परिवारों से मिलें, उनकी पीड़ा सुनें और जनता के सवालों का सामना करें। लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि बालाघाट की जनता कांग्रेस के शासनकाल को भूली नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बताये कि कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलवाद की चुनौती से निपटने के लिए क्या किया गया? श्री लिखीराम कांवरे की हत्या के बाद कांग्रेस सरकार ने क्या प्रभावी कदम उठाए? आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए आपकी सरकारों ने क्या किया? और आज भाजपा सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई के साथ विकास को कैसे गति दी? बालाघाट की जनता इन सवालों के जवाब चाहती है। श्री खण्डेलवाल ने कहा कि राहुल गांधी बालाघाट केवल राजनीतिक दौरे पर नही कांग्रेस के अतीत, उसकी नीतियों और उसके शासनकाल का पूरा हिसाब दे।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पीड़ित आदिवासियों का दर्द सुन सरकार पर बरसे राहुल

मृत बच्चों के परिजनों से करीब एक घंटे तक की चर्चा, स्वास्थ्य-शिक्षा से लेकर मुआवजा, जमीन पट्टा और मनरेगा तक के मुद्दे उठे, बोले- आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया, मुद्दा लोकसभा में उठाऊंगा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत नव्ही के ग्राम जगला में 1 अक्टूबर को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहुंचे। राहुल गांधी पहले हवाई मार्ग से बिरसी हवाई अड्डे पहुंचे और इसके बाद सड़क मार्ग से जगला पहुंचे। दोपहर करीब ढाई बजे जगला पहुंचने के बाद उन्होंने मृत बच्चों के पीड़ित परिवारों और उनके परिजनों से लगभग एक घंटे तक चर्चा की। इस दौरान उन्होंने परिवारों से बच्चों की मौत, क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था, मूलभूत सुविधाओं, मुआवजा, जमीन के पट्टे तथा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिलने सहित कई मुद्दों पर जानकारी ली। राहुल गांधी के पहुंचने की जानकारी के बाद आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में ग्रामीण जगला पहुंच गए और उन्हें देखने तथा अपनी बात रखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। हालांकि शुरुआत में गांव में अपेक्षाकृत कम भीड़ दिखाई दी, लेकिन राहुल गांधी के ग्रामीणों के बीच पहुंचते ही लोगों का जमावड़ा बढ़ता गया।

मुद्दे को लोकसभा में उठाया जायेगा-राहुल गांधी

मृतक बच्चों के परिजनों से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने मीडिया से चर्चा करते हुए क्षेत्र की स्थिति को लेकर सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बालाघाट के आदिवासी क्षेत्रों में बीमारी और कुपोषण सहित अलग-अलग कारणों से कई बच्चों की मौत हुई है, लेकिन सरकार की ओर से जो सहयोग मिलना चाहिए, वह नहीं मिल रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा महसूस होता है जैसे आदिवासियों को हिंदुस्तान के बीचों-बीच अकेला छोड़ दिया गया है और उनके लिए न तो केंद्र सरकार दिखाई दे रही है और न ही मध्यप्रदेश सरकार। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के साथ-साथ मनरेगा तथा वन अधिकार कानून के मुद्दे भी उठाए। राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासियों को वन अधिकार कानून के तहत जमीन के पट्टे मिलने चाहिए और मनरेगा का काम फिर शुरू होना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में स्कूल, अस्पताल और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता भी बताई। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि कई बच्चों की मौत के बाद उनके परिवारों को मुआवजा तक नहीं मिला है और सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार 24 घंटे विकास की बातें करती है, लेकिन भ्रष्टाचार जारी रहता है और जब आदिवासी परिवारों को मदद की आवश्यकता होती है तो सरकार गायब दिखाई देती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक योजना का लाभ मिलने पर दूसरी योजना से आदिवासियों को बाहर कर दिया जाता है। उनके अनुसार यदि दो योजनाएं पात्र परिवारों के लिए चल रही हैं तो उन्हें दोनों योजनाओं का पूरा लाभ मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि वे आदिवासियों को वनवासी नहीं, बल्कि आदिवासी मानते हैं और उन्हें देश का मूल तथा पहला मालिक बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर इस क्षेत्र में विकास और मूलभूत सुविधाओं पर काम किया जाएगा। साथ ही उन्होंने बालाघाट के आदिवासी क्षेत्र में बच्चों की मौत, स्वास्थ्य व्यवस्था, शिक्षा, रोजगार, वन अधिकार और ग्रामीणों की अन्य समस्याओं को लोकसभा में उठाने की बात भी कही। राहुल गांधी ने इन मुद्दों को संसद में उठाने की बात भी कही है।

इन्होने राहुल गांधी के सामने क्षेत्र की परेशानियों को रखा

इधर राहुल गांधी से मुलाकात करने वाले ग्रामीणों और मृत बच्चों के परिजनों ने भी अपनी पीड़ा और मांगें उनके सामने रखीं। जगला की फगलीबाई परते, बरसाती धुर्वे, फागन परते एवं संपत धुर्वे सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया

कि उन्होंने राहुल गांधी से क्षेत्र की परेशानियों और शासन की योजनाओं को लेकर चर्चा की। कुछ महिलाओं ने बताया कि राहुल गांधी ने उनके बच्चों को गोद में लिया और उनसे आत्मीयता से मिले। ग्रामीणों ने क्षेत्र में स्कूल, अस्पताल और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग रखी। हालांकि कुछ ग्रामीणों का कहना था कि वे राहुल गांधी के सामने अपनी अन्य समस्याएं भी रखना चाहते थे, लेकिन समय कम होने के कारण वे अपनी पूरी बात नहीं रख पाए। राहुल गांधी का दौरा करीब एक से डेढ़ घंटे में समाप्त हो गया। ग्रामीणों के एक वर्ग को उम्मीद थी कि वे राहुल गांधी को सुन सकेंगे, लेकिन उनका कार्यक्रम मुख्य रूप से पीड़ित परिवारों से मुलाकात और उनकी समस्याएं सुनने तक केंद्रित रहा।

संजय उईके ने पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा व्यवस्था के लिये दिया ज्ञापन

राहुल गांधी के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी चर्चा में रही। वनांचल क्षेत्र होने के कारण पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां दिनभर सक्रिय रहीं तथा मार्गों पर व्यवस्था बनाए रखने के साथ आवश्यकतानुसार यातायात को डायवर्ट किया गया। हालांकि मौके पर अन्य बड़े नेताओं के आगमन की तुलना में अपेक्षाकृत कम पुलिस बल दिखाई देने की बात भी सामने आई। इसी को लेकर बैहर विधायक एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उईके ने नाराजगी जताते हुए पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन दिए जाने की बात सामने आई है। दूसरी ओर, जागला जैसे गांव में बच्चों की मौत का मामला अब भी सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर यह बात उठाई जा रही है कि जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनमें से कुछ परिवार अब भी मुआवजे और शासन की मदद की प्रतीक्षा में हैं। इसी के साथ क्षेत्र में स्वास्थ्य, सड़क, स्कूल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का सवाल भी बना हुआ है। राहुल गांधी के दौरे के दौरान इन मुद्दों को सामने आने के बाद अब निगाहें इस बात पर रहेंगी कि उनके द्वारा लोकसभा में मुद्दा उठाने और सरकार से जवाबदेही मांगने के बाद जमीन पर प्रभावित परिवारों और ग्रामीणों को इसका कितना लाभ मिलता है। यह आने वाला समय ही बतायेगा ।

स्थानीय पत्रकारों ने किया कवरेज

राहुल गांधी के दौरे को लेकर कांग्रेस की ओर से बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधियों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। स्थानीय मीडिया पास और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर कुछ पत्रकारों में नाराजगी भी सामने आई। स्थानीय पत्रकारों का कहना था कि जिले के संवेदनशील मुद्दों को वर्षों से जमीन पर कवरेज करने वाले स्थानीय मीडिया को कार्यक्रम में उचित व्यवस्था मिलनी चाहिए। हालांकि विवाद और असंतोष के बावजूद स्थानीय पत्रकार बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और राहुल गांधी के पूरे दौरे को कवर किया।

क्या बदलेगी जगला की तस्वीर?

राहुल गांधी के दौरे के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या जगला और आसपास के बैगा बाहुल्य गांवों में वास्तव में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं को लेकर कोई ठोस बदलाव दिखाई देगा। राजनीतिक बयानबाजी के बीच ग्रामीणों की वास्तविक जरूरतें अपनी जगह कायम हैं। बच्चों की मौत की परिस्थितियों की जांच, प्रभावित परिवारों को सहायता, स्वास्थ्य केंद्रों की उपलब्धता, कुपोषण की रोकथाम, स्कूलों की स्थिति, मनरेगा का संचालन और वन अधिकार कानून के तहत पात्र परिवारों को पट्टे जैसे मुद्दे अब भी जवाब मांग रहे हैं। राहुल गांधी ने इस पूरे मामले को लोकसभा में उठाने की बात कही है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि उनके दौरे के बाद शासन और प्रशासन की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं। ग्रामीणों को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि जमीन पर स्वास्थ्य सुविधा, स्कूल, सड़क, रोजगार, स्वच्छ पानी और सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ चाहिए। जगला में राहुल गांधी की मौजूदगी ने इन सवालों को एक बार फिर सामने ला दिया है, लेकिन इन सवालों का स्थायी जवाब राजनीतिक बयान से नहीं, बल्कि प्रशासनिक कार्रवाई और जमीनी बदलाव से ही सामने आएगा।

बैगा आदिवासी बच्चों की मौत और अतिथि शिक्षकों की समस्याओं को लेकर धरना आज

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बैगा आदिवासी समाज के बच्चों की मौत और अतिथि शिक्षकों की समस्याओं को लेकर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) द्वारा शुक्रवार 2 अक्टूबर को नगर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। पार्टी की ओर से जारी सूचना के अनुसार प्रदर्शन का आयोजन सुबह 11 बजे से डॉ. अंबेडकर चौक, बालाघाट में किया जाएगा।पार्टी के राष्टीय कोर कमेटी सदस्य एवं भीम आर्मी चीफ के सांसद प्रतिनिधि दामोदर यादव मंडल धरना-प्रदर्शन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर संबोधित करेंगे।

राहुल गांधी के दौरे से पहले एक और बच्ची की मौत, छह दिन से जिला अस्पताल में थी भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बालाघाट दौरे से पहले बैगा क्षेत्रों में फैली संक्रामक बीमारी ने 11 वर्षीय बालिका की जान ले ली। उकवा क्षेत्र के सुन्दरवाही गांव की सुषमा मर्सकोले की बुधवार रात लगभग दो बजे जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. शत्रुघ्न दाहिया ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि बालिका को मलेरिया हुआ था। छह दिन पहले उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।डा. दाहिया के अनुसार, सुषमा को मलेरिया के साथ मल्टीपल डिसीज़ थी। लगातार उपचार से मलेरिया को नियंत्रित हो चुका था, लेकिन अन्य बीमारी के कारण बालिका अचेत स्थिति में थी, जिसकी बुधवार देर रात मौत हो गई। ढाई बजे परिजन एंबुलेंस से शव लेकर गांव लेकर पहुंचे। मृतका का आज अंतिम संस्कार किया जाएगा। गौरतलब है कि बैहर और बिरसा विकासखंड के आदिवासी बैगा क्षेत्रों में मलेरिया, खसरा, कुपोषण सहित अन्य बीमारियों से अब तक 34 बच्चों की मौत हो चुकी है। जबकि बैहर से कांग्रेस विधायक संजय उइके 43 मौतों का दावा कर चुके हैं। आज गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रभावित गांव जगला जाएंगे, जहां वह मृत बच्चों के परिजनों से मिलेंगे। जगला में बीमारी से चार बच्चों की मौत हो चुकी है।

आधी रात घर से 21 वर्षीय युवती लापता

पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर शुरू की तलाश

पदमेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मरी में आधी रात एक 21 वर्षीय युवती के रहस्यमय ढंग से घर से लापता होने का मामला सामने आया है। युवती के अचानक गायब होने से परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों ने गांव सहित रिश्तेदारी और संभावित स्थानों पर काफी तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों को आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा युवती का अपहरण कर उसे कहीं बंधक बनाकर रखा गया है। शिकायत के आधार पर किरनापुर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच और युवती की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार ग्राम मरी निवासी राधेलाल जामरे खेती किसानी करते हैं। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। 29 सितंबर की रात्रि 9ः00 बजे राधेलाल जामरे की 21 वर्षीय बेटी दुर्गेश्वरी जामरे परिवार के साथ खाना खाने के बाद अपनी चचेरी बहन श्रुति जामरे के साथ अलग कमरे में सोने चली गई थी। परिवार के अन्य सदस्य घर के दूसरे कमरे में सो रहे थे।

रात में अचानक गायब हुई युवती

बताया गया कि 30 सितंबर की रात करीब 3 बजे श्रुति जामरे की नींद खुली। उसने कमरे में देखा तो

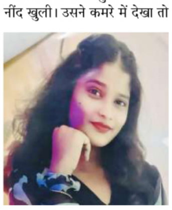

दुर्गेश्वरी वहां मौजूद नहीं थी। इसके बाद उसने तत्काल परिवार के सदस्यों को इसकी जानकारी दी। दुर्गेश्वरी के अचानक घर से गायब होने की खबर मिलते ही परिजन सकते में आ गए और उसकी तलाश शुरू कर दी।

गांव से रिश्तेदारी तक खोजबीन, नहीं मिला सुराग

परिजनों ने पहले गांव और आसपास के क्षेत्रों में दुर्गेश्वरी की तलाश की। इसके बाद रिश्तेदारों से संपर्क किया गया और संभावित स्थानों पर भी खोजबीन की गई लेकिन दुर्गेश्वरी का कहीं पता नहीं चला। काफी तलाश के बाद भी जब युवती की जानकारी नहीं मिली तो परिजनों ने किरनापुर थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी।

अपहरण की आशंका- पुलिस ने दर्ज किया मामला

परिजनों ने पुलिस के समक्ष आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा दुर्गेश्वरी का अपहरण कर उसे कहीं बंधक बनाकर रखा गया हो सकता है। शिकायत के आधार पर किरनापुर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस ने शुरू की जांच

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने दुर्गेश्वरी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा घटना से जुड़े सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। युवती घर से किस परिस्थिति में गायब हुई और इसके पीछे कौन जिम्मेदार है इसका पता लगाने के लिए पुलिस संभावित सुरागों की पड़ताल कर रही है। फिलहाल युवती के संबंध में कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट